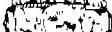




# भारत का राजपत्र



संग्रह व विप्रवाचन  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

## The Gazette of India

सं० 19] नई दिल्ली, शनिवार, मई 8, 1982 (वेशाख 18, 1904)

No. 19 NEW DELHI, SATURDAY, MAY 8, 1982 (VAISAKHA 18, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

## गृह मंत्रालय

केन्द्रीय अन्वेषण क्यारो

नई दिल्ली, दिनांक अप्रैल 1982

मंग ३०-१९०२।१/८।१-प्रणा०-५—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री ३००४०० बनर्जी, भारतीय पुस्तिकाल सेवा (उत्तर प्रदेश-१९७२), पुस्तिकाल स्थापना, आ० अ० स्कृंध, कलकत्ता शास्त्राकारी सेवागां दिनांक

प्राप्तिसंचया सम्बन्ध एवं तिथि

6-3-1982 के अपग्रह में उत्तर प्रदेश सरकार को वापस सौंप दी गई है।

दिनांक 14 अप्रैल 1982

અધ્યાત્મ

मं० ए-२२०१५/१/८१-प्रण००-५—निम्नलिखित अधि-  
सूचनाओं में प्रत्येक के सम्बुद्ध अंकित अधिकारियों की  
प्रोफ़ेशन पर वरिष्ठ लोग अभियोजक के रूप में नियुक्ति के  
बारे में, दर्शाएँ गए “तदर्थ आधार पर” शब्दों को एतद्-  
द्वारा हटाया जाता है—

प्रोम्पति पर वर्गित लोक-प्रभियोजक के सं  
में नियुक्त शाधिदारी का नाम

वरिष्ठ लोक  
अभियोजक के  
रूप में प्रोफेशन  
होते की तिथि

(1)	(2)	(3)	(4)
1. आर०-5/75-प्रश्ना०-5	26-10-76	श्री आर० एम० जसुआर०	7-10-76
2. जे०-53/67-प्रश्ना०-5	20-10-76	श्री जवहर लाल	7-10-76
3. आर०-4/70-प्रश्ना०-5	8-12-76	श्री आर० के० कंटा	8-12-76
4. गे० 1/68-प्रश्ना०-5	18-3-77	श्री म० र० य	22-7-77

(1)	(2)	(3)
5. के-४/७०-प्रशा०-५	१३-४-७७	श्री के० जगनमोहन गव्ह
६. पल-१/७१-प्रशा०-५	२-२-७८	श्री लोकेन्द्र मिह
७. के-९/७१-प्रशा०-५	९-८-७८	श्री के० एन० शर्मा
८. एस०-६/७०-प्रशा०-५	४-९-७८	श्री एस० एल० सेत्या
९. वी०-४/७१-प्रशा०-५	९-५-७९	श्री वी० एस० महाजन
१०. एस०-१६४/६७-प्रशा०-५	१८-९-७८	श्री एस० एन० तिवारी

दिनांक 15 अप्रैल 1982

सं० पी० एक०-ग० ३७/६५-प्रशा०-५—५८ वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री ए० डी० चंद्रा, वरिष्ठ लोक-अधिकारी, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, आर्थिक अपराध स्कंध, कलकत्ता दिनांक 31-३-1982 (अपराह्न) से सरकारी सेवा में नियुक्त हो गए।

सं० ए-२००२३/६/८२-प्रशा०—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री गुरमुख मिह तहिलियानी को दिनांक 30-३-1982 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक के लिये अस्थायी रूप से लोक-अधिकारी केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 अप्रैल 1982

गं० ए०-१९०२१/८/७५-प्रशासन-५—श्री जनार्दन सिंह, भारतीय पुलिस सेवा (उडीमा-1965) जो भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली में लोक प्रशासन में ७वें उच्च व्यावसायिक कार्यक्रम में प्रशिक्षण ले रहे थे, की सेवाएँ प्रशिक्षण समाप्त हो जाने के बाद दिनांक 31-३-1982 (अपराह्न) से राज्य सरकार को वापस सौंपी जाती है।

सं० ए०-१९०२१/२/७८-प्रशा०-५—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री एस० रमणी, भारतीय पुलिस सेवा (तमिलनाडू-1970), पुलिस अधिकारी, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना को दिनांक 1 अप्रैल, 1982 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन्थ पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-१९०२१/५/८२-प्रशासन-५—भारत हैवी इलैक्ट्रीकलम नि०, निस्चरणपत्री में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, राष्ट्रपति अपने प्रसाद में श्री आर० गणपति अप्पन, पुलिस उपाधीकारी, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना को दिनांक 1 अप्रैल, 1982 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन्थ पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-१९०२१/६/८२-प्रशा०-५—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री पी० डी० अजमेरा, पुलिस उपाधीकारी, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना को दिनांक 3-४-1982 (अपराह्न) से अगले आदेश तक के लिए अस्थायी रूप से स्थानापन्थ पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 अप्रैल 1982

सं० जे-४/७१-प्रशा०-५—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री जैक्सन जैकब, भारतीय पुलिस सेवा (1959-उत्तर प्रदेश), पुलिस

उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना की सेवाएँ दिनांक 12-४-1982 (अपराह्न) से उत्तर प्रदेश सरकार को वापस सौंपी जाती है।

श्रार० एस० नागपाल,  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०),  
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 14 अप्रैल 1982

सं० ओ० दो० १६०१/८१-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-II) डा० एस० एस० संखारी २६ बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा नियमावली) 1965 के नियम ५(१) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 24-३-1982 के अपराह्न से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

सं० ओ०-दो० १५७५/८१-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० (कुमारी) साधना गुप्ता को ५-४-१९८२ के पूर्वाह्न से केवल सीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक हनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में व्यनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं०-ओ०-दो०-१५४४/८१-स्थापना—राष्ट्रपति जी ने डा० तेज मिह विमल जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-II का त्यागपत्र दिनांक 3-४-1982 के अपराह्न में स्वीकार कर दिया है।

ए० के० सूरी  
महायक निदेशक, (स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय औषधोगिक सुरक्षा बल  
नई दिल्ली-110019, दिनांक 1982

सं० ई०-३८०१३(४)/१९/८१-कार्मिक—कुद्रेमुख से स्थानांतरण होने पर, श्री के० ए० बेलियपा ने ६ फरवरी, 1982 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट वी० पी० टी० विशाखा-पत्तनम के महायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 16 अप्रैल 1982

सं० ई०-३८०१५(१)/३/८१-कार्मिक—पुनर्नियुक्ति की अवधि समाप्त होने पर श्री कृष्णपा वी० ने पहली जनवरी,

1982 के पूर्वाह्न से केंद्रों श्री० सु० ब० यूनिट वी० पी० टी० विशाखापत्तनम के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-16013(2)/1/81-कार्मिक—दुर्गपुर से स्थानांतरण होने पर, श्री उदय बीर, आई० पी० ए० (प० ब० 69) ने 2 मार्च, 1982 के अपराह्न से केंद्रों श्री० सु० ब० यूनिट एफ० वी० पी० फरवर्का के कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/19/81-कार्मिक—न्यू जलपाइगुडी से स्थानांतरण होने पर, श्री केंद्रों पी० नायक ने 19 फरवरी, 1982 के पूर्वाह्न से केंद्रों श्री० सु० ब० यूनिट, आर० ए० स० पी० गल्लर-केना के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई-38013(4)/19/81-कार्मिक—विशाखापत्तनम में स्थानांतरण होने पर, श्री आर० बी० कुरुचिला ने 9 दिसंबर, 1981 के अपराह्न से केंद्रों श्री० सु० ब० यूनिट एफ० सी० आई० रामागुण्डम के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया और ज्वाइट साइकर ब्यूरो, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर श्री बी० पी० ए० तिवारी ने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(4)/19/81-कार्मिक—ए० स० एच० ए० आर० सेंटर से स्थानांतरित होने पर, श्री ए० स० धंगाचल ने श्री केंद्रों प० ब० बेलियप्पा के स्थान पर 25 जनवरी, 1982 के अपराह्न से केंद्रों श्री० सु० ब० यूनिट, केंद्रों श्री० आई० आ० सी० ए० ल० कुद्रेसुख में सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया और विशाखापत्तनम को स्थानांतरण होने पर श्री बेलियप्पा ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

मुरेन्द्र नाथ  
महानिदेशक

#### भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 अप्रैल 1982

सं० 11/3/81-प्रशा०-१—इस कार्यालय की तारीख 22-४-1981 की भाससंस्थानक अधिसूचना के अनुश्रम में गट्टप्रति, महाराष्ट्र विविध सेवा के अधिकारी श्री बी० पी० देवले को महाराष्ट्र, बम्बई में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तारीख 30 सितम्बर, 1982 तक की और अवधि के सिए पूर्णतः अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर उस निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री देवले का मुद्रणालय बम्बई में होगा।

3. श्री देवले की सेवाएं नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर 30-७-1982 से पहले किसी भी समय बिना कोई कारण छोड़ रद्द की जा सकती है।

दिनांक 16 अप्रैल 1982

सं० 11/1/80-प्रशा०-१—केन्द्र सरकार के योजना और अधिक कार्य विभाग में उप मन्त्रिक के पद पर नियुक्ति होने के कारण केन्द्र में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में उप निदेशक जनगणना ए० पी० के पद पर नार्थेजन अर्जन राज्य सरकार के

अधिकारी, श्री केंद्रों वेलोडी की भेवां तारीख 20 मार्च, 1982 के अपराह्न से केन्द्र सरकार के मुपुर्द की जाती है।

पी० पदमनाभ  
भारत के महापंजीकार

थ्रम मंत्रालय  
थ्रम ब्यूरो

शिमला-171004, दिनांक 1 मई 1982

सं० 23/3/82-मी.पी.आई.—मार्च, 1982 से ऑर्डों-गिक श्रस्तिकों के लिए अधिक भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960-100) फरवरी, 1982 के मौतर में 1 अंद्र घट कर 457 (जारी सी सनातन) रहा। मार्च, 1982 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949-100) पर परिवर्तित किए जाने पर 555 (पांच सौ पचपन) आता है।

आनन्द मुद्रण प्रारूप भारद्वाज  
निदेशक

#### वित्त मंत्रालय

(आधिक कार्य विभाग)

चलार्थ पत्र मुद्रणालय

नामिक रोड, दिनांक 11 अप्रैल 1982

सं०-177-एन०/५—महाप्रबंधक चलार्थ पत्र मुद्रणालय नामिक रोड एतद्वारा श्री ह्वी० ए० न० शाऊबुके निरीक्षक नियंत्रक चलार्थ पत्र मुद्रणालय को उप नियंत्रक अधिकारी पद पर चलार्थ पत्र मुद्रणालय में पूर्ण रूप से तदर्थ आधार पर 5 अप्रैल, 1982 से 8 मई 1982 तक नियुक्त करते हैं।

मु० द० इंद्रनुजी  
महाप्रबंधक  
चलार्थ पत्र मुद्रणालय

#### भारत प्रतिमति मुद्रणालय

नामिक रोड, दिनांक 25 मार्च, 1982

सं० : 2492/ए०—अधिसूचना संख्या 192/ए० दिनांक 27-4-1981 और 99/ए०, दिनांक 10-१-1981 के अनुक्रम में श्री जी० ए० पगरे और श्री टी० बी० उल्हानन का तदर्थ आधार पर सुरक्षा अधिकारियों के रूप में भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नामिक रोड में नियुक्तियों का कार्यकाल, उन्हीं शर्तों पर, दिनांक 31-३-1982 तक अथवा यह पद स्थायी रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, आगे बढ़ाया जाता है।

सं० : 2494/ए०—अधिसूचना संख्या 598/ए०, दिनांक 19-6-1981 के अनुक्रम में श्री ए० ए० खान, वा तदर्थ आधार पर उप नियंत्रण अधिकारी के रूप में भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नामिक रोड में नियुक्ति का कार्यकाल, उन्हीं शर्तों पर, दिनांक

31-3-82 तक प्रथमा यह पद स्थायी रूप में भरे जाने तक, इनमें में जो भी पहले हो, बढ़ाया जाता है।

पी० एस० शिवगम  
महाप्रबंधक,  
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

रक्षा मंत्रालय  
भारतीय आईनैम फैक्टरियां सेवा  
आईनैम फैक्टरी दी०

कलकत्ता, दिनांक 14 अप्रैल 1982

सं० 11/जी/82—बार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर श्री मुर्मिं चट्ट चक्रवर्ती, स्थानापन्न महायक प्रबंधक/मौलिक फोरमैन दिनांक 31 फरवरी, 1981 अपग्रह से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 15/जी/82—बार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर श्री एन० मि० धोप, स्थानापन्न महायक प्रबंधक/मौलिक फोरमैन दिनांक 28 फरवरी, 1982/अपग्रह से सेवा निवृत्त हुए।

व० के० के० मंहता  
महायक महानिदेशक, आईनैम फैक्टरियां

वाणिय मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियात का कार्यालय  
नई दिल्ली, दिनांक 17 अप्रैल 1982  
आयात तथा नियात व्यापार नियंत्रण  
(स्थापना)

सं० 1/1/82—प्रशासन (गज) /2427—राष्ट्रपति, श्री एस० के० मल्होत्रा श्री जी० एक स्थाई सहायक हैं श्रीर जिन्हें वर्ष 1980 के लिए अनुभाग अधिकारी बंग की प्रवरण सूची में शामिल करने के लिए अनुमोदन किया गया है, 20 फरवरी, 1982 (पूर्वान्तर) से नियामित आधार पर इस कार्यालय में नियंत्रक, आयात-नियात के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री मल्होत्रा का नियंत्रक, आयात-नियात के पद पर नियुक्ति दिल्ली उच्चत्रन्यायालय में विचाराधीन भी० इन्हूं पी० सं० 1194/78 के परिणाम के अधीन हैं।

जे० के० माथुर  
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियात  
कूते मुख्य-नियंत्रक आयात-नियात

उद्योग मंत्रालय

(आद्योगिक विभाग विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1982

सं० 12(496)/65-प्रशासन (राजपत्रित) (खण्ड-2)—राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय

उप निदेशक (आद्योगिक प्रबन्ध एवं प्रधिकरण) श्री वी० के० खनाय को, मूल नियम 65 (के) के अनुभार, दिनांक 31 मार्च, 1982 (पूर्वान्तर) से सरकारी सेवा में स्वैच्छिक आधार पर सेवा निवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

सं० ३०-19018(539)/८१-प्रण० (गज) राष्ट्रपति, श्री जी० एन० आजाद को लघु उद्योग शाखा संस्थान, शिलांग में दिनांक 1 फरवरी, 1982 (पूर्वान्तर) से, अगले ग्रादणों तक उप निदेशक (शाविकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 अप्रैल 1982

सं० ३० 19038/292/77-प्रशासन (राजपत्रित)---प्रतिनियुक्ति की अवधि तथा 1-10-82 से 14-1-82 तक, 106 दिन के अंतिम अवधिकाल को समाप्ति पर, लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली के उपनिदेशक श्री जवाहिर की सेवाएँ उनके प्रधान कार्यालय अर्थात् कृषि कार्यालय (खाद्य विभाग) नई दिल्ली को सौंप दी गई हैं।

सं० 10018(536)/८१-प्रण०(मत) (राजपत्रित)---राष्ट्रपति, श्री एस० जी रावत को, दिनांक 19 फरवरी, 1982 (पूर्वान्तर) से अगले ग्रादणों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी के अधीन लघु उद्योग सेवा संस्थान, विस्तार केन्द्र, जोरहाट में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (यांत्रिक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राय,  
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्णि नवा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 17 अप्रैल 1982

सं० ३०-17011/212/82/प्र० ६---महानिदेशक, पूर्णि नवा निपटान ने निरीक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में भेंडार परीक्षक (इंजी) श्री दर्शन मिह को दिनांक 23 मार्च, 1982 के अपग्रह में श्रीर आगामो आइंशो के जारी होने तक उसी कार्यालय में महायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी) के रूप में स्थानापन्न रूप में नियुक्त कर दिया है।

न० म० पैस्तमाल  
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 1982

सं० 2539वी०/प०-32013(प०ओ०)/78-30/1५०---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित अधीक्षकों को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी दिवाल में, वेतन नियमानुसार, 650-30-740-35-810-द० ३०-35-880-40-1000-

—८० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि में पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

क्र०	नाम	नियुक्ति तिथि
सं०		
1.	श्री अमल कान्त भट्टाचार्य	१५-२-८२ (पूर्वाह्नि)
2.	श्री एम० एन० ठाकुर	१७-२-८२ (पूर्वाह्नि)

दिनांक १२ अप्रैल, १९८२

मं० २५५५६०/ए०-३२०१३/ए० ओ०) /७८-८०/१९ ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित अधिकारी को प्रशासनिक अधिकारी के स्वप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि में पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है:—

क्र०	नाम	नियुक्ति- तिथि
सं०		
1.	श्री हीणक देव	१५-२-८२ (पूर्वाह्नि)
2.	कु० इरा बोस	२७-२-८२ (पूर्वाह्नि)
3.	श्री शिरेश मुख्यर्जी	२७-२-८२ (पूर्वाह्नि)
4.	श्री एम० के० गामुर्ला	१५-३-८२ (पूर्वाह्नि)

म० २५७३ बी०/ए०-३२०१४ (२-ओ० एम०) /८१/१९ बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में निम्नलिखित अधिकारी की नदर्थ पदोन्नति को सर्वेक्षण अधिकारी के पद पर उनके सामने दर्शाई गई तिथि में नियमित किया जा रहा है:

नाम	नियमित करने की तिथि
1. श्री एच० एम० सोम	११-१-८२
2. श्री ए० बी० नाहा	वही
3. श्री ए० एन० हालदार	वही
4. श्री एन० सी० नालुकदार	वही
5. श्री टी० के० गुहा	वही
6. श्री डी० वी० पाटि	वही

मं० १८०१ ई०/ए०-३२०१३ (४-डिसेंबर) /७८-१९ ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित वर्जित तकनीकी महायाकों (ड्रिलिंग) को ड्रिलर के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि में पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है:—

क्र०	नाम	नियुक्ति तिथि
सं०		
1.	श्री सी० डी० गाय	३-३-८२ (पूर्वाह्नि)
2.	श्री आर० के० गुप्ता	५-२-८२ (पूर्वाह्नि)

मं० १८१३ ई०/ए०-१९०१२ (१-एस के० जी०) /८१/१९ ए०—श्री समीर कुमार घोष को महायक भूवैज्ञानिक के स्वप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में ६५० रु० प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर ६५०-३०-७४०-३५-८१० रो० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक २०-१-८२ के पूर्वाह्नि से नियुक्त किया जा रहा है।

जे० स्वामी नाथ  
महा निदेशक

भारतीय प्रातात्मक सर्वेक्षण  
नई दिल्ली-१, दिनांक १ मई १९८२

म० ११/२/८२-एम०—प्राक्तीन संस्मारक, प्रातात्मिक स्थल एवं अवशेष नियमानुसारी, १९५९ के नियम-६ के अधीन प्रदत्त अधिकारी का प्रयोग कार्यत हुआ, मै (महांश्वरी दयाल लाल) निदेशक (स्मारक), यह निदेश जारी करता हूँ कि राजशिरि पर्वत, जिंजी, दक्षिण अर्काटि, फिरा निम्ननाड़ के स्मारकों में दिनांक ३-५-८२ से १२-५-८२ तक दस दिनों के लिए (इसमें दोनों ही तारीखें सम्मिलित हैं) दोदी नहरना कर्त्तव्यान्वयन के तारीके उत्सव के उपलक्ष्य में प्रदेश गिराश्वक होगा।

महांश्वरी दयाल लाल  
निदेशक (स्मारक)

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली-११०००१, दिनांक १६ अप्रैल, १९८२

मं० २/२/८२-एम० दो—महा निदेशक, आकाशवाणी, पत्तद्वारा श्री एन० बी० अश्वानी, लेखकार आकाशवाणी, भौवाल, १/४/८२ (पूर्वाह्नि) में प्रशासनिक अधिकारी, तदर्थ आधार पर आकाशवाणी, राज्यों के पाद पर स्थानापन्न स्वप में नियुक्त करने हैं।

मं० 4/1/82-एस०-2—आकाशवाणी, महानिदेशक, एन्टद्वारा श्री चौ० आर० नाग, वरिष्ठ हिन्दी अनुबादक, हिन्दी प्रकाशक आकाशवाणी, महानिदेशालय, को केन्द्र निदेशक, आकाशवाणी दिल्ली के कार्यालय में स्पष्ट 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतन-मान में तदर्थ आधार पर प्रतिनियुक्ति पर हिन्दी अधिकारी नियुक्त करने हैं।

दिनांक 15 अप्रैल, 1982

मं० 9/10/82-एस०-2—महानिदेशक, आकाशवाणी, एन्टद्वारा श्री एस० के० मिन्हा, वरिष्ठ आशुलिपिक समाचार सेवा प्रभाग आकाशवाणी, नई दिल्ली को 15-3-1982 (पूर्वाह्न) में समाचार सेवा प्रभाग आकाशवाणी नई दिल्ली के पद पर स्थानापन्न स्वप्न में नियुक्त करते हैं।

मं० 9/11/82-एस०-2—महानिदेशक, आकाशवाणी, एन्टद्वारा श्री आर० बी० प्रसाद वरिष्ठ आशुलिपिक समाचार सेवा प्रभाग आकाशवाणी, नई दिल्ली को 15-3-82 (पूर्वाह्न) में समाचार सेवा प्रभाग नई दिल्ली के पद पर स्थानापन्न स्वप्न में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 अप्रैल, 1982

मं० 9/12/82-एस०-2—महानिदेशक, आकाशवाणी, एन्टद्वारा श्री जगीर लाल वरिष्ठ आशुलिपिक, समाचार सेवा प्रभाग आकाशवाणी नई दिल्ली को 17-3-1982 से रिपोर्टर (यूनिटर्स) समाचार सेवा प्रभाग आकाशवाणी, नई दिल्ली के पद पर स्थानापन्न स्वप्न में नियुक्त करते हैं।

एस० बी० रघुवंश  
उपनिदेशक प्रशासन  
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई दिनांक 7 अप्रैल, 1982

मं० ए०-24013/6/80-ई० एस० टी०-I—इस कार्यालय की दिनांक 9 जनवरी, 1981 को अधिसूचना मं० दही के ऋम, में श्री पी० एस० रावतेल शाखा प्रबन्धक को छुट्टियाँ बढ़ाने की मंजूरी दी जाने की स्थिति में, श्री एस० ए० नायक स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक फिल्म प्रभाग, बम्बई को दिनांक 24 जनवरी, 1981 से 31 जनवरी, 1981 तक उसो पद पर काम करने को कहा गया।

दिनांक 13 अप्रैल, 1982

मं० ए०-19012/2-82-ई० एस० टी०-I—केन्द्रीय विधुत प्राधिकारण, उर्जा मंत्रालय, विजली विभाग, बंगलार के श्री एच० आर० शिवांग शर्व, केन्द्र आर० लेखा अधिकारी को फिल्म प्रभाग के दक्षिण ओर्डरिंग तिराणा वेस्ट, निगरां इ० १४ गार्न, 1982 के पूर्वाह्न में दो वर्ष के लिए, स्थानापन्न लेखा अधिकारी

के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्ति की जाती है।

एस के० राय  
प्रशासकीय अधिकारी  
कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1982

मं० ए० 12026/34/79-एन० एस० ई० पी०/प्रशासन-I—अपने मूल विभाग पूर्ण एवं निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में परावर्तन होने पर श्री एच० पी० नागराज्जपा ने राष्ट्रीय मलेशिया उन्मूलन कार्यक्रम निदेशालय, दिल्ली से 31-12-81 (पूर्वाह्न) में उप महायक निदेशक (स्टोर्स) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 11011/13/81 प्रशासन I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री सी० आर० पाठक को 1 फरवरी, 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज एवं श्रीमती सुन्ताकृपलानी अस्पताल, नई दिल्ली में भण्डार अधिकारी के पद पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

विलोक घन्द जैन  
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 17 अप्रैल, 1982

सं० ए० 32014/3/78-स्टोर-I—राष्ट्रपति ने श्री आर० नागराजन को 23 मार्च, 1982 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सरकारी विकास सामग्री भण्डार मद्रास में फैक्टरी मैनेजर के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शिव दयाल  
उप निदेशक प्रशासन (स्टोर)

परमाणु ऊर्जा विभाग

(विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग)

बम्बई-5, दिनांक 12 अप्रैल, 1982

सं० वि० प्रा० ई० प्र०/३(262)/78-स्थापना-I/4852—निदेशक, विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई एन्टद्वारा इस प्रभाग स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक श्री-ए० एच० पुनवानी को मार्च 29, 1982 के पूर्वाह्न से प्रत्रैल 28, 1982 के अपराह्न तक उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थायी स्वप्न से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री पी० जी० मेनन के स्थान पर की जा रही है, जो छुट्टी पर चले गए हैं।

सं० वि० प्रा० ई० प्र०/३(282)/76-स्थापना-I/4864—इस कार्यालय की तारीख मार्च 22, 1982 की अधिसूचना, जिसके अनुसार इस प्रभाग के स्थायी लेखापाल तथा स्थानापन्न सहायक लेखा प्रायोजना इंजीनियरिंग विभाग को फरवरी, 12, 1982 को लेखा अधिकारी-II नियुक्त किया गया था, को देखने की कृपा

की जाए। श्री गणेशा अधिकारी-II को मार्च 25, 1982 के अपराह्न से सहायक लेखा अधिकारी के पद पर प्रत्यावर्तित किया जाता है।

सं. शि० प्रा० ड० प्र०/३(२८३)/७६-स्थापना-I/४८६५—  
इस कार्यालय की तारीख मार्च, 22, 1982 की अधिसूचना,  
जिसके अनुसार इस प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और  
स्थानापन्न सहायक लेखा पाल श्री डौ० एल० गवाणकर को फरवरी  
12, 1982 से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त दिया गया था,  
को देखने की कृपा की जाए। श्री गवाणकर, सहायक लेखा अधिकारी  
को मार्च 25, 1982 के अपराह्न से गवाणकर लेखा पाल के पद पर  
प्रत्यावर्तित किया जाता है।

आर० ह्य० बाजपेयी  
सामान्य प्रशासन अधिकारी

#### क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 8 अप्रैल, 1982

सं. शि० म० नि०/२/१(५)/७७-प्रशासन/९३६७—  
परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक  
ने सहायक भंडार अधिकारी श्री एम० के० जान की छट्टी मंजूर  
हो जाने पर स्थायी भंडारी श्री एम० आर० वैष्णा को स्पष्ट  
६५०-३०-७४०-३५-८१०-द० रो०-८८०-४०-१०००-द० रो०  
४०-१२०० के बेतन क्रम में २० जनवरी, 1982 (पूर्वाह्न) से  
२२ फरवरी, 1982 (अपराह्न) तक के लिए तदर्थ आधार पर  
स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

बी० जी० कुलकर्णी  
सहायक कार्यिक अधिकारी

#### तारापुर परमाणु बिजलीघर

डाकघर-टी० ए० पी० पी०, ४०१ ५०४

ठाणे, दिनांक 14 अप्रैल, 1982

सं. शि० ए० पी० एम०/११९/(३)/७६-आर०—मुख्य  
अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर गजस्थान परमाणु विद्युत  
परियोजना में स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक प्रीरं स्थानापन्न  
सहायक लेखा पाल के रूप में कार्यरत श्री के० सी० शर्मा को तारापुर  
परमाणु बिजलीघर में दिनांक 22 मार्च, 1982 की पूर्वाह्न से  
आगले आदेशों तक के लिए ₹० ६५०-३०-७४०-३५-८८०-द० रो०-  
४०-९६० के बेतनक्रम में सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते  
हैं।

पी० उणिकाणन  
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी  
अंतरिक्ष विभाग  
अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-380053, अप्रैल 12, 1982

सं. स्था०/३/२०/८१—निदेशक, अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र  
अहमदाबाद श्री डौ० आई० जोशी को अंतरिक्ष विभाग के अंत-

रिक्ष उपयोग केन्द्र में वेजानिय/हेजनियर “एम बी०” के पद पर<sup>1</sup>  
ग्रस्तार्थी ए० में दिनांक प्रत्यन्तवर, 1, 1981 के पूर्वाह्न से नियुक्त  
करते हैं।

सी० आर० शाह  
प्रशासन अधिकारी-II

#### पर्यटन और नागर विमान स्वाक्षर्य

नई दिल्ली, दिनांक 1 अप्रैल, 1982

सं. शि० ३५०१७/१/८१-ई० I/शि० ई०—राष्ट्रपति ने  
नागर विमान स्वाक्षर्य में नागर विमान स्वाक्षर्य के निदेशक  
के रूप में श्री भवानीमल, आई० पी० एम० (राजस्थान 1950)  
की प्रति नियुक्ति की अवधि को २५००-१२५/२-२७५० स्पष्ट  
के बेतनमात्र में २७-११-८१ से २२-२-१९८२ तक और आगे  
बढ़ा दिया है।

एम० सूर्यनारायण  
अवृत्त सचिव

#### भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-३, 14 अप्रैल 1982

सं. शि०-३२०१४/५/८१-स्थापना—मौसम विज्ञान के  
महानिदेशक, भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित  
व्यावसायिक सहायकों को उनके नामों के आगे दर्शाया गया  
दिनांक से आगमी आदेशों तक उसी विभाग में स्थानापन्न  
सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं:—

क्र०	नाम	सहायक मौसम वि- ज्ञानी के रूप में कार्य- भार संभा- लने का दिनांक
सं०		

१	२	३
1.	श्री बी० श्री० चक्रवर्ती	22-१-८२
2.	श्री आर० बरदावारजन	वही
3.	श्री पी० डी० मिश्रा	वही
4.	श्री ए० डी० बैनर्जी	वही
5.	श्री के० जी० मल्होत्रा (फोरमेन)	वही
6.	श्री टी० के० भरथन (फोरमेन)	वही
7.	श्री पी० एम० नायर	वही
8.	श्री एम० के० बागची	वही
9.	श्री जे० एम० सूलचंद्रानी	1-३-८२
10.	श्री सी० एम० बैस	11-३-८२
11.	श्री आर० एम० शेष्ठा	1-३-८२
12.	श्री इशर दाग	22-१-८२
13.	श्री पी० बी० पिल्लई	वही
14.	श्री ए० के० दत्ता	2-२-८२

1	2	3
15.	श्री एस० दास सर्मा	22-1-82
16.	श्री एस० गोविन्दाचार्य	25-1-82
17.	श्री आर० आर० बलवाली	22-1-82
18.	श्री वी० जी० जाटव (फांगसैन)	बही
19.	श्री वी० पौ० अरथवत्तर	बही
20.	श्री एस० ए० (सरा जुल्लाह)	बही
21.	श्री एस० डी० पुरी	8-3-82
22.	श्री वी० बाला सुदूरमण्डिल	22-1-82
23.	श्री सी० जी० नहेलकर	बही
24.	श्री ए० के० मेठ	बही
25.	श्री आर० आर० बघोलीकर	22-1-82
26.	श्री वी० के० पथुर	28-1-82
27.	श्री जी० वी० मल्लान	22-1-82
28.	श्री पी० वी० हल्लदर	बही
29.	श्री के० संसुगम	4-2-82
30.	श्री वी० सी० विमान	27-1-82
31.	श्री ए० आर० हल्लदर	22-2-82
32.	श्री एस० शंकर	22-1-82
33.	श्री डी० के० मंडल	बही
34.	श्री सी० पी० थरेट	बही
35.	श्री डी० एस० पटेल	28-1-82
36.	श्री वी० पी० टीकम	22-1-82
37.	श्री एल० पी० पवार	बही
38.	श्री वी० जी० कोत्राली	बही

के० मुख्यर्जी  
मौसम विज्ञानी (स्थापना)  
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यलय

नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल, 1982

सं० ए० 31013/1/81-ई० I—राष्ट्रपति ने श्री एन० एस० कुमारी को दिनांक 7-3-1981 से नागर विमानन विभाग में उपनिदेशक और परीक्षा के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 7 अप्रैल, 1982

सं० ए० 32013/7/79-ई०-I—राष्ट्रपति ने सर्वे श्री जी० के० गंधी और जे० एस० चौहान की वैमानिक अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति दिनांक 29-10-1981 के बाद 31-5-1982 तक अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्त होने तक, इन में से जो भी पहले ही जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

दिनांक 13 अप्रैल, 1982

सं० ए० 32013/5/81-ई०-I—राष्ट्रपति ने सर्वे श्री वी० एन० वपुर और आर० वी० रणदिवे की उपमहानिदेशक नागर विमानन के ग्रेड में तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति क्रमांक दिनांक 12-1-1982 और 15-11-81 के बाद भी

रखने की मंजूरी दी है। राष्ट्रपति ने सर्वे श्री वी० एन० वपुर और प्रार० वी० रणदिवे को दिनांक 19-1-1982 के अन्य वादपत्र होने तक उपमहानिदेशक के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त भी किया है।

दिनांक 14 अप्रैल, 1982

सं० 32013/7/82-ई०-I—राष्ट्रपति ने श्री एस० एस० साइमन, नियंत्रक विमान क्षेत्र, मद्रास को दिनांक 5-4-1982 से और 31-8-1982 तक अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्त होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, निदेशक विमानक्षेत्र, मद्रास के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

मुख्यकार्य गुप्ता  
उप निदेशक प्रधानमन

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल, 1982

सं० ए० 12025/1/81-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री प्रण कुमार को दिनांक 29-1-82 (पूर्वाह्न) से नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और अत्य आदेश होने तक, उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, पालम, नई दिल्ली के वायरलिय में होनान किया है।

प्रेम चन्द  
महायक निदेशक प्रधानमन

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क पंचं सीमा शूलक समाहर्ता

बड़ौदा, दिनांक 3 फरवरी, 1982

सं० 1/82—महायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बलसाड के अधीन कार्यरत केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग “ख” अधीक्षक श्री सी० पी० देसाई बृद्धावस्था में पेशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-11-81 के अपग्रहन में निवृत हो गये हैं।

सं० 2/82—महायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ौदा के अधीन कार्यरत केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग ‘क’ महायक समाहर्ता श्री एन० एस० देसाई बृद्धावस्था में पेशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-12-1981 के अपग्रहन में निवृत हो गये हैं।

सं० 3/82—महायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ौदा के अधीन कार्यरत केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग “ख” अधीक्षक श्री सी० सी० दिवानाजी बृद्धावस्था में पेशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-12-1981 के अपग्रहन में निवृत हो गये हैं।

दिनांक 31 मार्च 1982

सं० 4/82—महायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सूरत मण्डल-I के अधीन कार्यरत केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग “क” महायक समाहर्ता श्री गुरुबच्चन मिह बृद्धावस्था में पेश-

आयु प्राप्त होने पर दिनांक 28-2-82 के अपराह्न से नियुक्त हो गये हैं।

जे० एम० वर्मा  
समाहृती,  
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क,

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय  
सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क  
नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1982

सं० 6/82—श्री फूल चंद ने, जो पहले सहायक समाहृती केन्द्रीय उत्पादन शुल्क दिल्ली के पद पर तैनात थे, वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के दिनांक 17-2-1982 के आदेश सं० 18/82 (फा० सं० ए० 22012/10/82-प्रशा० II) के अनुसार स्थानांतरण हो जाने पर निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के विस्तीर्ण स्थित मुद्यालय में, दिनांक 29-3-1982 (पूर्वाह्न) से सहायक निदेशक, ग्रुप “क” के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 7/82—श्री एम० चक्रवर्ती ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, कलकत्ता में सहायक समाहृती के पद पर तैनात थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिनांक 6-3-1982 के आदेश सं० 27/82 (फा० सं० ए० 22012/10/82-प्रशा० II) के अनुसार निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के कलकत्ता स्थित पूर्वी प्रादेशिक यूनिट में स्थानांतरण होने पर दिनांक 29-3-82 के अपराह्न में सहायक निदेशक ग्रुप “क” का कार्यभार संभाल लिया।

एस० बी० सरकार,  
निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल आयोग  
नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1982

सं० ए० 42016/1/80-प्रशा० 4/स्था-1—प्रध्यक्ष, के० ज० आयोग, निम्नलिखित अधिकारियों को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक (हाइड्रोमेट) के पद पर तदर्थ नियुक्त को 31-7-82 तक प्रथवा इन पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो बढ़ाते हैं :—

1. श्री एफ० सी० सिंगल
2. श्री ए० के० अग्रवाल
3. श्री पी० के० गुप्ता
4. श्री आनंद प्रकाश

सं० ए० 42016/1/80-प्रशा० 4/स्था-1—प्रध्यक्ष, के० ज० आयोग निम्नलिखित अधिकारियों की रु० 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, अतिरिक्त सहायक निदेशक (हाइड्रोमेट) के पद पर तदर्थ नियुक्ति को 6 माह की अवधि अप्रैल 28-2-82 से 2-56CH/82

31-8-82 तक प्रथवा इन पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, के लिए और बढ़ाते हैं :—

1. श्री डी० एस० मदान
2. श्री ए० पी० छन्ना
3. श्री विनोद कोल
4. श्री एस० बेंकटरामन
5. श्री रवीन्द्र सक्सेना
6. श्री एल० पी० भुयान

के० ए० ए० भण्डारा  
अवर सचिव

### केन्द्रीय विष्युत् प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांक 12 अप्रैल 1982

सं० 22/6/81-प्रशासन-1(बी०)—प्रध्यक्ष, केन्द्रीय विष्युत् प्राधिकरण, एतद्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायकों/सर्वेक्षकों को केन्द्रीय विष्युत् प्राधिकरण में केन्द्रीय विष्युत् इंजीनियरी (ग्रुप बी०) सेवा के अतिरिक्त सहायक नियेशक/सहायक अधिकारियों के ग्रेड में, स्थानापन्थ क्षमता में, प्रत्येक के सामने लिखी तारीख से आगामी आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं :—

क्र०	अधिकार का नाम	कार्यभार संभालने की तारीख
सं०		
1.	श्री आर० के० जैन	26-2-82 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एस० के० श्रीवास्तव	1-3-82 (पूर्वाह्न)
3.	श्री एम० के० बेग	3-3-82 (पूर्वाह्न)
4.	श्री डी० लहरी	5-3-82 (पूर्वाह्न)
5.	श्री मोहम्मद मुश्यम	8-3-82 (पूर्वाह्न)
6.	श्री डी० के० मिला	8-3-82 (पूर्वाह्न)

एस० विश्वास  
अवर सचिव

### विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज का कार्यालय

बंगलौर, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० 3312/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की आरा 560 की उपद्वारा (5) के अनुसरण में —एतद्वारा

सूचना दी जाती है कि होमसला एलेक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कंपनी विष्टित हो गयी है।

बंगलौर, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० 2209/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956  
 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार से एतद्वारा  
 सूचना ही जाती है कि सुप्रीमियर आक्सीजन लिमिटेड का नाम  
 प्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित  
 हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० 2522/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956  
 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना  
 दी जाती है कि बेंगलूरु सिनेमाटोथ्रेफिक इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमि-  
 टेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी  
 विधायित हो गई है।

बी० एन० जगन्नाथ  
कम्पनियों का रजिस्टर

बंगलौर, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० 3159/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 6  
 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एमद्वारा सूचना  
 दी जाती है कि, सीयरस रीसरच एण्ड कन्सलटेन्सी प्राइवेट लिमि-  
 टेड का नाम आज रजिस्टर से कोट दिया गया है और उक्त कम्पनी  
 विषयित हो गई है।

अंगलीर, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० 3005/560/81-82—कम्पनी प्रधिनियम, 1956  
 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा  
 सूचना दी जाती है कि एम० एम० ए० सी० एस० आर० कल्फटरस  
 प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और  
 उक्त कम्पनी विष्टित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० 3006/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956  
 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना  
 दी जाती है कि गोटाबाट कम्पनी लिमिटेड का नाम  
 आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विवरित हो  
 गई है।

बंगलौर, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० 3432/560/81-82—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की भारा 560 की उपभारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सुखना

दी जाती है कि गोजर एण्ड कम्पनी इन्जीनियरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बंगलौर, विनांक 2 मार्च 1982

सं० 2454/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि जी० बी० केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उबत कम्पनी विषदित हो गई है।

बंगलौर, विनांक 2 मार्च 1982

सं० 3296/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956  
 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतव्वुरा मूलना  
 की जाती है कि कावेरी फर्टिलाइजर्स एण्ड केमीकल्स प्राइवेट लिमि-  
 टेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी  
 विष्टित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 2 मार्च' 1982

सं० 2262/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956  
 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना  
 यी जाती है कि पार्सेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज-रजिस्टर  
 से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विभिन्न हो गई है।

बंगलौर, विनांक 2 मार्च 1982

सं० 2794/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956  
 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना  
 वी आती है कि राजहस्त पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड का  
 नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघ-  
 दित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० 2964/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956  
 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा  
 सूचना दी जाती है कि एक्समान कनस्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट  
 लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त  
 कम्पनी विषट्ठित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० 1992/560/81-82—कम्पनी प्रधिनियम, 1956  
 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा  
 सूचना दी जाती है कि बेल्लारी मिनारल्स प्राइवेट लिमिटेड का  
 नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है उक्त कम्पनी विष-  
 दित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० 3756/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि प्रीया इनवेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० 3082/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सन (चैम येन्ज) इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० 2292/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सुदोदर ट्रेडिंग एण्ड चिट फण्डस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० 1636/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि रेजान पारम प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० 2788/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि अमाल्यामेटड भुल्डरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० 2720/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बिदर केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० 2587/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना

दी जाती है कि टोलानी गारमेण्ट्स इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० 650/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री विनायाका मिस्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० 1972/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री विवरेश्वर केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० 1633/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री उमा महेश्वरा ट्रेडिंग एण्ड चिट फण्डस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

बंगलौर, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० 2948/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बज्जा डैरी प्रैमिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

बंगलौर, दिनांक 2 मार्च 1982

सं० 3448/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री बेन्कटेश्वरा स्टेड एण्ड एटरप्रैस स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

पी० ठौ० गजवानी  
कम्पनियों का रजिस्टर  
कर्नाटिक, बंगलौर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दी हूस्टीच्यूट आफ बुक-कीपर्स आफ इंडिया प्रा० लिमिटेड के विषय में

नई विल्ली, दिनांक 8 अप्रैल 1982

सं० 4545/5822—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर वी इंस्टीच्यूट आफ बुक-कीपर्स आफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्णित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषट्टित कर दी जायेगी।

सत्येन्द्र सिंह  
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार  
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम 1956 और कोरामण्डल एकवाटिक प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1982

सं० ९११/टी० ए० II/५६०—कम्पनी अधिनियम की घारा ५६० की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री नवयुगा फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्री रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गई है।

दी जाती है कि कोरामण्डल एकवाटिक प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्री रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री नवयुगा फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में,

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल, 1982

सं० ११५७/टी० ए० I/५६०—कम्पनी अधिनियम की घारा ५६० की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री नवयुगा फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्री रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषट्टित हो गई है।

बी० एस० राजू  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
आधि प्रदेश, हैदराबाद

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सुकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
नं रेंज, 3

बम्बई, दिनांक 14, अप्रैल, 1982

निवेश सं० ए० आर० 3/2020/81-82—अतः मुझे  
सुधाकर वर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस. नं० 171, फालणी नं० 6 (पीटी),  
न्यू छिस्ता नं० 6 (पीटी), सिटी एस० नं० 1942 से 1954  
तक और 1954-ए है, तथा जो घाट कीपर में स्थित है (और  
इससे उपाबुद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण स्थ से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
31-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृके यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तग  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, एकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

1. श्री धरमदास जाधवजी शहा एंड अदर्स

(अन्तरक)

2. कीर्ति बिहार, को-आपरेटिव हाउर्सिंग सोसायटी लिमिटेड  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आर्टी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
वाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या आर०/5081/72 और  
जो उप-रजिस्ट्रार बम्बई, द्वारा दिनांक 31-8-1981 को रजि-  
स्टर्ड किया गया है ।

सुधाकर वर्मा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, 3, बम्बई ।

तारीख : 14-4-1982

मोहर :

**प्राप्ति आई० दो० एन० एस०—**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 अप्रैल, 1982

निवेश सं० ए० पी० नं० 3111—अतः मुझे के० के० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
कपूरथला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यरोपण से हुई किसी आय की वावत उच्च  
अधिनियम के परीक्षन कर देने के प्रत्यरक के  
शायित्र में फंसी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी व्यवय या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें पारसीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनामे अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उच्च अधिनियम को धारा 269-ग के प्रकृतरण  
में, मैं, उच्च अधिनियम की धारा 269-घ की उच्चारण (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धत् ५—

1. श्री जगदीश प्रशाद पुत्र श्री बनारसी दास  
वासी कपूरथला ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सतनाम कौर पत्नी सतिन्द्र सिंह  
वासी मकान नं० 133, मुहूला किशनपुरा,  
जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में इच्छा रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए  
कार्यालयीय करता हूँ।

उच्च सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन व्यापक तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख व्यापक तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाले में  
समाप्त होती होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी धार्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण।**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ हींगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 57-ए, गुपटाल फाटक, नजदीक रनधीर  
होस्टल, कपूरथला, जैसा कि विलेख नं० 1530, दिनांक अगस्त,  
1981 को रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है।

के० के० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख : 3-4-1982

मोहर :

ग्रहण आद्वृ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 अप्रैल, 1982

निवेश सं० ऐ० पी० न० 3112—यतः मुझे को० को० मित्तल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल,  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
कपूरथला में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय  
कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण निम्नित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हाई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूक्ष्मा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री रघुबीर सिंह मनचन्द्रा पुत्र श्री शिवराम सिंह  
कोठी नं० सी-१७, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली आफ और  
जी० ए० आफ श्रीमती निरंजन कौर और श्रीमती  
रत्नकौर, मैना और श्री नानक सिंह पुत्र श्री मती  
धर्मकौर (भतीजा)

(अन्तरक)

2. श्री तेजा सिंह पुत्र बतन सिंह  
वामी मुहूला परमजीत गंज, नजदीक स्टेट गुरुद्वारा,  
कपूरथला ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० २ में लिखा है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुधि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरणः**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति नं० १-३- /३५ ए, मुहूला परमजीत गंज,  
सामने मिथिल अस्पताल, कपूरथला में स्थित है, जैसा कि विलेख  
नं० 1646 दिनांक अगस्त, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
कपूरथला में लिखा है ।

के० के० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीखः 3-4-1982

मोहरः :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 मार्च 1982

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 3113—यतः मुझे के० के० मित्तल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-सू के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
होशियारपुर में स्थित (और इससे उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) वारि अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में  
वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; वारि/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बारकानाथ पुत्र श्री कांशी राम,  
वासी माल रोड, होशियारपुर  
(अन्तरक)
2. श्री रजिन्द्र प्रसाद गुप्ता पुत्र श्री गुर्वीराम [गुप्ता],  
होशियारपुर अब पोस्ट बाक्स, नं० 3107, पीछे  
बिटल होटल, कुक्केर।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में राजि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

ब्लाट नूकलाल 5 मरले, जोकि माल रोड, होशियारपुर में पर  
है और व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 2555 दिनांक 28-8-81  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपुर में लिखा है।

के० के० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 27-3-82  
मोहर :

प्रस्तुत आदृ.टी.एन.एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निवेदन सं ० ऐ० सी० नं ३११४—यतः मुझे केंद्रो मित्तल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
दीयाबाद, तह० फगवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपांड  
अनुसूची में और जो पूर्ण स्थग वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अर्द्धांन दिनांक अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए, तथा  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वापर उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

-- 56 GI/82

1. श्रीमती जनकदुलारी, विधवा, श्री बजरंग वली  
वासी हैदीयाबाद तह० फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री मुर्गीत कुमार प्रेम कुमार, मुपुत्र श्री बाजरंगम  
वासी हैदीयाबाद, तह० फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसाकि उपर नं० २ में है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

नो पृ० ४६ सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए  
कार्यबाह्यां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बढ़ द्वितीय व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### बमूसूची

जमीन 8 कनाल, 0 मरले, खसरा नं० 833 जोकि  
गांव हैदीयाबाद, तह० फगवाड़ा, में स्थित है जैसा कि विलेख  
नं० 1236 दिनांक 1 अगस्त, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता  
प्राधिकारी फगवाड़ा, में लिखा है।

केंद्रो मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 3-4-1982

मोहर :

प्रलेप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जान्मधर

जान्मधर, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निदेश सं० ३११५—यतः मुझे कें० के० मित्तल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
हैदीयावाद, तह० फगवाड़ा में स्थित है (और इसे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वावृत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आंतरिकों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में  
संविधा के लिए

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जनकदुलारी विधवा श्री बजरंग वली

वासी हैदीयावाद, तह० फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री मुर्गिन्द्र कुमार और श्रीज लाल मुपुत्र श्री बाजरगाम  
वासी हैदीयावाद, तह० फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० २ में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वावृत्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आदंपत :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावृत्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन 8 कनाल, 8 मर्गे, 2खसरा नं० 832, जो हैदीयावाद  
में स्थित है जैसाकि विलेख नं० 1237 दिनांक अगस्त  
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

के० के० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जान्मधर

तारीख 3-1-1982

मोहर :

प्रस्तुप आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्रायलिय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निदेश सं० प्र० पी० नं० 3116, —यतः मुझे के० के०  
मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसका मं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
हैदरीयाबाद तह० फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
पल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की वापर, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अस्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
को लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आमिस्तियों  
को, जिहै भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए भा छिपाने में  
सुविधा वी लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रमोद कुमार, पुत्र हैदराबादी,  
आसी हैदरायाबाद, तह० फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सवरनी, पत्नी नाजर राम  
आसी हैदरायाबाद, तह० फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सूचित रखता है।  
(वह व्यक्ति, जिनके बाद में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय के दिया गया  
है।

अनुसूची

जमीन 7 कनाल, 1 मारला, खसरा नं० 829/2 जो कि  
हैदरायाबाद में स्थित है तह० फगवाड़ा में जैमा कि विलेख नं०  
1238 दिनांक अगस्त, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
फगवाड़ा में लिखा है।

के० के० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 3-4-82

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 अप्रैल, 1982

निवेश सं० ऐ० पी० नं० 3117—अतः मुझे कें० कें० मित्तल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
हादीयाबाद, नह० फगवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपावड़  
अनुसूची में और जी० पू० घ० से लिखा है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) वे अधीन दिनांक मित्तबर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिक्रिया के लिए अंतरिक्ष की गई है और यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति वा उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं संश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरी  
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हू० किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
— उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपर्युक्त (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. प्रमाद कुमार पुत्र बजरंगलाल,  
वासी हादीयाबाद तह० फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सवर्णी पत्नी नाजर राम  
वासी हादीयाबाद तह० फगवाड़ा।

(अन्तरिरी)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में सच रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह संपत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ या  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

जमान 4 कनाल 0 मरले, खसरा नं० 830 जोकि  
हादीयाबाद, में स्थित है तह० फगवाड़ा जैमाकि विलेख नं० 1548  
दिनांक मित्तबर, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कगवाड़ा  
में लिखा है।

के० के० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 3-4-1982

मंहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 मार्च, 1982

निकेश सं० ऐ० पी० नं० 3118—यतः मुक्ति को० के०  
मितल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका म० जैसा कि अनुमूली में लिखा है तथा जो  
फगवाड़ा में स्थित है (ओर इसमें उपावन्न अनुमूली में और जो  
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास  
करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिफल से, एमें दूसरामान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६--

1. श्रीमती परमजीतकीर, पत्नी गुरबन्ध मिह  
वासी नन्म जारा तह० फिल्डौर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नसीबकीर, पत्नी श्री लष्मन सिंह  
वासी नंगल माजारा तह० कंगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० २ में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड़ है)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूली

1/2 हिस्सा मकान का नं० श्री/XX/145, और व्यक्ति  
जैसा कि विलेख नं० 1367, दिनांक अगस्त, 1981 को  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पंगवाड़ा में लिखा है।

के० के० मितल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 27-3-1982

मोहर :

प्रखण्ड प्राईंटी १० एन०एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269प्र(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 27 मार्च, 1982

निवेश सं० ऐ० यौ० नं० 3119—यतः मुझे को० के०  
मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्पायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
फगवाड़ा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाख्य अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय  
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को नृवैक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिक्रिय के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वयापूर्वी या उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्रिय से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिय का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तररु (अन्तरकों) और  
प्रत्यक्षी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिक्रिय निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
बास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण में दूरी किसी आय को बाबा, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
हमारे करने या उसके बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरबखण सिंह पूत्र गुरदित्त सिंह  
वासी नमू माजरा, तह० फिलौर

(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरदेव कौर पत्नी जरनैल सिंह  
वासी नंगल माजरा तह० फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि अपर नं० २ में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिकारों में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोव्यक्ताकारी  
जानकारी है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्रवैक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवैक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किंतवद  
किसी अभ्यर्थी द्वारा अधोव्यक्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 मकान का हिस्सा, न० बी/XX/145 और व्यक्ति जैसाकि  
विलेख नं० 1368 दिनांक अगस्त, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ट  
अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

के० के० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 27-3-1982

मोहर :

## प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयकर (नियोक्ताण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 29 मार्च, 1982

निवेदा नं० ८०००००३१२०— यह मुझको० के० मित्तल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
अजीतगंज, नं० ५०५५५ का में स्थित है (और इसमें पातङल  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी  
के कार्यालय ग्रोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 ना 16) के अधीन दिनांक मित्तव्र, 1981

को पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का  
पन्द्रह प्रतिशत जीविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया  
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(घ) दोस्री किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तवियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. डा० मुमोप चन्द्र पुत्र श्री रमेनाथ मिश्र,  
वासी अजोहर ग्राम मामते हैंडगोस्ट श्राफिस, गांधीनगर,  
बस्ती (य० नी)

(अन्तरक)

2. डा० मुमोप चन्द्र चूध पुत्र श्री देसराज  
वासी गोडगाला, गोड, अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपरन्तु २ में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )  
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में भूमि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जानी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयान्हीयों शब्द करता हड़।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीकृत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) यह मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हितबढ़  
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

## अनुसूची

मकान नं० 1227/12, अजीतगढ़, और अधिति  
जैसा कि विलेख नं० 2188 दिनांक मित्तव्र, 1981 को रजिस्ट्री  
कर्ता अधिकारी अनोहर में लिखा है।

के० के० मित्तल  
मकान प्राधिकारी  
महायकर आयकर आयकर (मिरोक्ता)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 29-3-82

मोहर :

प्रहृष्ट प्राई. टी. एन. एस.-----

अधिकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आज्ञेन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 अप्रैल, 1982

निवेश सं० रु० ०००००००३१२१-प्रत. मुद्रा के० के० मित्तल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मन्ती  
अबोहर में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्मी अधिकारी के कार्यालय अबोहर में  
रजिस्ट्रीकर्मी अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अक्टूबर, 1981

को पूर्वांक मंतिन के उन्नित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि दृश्यपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, गंभीर दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अंतरीतीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से दर्शन नहीं किया गया है :--

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमित्यों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री डालचंद पुत्र कालू राम,  
वासी पुराना फाजिल्का रोड, अबोहर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शकुन्तला दर्वा विवाह पूर्थी गाँज  
वासी गली नं० १-ए, अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० २ में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पन्न है)

4. वह व्यक्ति जो सम्पत्ति में स्थित नहीं है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधाहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह समाप्ति से हितनह है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त अधिकार सम्पत्ति में हितव्यवधि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

62/125 मकान का हिस्मा खस्मा नं० 284 (288-8))  
जैसा कि थिलेख नं० 2303, दिनांक अक्टूबर 1981 को  
रजिस्ट्रीकर्मी अधिकारी अबोहर में लिखा है :

के० के० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
आज्ञेन रेंज जालन्धर

तारीख : 27-3-1982

मोहर :

प्रस्तुत आहे, टी. एन. एम. -----

प्रधानकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निवेदण सं० गो० ए० न० 3122—यतः ममे के० के० मित्तल,

प्रायहर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवरण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मन्डी अबोहर में स्थित है (आँग इसमें उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्टा प्रधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रेकरण प्रधिनियम इ 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विख्यास करने वा कारण ? कि व्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल 1, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य पे उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिकृत नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, यह उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप्धारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गनपत राय पुत्र कालू राम  
वार्मी हंडस्ट्रियल प्रिया, श्री गंगा नगर ।

(अन्तरक)

2. श्री बृजलाल पुत्र नर मिह दाम,  
श्रीमती विरसा देवी पर्णा श्री बृजलाल, हंदर पुत्र  
श्री बृजलाल, श्री कुन्दन लाल, पुत्र श्री प्रेम चन्द  
वार्मी गली नं० १-ए, अबोहर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० २ में लिखा है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्वतं रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

62/125 हिस्मा मकान का खमग नं० 284 (288-8),  
जैसा कि विलेख नं० 2341 दिनांक अक्टूबर, 1981 को रजिस्ट्रेकर्टा प्रधिकारी की अधिकृत अबोहर में लिखा है ।

के० के० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 3-4-82

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 अप्रैल 1972

निदेश सं० गे० पी० नं० 3123—यनः मुझे के० के० मिन्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राथिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मूल्यमें लिखा है तथा जो मन्डी अबोहर में स्थित है (और इस उपायद्वारा अनमूर्ची में और जो पूर्ण स्वप्न से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1982

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्वप्न में कार्यान्वयन किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमर्ति गोतांदेवी पुत्री श्रीमती कमला देवी विधवा श्री कालूराम वासी। रेलवे रोड, हापड़ जिला गाजियाबाद (यू० पी०) द्वारा गनपत राये पुत्र श्री कालूराम वासी। श्री गंगा नगर।

(अन्तरक)

2. श्रीमर्ति शकुन्तला देवी, विधवा पृथ्वी राज, श्री वृजलाल पुत्र श्री नरसिंह दास, श्रीमर्ति विरमा देवी, पत्नी वृजलाल, इंदर पुत्र श्री वृजलाल, और कुन्दन लाल पुत्र प्रेम चन्द वासी गली नं० 1-ए, मन्डी, अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि अपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/125 मकान का हिस्सा खसरा नं० 284 (288-8), जैसा कि विलेख नं० 3154, दिनांक जनवरी, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

के० के० मित्तल  
सकाम प्राथिकारी  
महायक आयकर आयवक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 3-4-1982

मोहर :

प्रसूप आर्द्ध. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर  
जालन्धर, दिनांक 31 मार्च, 1982

निदेश नं० ऐ० 3103—यतः मूल्य के० के० मित्तल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिमकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो  
खुरला में स्थित है (और इससे उपांबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्र कर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अगस्त, 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मैंने यह विश्वास  
करने वा कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती  
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण विस्तृत में वास्तविक  
रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कर्ता करने या उससे बचते में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

1. श्रीमती करतार मित्तल, पत्नी कुन्दन सिंह  
गांव खुरला, तहू जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री करनैल सिंह पुत्र साधु सिंह,  
गांव कोट कली, तहू जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबन्ध है)

कांग यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवारीहृत्यां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति. अराजी 14 कनाल, 8 मरला, बाकिया रक्का  
गांव खुरजा जैसा कि विलेख नं० 3663, दिनांक अगस्त,  
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

के० के० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 31-3-1982

मोहर :

प्रूफ आई.टी.एन.एस. -----

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 मार्च 1982

निवेदन नं० ऐ० प०० नं० 3104—यत् मुझे, को० के० मित्तल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी भ० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव  
नगर वांग में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जालन्धर में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का द्वारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण से उद्दत अन्तरण  
दिवित में वास्तविक रूप से कीभूत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने  
में सुविधा के लिए,

भत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, गुर्हीत :—

1. श्रामती मुद्रण जिदल पत्नी राम स्वरूप,  
वासी 13-ए, ओलड जवाहर नगर, जालन्धर।  
(अन्तरक)

2. श्री मनोहर मिह पुत्र किशन मिह व गुरदर्मीन मिह पुत्र  
मनोहर सिंह, वासी 365, आर, माडल टाउन,  
जालन्धर व अमरीक मिह (HUF) पुत्र देविन्द्र सिंह,  
वासी 347-आर, माडल टाउन जालन्धर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० २ में लिखा है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

1. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में इच्छा रखता है।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस मूल्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवृत्ति या उससंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
ताप्रीत में 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी प्रवृत्ति बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस मूल्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकें।

**स्थानीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिधापित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति अराजी 3 क, 7 म० 236 वर्ग फुट बाकिआ, रकबा,  
नगनी बीराँ, जैमा कि विलेख नं० 3443, दिनांक अगस्त,  
1981, को रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

को० के० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जाल० १

तारीख: 31-3-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 31 मार्च 1982

निर्देश मं० मे० पी० 3105—यतः मुझे, के० मित्तल,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व को अधीन सदाम प्राप्ति-तारीख को यह विवरण करने का  
कारण है कि भूद्वार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
आर जिसकी मं० जैमा कि अनुमूल्य से लिखा है तथा जो गांव  
नंगली वीग में स्थित है (आर इसमें उपावड़ अनुमूल्य से आर जो  
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरण  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तर्क) और अन्त-  
प्रति (अन्तप्रति) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकल्प नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती. मुद्रशन जिन्दल पत्नी। राम स्वरूप,  
वासी 134-ए, ओल्ड जवाहर नगर, जालन्धर।  
(अन्तरक)
2. श्री मनोहर सिंह (HUF) पुत्र किशन सिंह, गुरदर्शन सिंह  
पुत्र मनोहर सिंह वासी 365-आर, माडल टाउन  
जालन्धर व अमर. के सिंह (HUF) पुत्र देविन्दर सिंह  
वासी 347-आर, माडल टाउन, जालन्धर।  
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० २ में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो अकिन सम्पत्ति में सूचि रखता है।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर<sup>1</sup>  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त भूद्वार सम्पत्ति में हितबढ़  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति अराजी 3क० 7म०, 236 वर्ग फीट वाकिया रक्खा  
नंगली वीग, जैमा कि विलेख नं० 3444 दिनांक अगस्त,  
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

के० के० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, जालन्धर

नामांकन : ३१-३-१९८२

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निवेदण नं. 3106—यतः मुझे, केंद्र के० मित्तल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० ३० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो खुला  
में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अगस्त 1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का बारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, प्रसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निरीक्षण नुद्देश्य भौं उक्त अन्तरण निरीक्षण में वारनीवक  
है परं कर्त्तव्य नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वारायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतयों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, हिसाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निरीक्षण अधिकारी प्रभाग 1--

1. मेजर कंवल सिंह पुत्र मेजर जनरल गुरदीप सिंह,  
बासो बड़ाला, तहर जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री करतार सिंह, पुत्र श्रष्टर सिंह महिंगा राम पुत्र लगराम,  
विश्वम्बर नाथ पुत्र लधा राम, सोमदत्त पुत्र बंकोल चन्द  
वासी अबादपुरा, जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि लिपर नं० २ में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हावि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति आराजी 3 कनाल, 10 मरला, घाकिअरा, रक्षा  
बुरला, जैसा कि विलेख नं० 3499, दिनांक अगस्त, 1981  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

केंद्र के० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

दारीका : 3-4-1982

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एत० ए८०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 अप्रैल, 1982

प्रिवेश सं० 3107—यतः मुझे के० के० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के प्रधीन सत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो खुरला  
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन  
तारीख अगस्त, 1981

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्ता-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए। और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ अन्तरण  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्,—

1. राजिन्द्र किलोविद्वान् गुरुदीप सिंह

(पा०, गुरुना, तालूक जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री मनोज पुत्र खलदा गम, लाल चन्द्र पुत्र कालूराम,  
अशोक कुमार, कृष्ण कुमार, पुत्र गुरुदत्त  
वामी जालन्धर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके प्राधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सुच रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

क्वो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से  
45 दिन की प्रवृत्ति वा उत्तमरुप व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी  
प्रवृत्ति बाद में समाप्त होती हो, के सीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी  
प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित  
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति अराजी 3 कनाल, 10 मरुला, बाकिआ रकबा  
खुरला जैसा कि विलेख नं० 3501, दिनांक अगस्त, 1981  
वारे रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

के० के० मित्तल  
मन्नम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 3-4-1982

मोहर :

प्राप्त ग्राइंडी० टी० पैन० पूर्ण० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निवेदन सं. 3108—यतः मुझे, के० के० मित्तल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारीको यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये वे अधिक है  
और जिसकी मं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव  
खुरमा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अगस्त, 1981

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के तिए अन्वरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का लाभ है कि यथार्थीकरण अपत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल हा एवं प्रतिशत अधिक है और  
अन्वरित (अन्वरितों) और अन्वरिती (अन्वरितियों) के बीच  
ऐसे अन्वरण के तिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्वरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्वरण में दुई किमी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अ-  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ;  
प्रयोजनार्थ अन्वरिती हारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती राजिन्द्र ठिनो (वधवा गुरदीप सिंह  
धारा खुरला, महा० जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री मुरज प्रकाश पुत्र राम मरन दाम, मुराज चन्द्र  
पुत्र हरी किशन, मुरिन्द्र कुमार पुत्र परमानन्द, व  
दीवान चन्द्र, मुरेश कुमार पुत्र यशपाल,  
वारी आबोदपुरा, जालन्धर।

(अन्तरीती)

3. जैमा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में गच रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
तिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
प्रय॑ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति अराजी 3 कनाल, 10 मर्ला, वाकिया रकबा,  
गांव खुरला, जैमा कि विलेख नं० 3502, दिनांक अगस्त,  
1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

के० के० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 3-4-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निवेश सं० 3109 यतः मुझे, के० के० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो नंगली बीरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरंग (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अंतरितमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधित् १—

5-56GI/82

(1) मान सिंह, मलुक सिंह पुत्र गंडा सिंह वासी लिदड़ा तहसील : जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्री महिन्द्रपाल सिंह, गुर कुपाल सिंह पुत्र हरनाम सिंह ओबराय, वासी ई० ए० 112-ए, जोड़ा गेट, जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि कपर नं० 2, में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हृचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में हूँ इं भी जानेंगे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त पाद्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति अराजी 3 कनाल वाकिया रकबा गांव नंगली बीरा, जैसा कि विलेख नं० 3742, विनांक अगस्त 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

के० के० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालंधर।

दिनांक : 3-4-1982

मोहर :

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निवेश सं० 3110, यतः मुझे, कें० क० मिस्टर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बाजार  
कलां जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक  
अप से कीथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से है इसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उक्त-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :--

(1) श्री तिलक राज, प्रेम चन्द्र पुत्र फरंगी राम वासी :  
22/2, सेन्ट्रल टाउन, जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विजय रानी पत्नी शाम सुन्दर घोपड़ा  
वासी : 22/2, सेन्ट्रल टाउन जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2, में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में हच्छ रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्राप्रटी 1/3, दूकान वाकिया बाजार कलां, जैसा कि विलेख  
नं० 3763 दिनांक अगस्त 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
जालंधर ने लिखा है।

कें० कें० मिस्टर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालंधर

दिनांक : 3-4-1982

मोहर :

प्रकल्प याई० टी० एन० इ०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारत  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 14 अप्रैल 1982

निर्वेश सं० ए० पी० 3124—यतः मुझे, के० के० मित्तल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा-  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो ओगटी  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रस्तरितियों)  
के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रध, उक्त प्रधिनियम की आया 269-व के प्रनुसरण में, मैं  
उक्त प्रधिनियम की आया 269-व की उपाधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ति:—

(1) श्री पूर्ण सिंह पुत्र श्री नन्द सिंह वासी गांव लघेवाली  
तहसील जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्री शाम सुन्दर पुत्र श्री देवकी नन्दन वासी मंडी  
कूण्डगंज, जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्रारूपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाब में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पात्र विविध  
में किये जा सकेंगे।

उपलब्धकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 2 कनाल 0 मरले जो कि गांव ओगटी  
तहसील जालंधर में स्थित है जैसा कि विलेख नं० 3703  
दिनांक अगस्त 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर  
में लिखा है।

के० के० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालंधर  
दिनांक : 14-4-1982  
माहेन्द्र ३

प्रकल्प शाही० टी० एस० एच०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 मार्च 1982

निर्देश सं० ए० एस० आर०/81-82/418—यतः मुझे,  
आनंद सिंह शाही० आर० एस०

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी की यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है  
और जिसकी सं० ए० एक कोठी नं० 18 है तथा जो एलबर्ट रोड  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावरु अनुसूची में श्रीर  
पूर्ण रूप० में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रगतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों  
को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थया था या किया  
जावा चाहिए था, जिपाले में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३—

(1) सर्वश्री रविन्द्र कुमार, सुरेश कुमार, विपन कुमार, प्रशावनी  
महाजन पुत्र राधे शाम व बीबी नीना महाजन  
पुत्री राधे शाम ८ सरकुलर रोड अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री रजिन्द्र सिंह पुत्र सुरिन्द्र सिंह, श्रीमती गुरदीप  
कोर पत्नी रजिन्द्र सिंह ५८-शाहीद भगत सिंह रोड,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कपर सं० २ में कोई किराएदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)  
को पह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन  
के लिए कार्यवाहिया द्वारा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

एक कोठी नं० १८ जो एलबर्ट रोड केनेडी एवेन्यु अमृतसर  
में है जैसा सेल ऑड नं० 11214/18-8-81 रजिस्ट्रीकर्ता  
प्राधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, शाही० आर० एस०

सभम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज ३, चन्द्रपुर, अमृतसर

दिनांक : 27-3-1982

मोहर :

प्रस्तुति आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 अप्रैल 1982

निर्देश सं० ए० एस० आर०/81-82/419—यतः, मुझे,  
आनंद सिंह आर्द्ध.आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि उक्त अधिनियम, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० एक प्लाट है तथा जो शास्त्री नगर अमृतसर में  
स्थित है (और इससे उपावन्द्र अनुप्रूपी में और पूर्ण हुप से  
अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उक्त अधिनियम  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके उक्त अधिनियम प्रतिफल से, एसे उक्त अधिनियम प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्यापार प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कृष्ण कुमारों पुर्वां गुरुचरण दत्त, 16,  
अहम नगर, अमृतसर द्वारा पश्चा लाल महाजन पुर्व  
गुरुचरण दत्त, अटारनी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सर्वन मेहरा पत्नी जोगिन्द्र पाल, रानी बाला  
बाग, अमृतसर अब 9 मकबूल रोड।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीय करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### नमस्त्री

1/2 भाग एक प्लाट का जो 158.8 वर्ग मी. है जो शास्त्री  
नगर, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 11171/17-8-81  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आर्द्ध.आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 3 अंड्रपुरी, अमृतसर

दिनांक : 5-4-1982

मोहर :

**मरण वाईटी एस.एस.**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

**भारत राजपत्र**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 मार्च 1982

निर्वेश सं० ए० एस० आर०/8282/420—ग्रन्ति ममे,  
आनंद सिंह आई० आर० एस०

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो मुर्गी महला बटाला  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बटाला में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और ममे यह विवास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, एस० इयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) उक्त उद्देश्य के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने वा उससे बचने में सहिता के लिए;  
बाहुदारी

(क) ऐसी किसी भाव या कारण आस्तीनी  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सहिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की संपादा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीनः—

(1) श्रीमती गंज कौर पत्नी गुरबचन सिंह दशमेश  
नगर बटाला अब जै० 1/2 गोदिन्द कालोनी राज-  
पुरा।

(अन्तरक)

(2) श्री स्वर्ण सिंह पुत्र के सर सिंह पुरियां खुरद तहसील  
बटाला जिला गुरदासपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।

(4) और कोई

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी अवधि पूरागतः

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृष्ट  
किसी भाव व्यक्ति इवारा अभिहसाकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० एम० सी० ए० नं० शी०/शी०/286/1  
जो मुर्गी महला बटाला में है जैसा सेल डी० सं० 3794/  
13-8-81 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी बटाला में दर्ज है।

(आनंद सिंह), आई० आर० एस०,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 3, चन्द्रपुरी अमृतसर

दिनांक : 29-3-1982।

मोहूर :

प्रसूप आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 मार्च 1982

निर्देश सं० ए० एस० आर०/8282/421—यतः मुझे,  
आनंद सिंह आई० आर० ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए० एक जायदाद है तथा जो मुर्गी महला बटाला  
में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक, अगस्त 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आविहए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) कुमारी सविन्द्र कौर पुर्णा मोहन सिंह टिबा जिला  
कपूरथला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दलीप कौर पत्नी स्वर्ण सिंह वासी पुरियां  
खुरद तहसील बटाला जिला गुरदासपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।

(4) और कोई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग भकान नं० एम० सी० ए० नं० बी०/वी०/286/1  
जो मुर्गी महला बटाला में है जैसा सेल डीड नं० 3795/  
13-8-81 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में दर्ज है।

(आनंद सिंह), आई आर० ए०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी अमृतसर

दिनांक : 29-3-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 18 मार्च 1982

निर्देश सं० १० एम० आर०/8282/422—यतः मझे, आनंद  
सिंह आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० १० एक प्लाट है तथा जो सुन्दर नगर अमृतसर  
में स्थित है (और इसमें उपाग्रह अन्तर्भूती में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अंतरिक्त (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उक्तदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइं किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविस्तयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जगन्नाथ पुत्र संत राम वासी कटड़ा छड़त सिंह  
अमृतसर व हरनाम सिंह पुत्र प्रेम सिंह चौक पुल  
वाला अमृतसर, गली जड़ाऊ वाली म० न० 1399  
(अन्तरक)

(2) प्रेमवती विधवा मदन लाल प्लाट न० 93 गली  
न० १ सुन्दर नगर अमृतसर।  
(अन्तरिक्त)

(3) जैसा ऊपर सं० २ में कोई किराएदार हो।

(4) और कोई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तसील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही वर्त होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मन्त्री

एक खाली प्लाट न० 93 जो गली न० 1 सुन्दर नगर  
अमृतसर में है जैसा सेल डीड न० 10947/13-8-81  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

(आनन्द सिंह) आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 3, अन्नपुरी अमृतसर

दिनांक : 18-3-1982

मोहर :

**प्रस्तुत नामः डॉ. एन. एस. ——————**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 मार्च 1982

निर्देश मं० ए० एम० आर०/81-82/423—यतः, मुझे,  
आनंद मिह, आई० आर० एम०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थानवर संपत्ति जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. में अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो ग्रान्ट ऐवेन्यू, अमृतसर  
में स्थित है (और इसमें उपावधि अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट  
से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर  
में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक, अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अंतरित  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रतिवर्ती अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) श्रेमती रवीन्द्र कौर, पत्नी जीत मिह जोली, बाजार  
संचाक मंडी, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रेमती पदमा कपूर पत्नी बाल किशोर, कोठा  
नं० 5, ब्रह्म नगर, अमृतसर और विकाश मूद  
(नाबालिंग) पुत्र बुज भूपण मूद, फैडज कलोर्ना,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) जैमा ऊपर मं० 2 में कोई किरणदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रसुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में पांचालित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक वनी हुई जायदाद कोटी नं० 472 जो ग्रान्ट ऐवेन्यू,  
अमृतसर में है जैमा सेल डीड नं० 11165/17-8-81  
रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

(आनन्द मिह), आई० आर० एम०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, अमृतसर

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-56 3/32

दिनांक : 24-3-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आपूर्व अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर  
अमृतसर, दिनांक 23 मार्च 1982

निर्देश सं० १० एस० आर०/81-82/424—यतः मझे,  
आनन्द सिंह आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० १० एक प्लाट है तथा जो बसंत ऐवेन्यु अमृतसर  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध प्रनमूर्ति में और पूर्ण रूप  
में अणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बात, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय दा किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सरूप सिंह एडवोकेट पुत्र सरदूल सिंह चौल  
मंडी अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री तिलक राज व राज कुमार ग्रोवर पुत्र मुर्नी लाल  
83 ग्रीन ऐवेन्यु अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० २ में कोई किराएदार है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धि व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अमृतसरी

एक प्लाट नं० ५३० जो बंसप ऐवेन्यु अमृतसर में है  
जैसा कि सेल डीड नं० १०७५८/७-८-८१ रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह आई० आर० एस०

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 3, चन्द्रपुरी अमृतसर

दिनांक : 23-3-1982

मोहर :

## प्रस्तुत आई.टी.एम.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

## उत्तर संकेत

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर; दिनांक 5 अप्रैल 1982

निवेश सं. १० एम. अ.र०/८१-८२/४२५—यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई० आर० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. १० एक प्लाट है तथा जो शास्त्री नगर अमृतसर  
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक अगस्त, 1981।

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोंत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कीधत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) श्रीमर्ति कृष्ण कुमारी पत्नी गुरचरण दत्त 16  
ब्रम नगर अमृतसर द्वारा पश्च लाल महाजन पुस्त  
गरचरण दत्त अटारनी

(अन्तरक)

(2) ए० एस० सोनी पुस्त गोविंद राम वासी रानी का  
बाग अमृतसर।

(प्रत्यक्षिती)

(3) जैसा ऊपर सं. 2 में कोई किशाएवार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) और कोई  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्ध है)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों कहुता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तमवधि व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख ते 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 158 व० ग० है जो शास्त्री नगर  
अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं. 10737/7-8-81 रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई० आर० एम०  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 3, चन्दपुरी अमृतसर

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीक्षत—

दिनांक : 5-4-1982

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

ग्राहक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 मार्च 1982

निर्देश सं० ए० एम० आर०/81-82/426—यन् मझे,  
आनंद मिह, आई० आर० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में एक भूमि का लाइट है तथा जो वेरकः  
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचि में श्रीर  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक: मार्गशीर्ष, 1981।

कि पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य संकाम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्रत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एंस दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरी  
(अन्तरीरीतयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया था। दोनों-  
फल, निरन्तरीकृत उदादृथ से उक्त अन्तरण निर्वित में वास्तविक  
रूप से कथित नहो किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने से मुखिया  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तीयों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तर्रती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
तारीख : 12-3-1982

(1) श्री हरमेजन मिह पुत्र पाला मिह वासी वेरका  
द्वारा श्री रतन लाल पुत्र फेल्मल 14-रतन चंद  
रोड़ अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री विश्वन दास पुत्र वर्षा राम 47-कटड़ा मोरी  
राम अमृतसर।

(अन्तरिरी)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायादार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**--इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक खाली भूमि का लाइट खमगा नं० 1431 जो वेरका  
अमृतसर में है जैसा मैल डॉक नं० 11446/21-8-81  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद मिह, आई० आर० एम०,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, अमृतसर

दिनांक : 27-3-1982

मोहर :

प्रृष्ठप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 25 मार्च 1982

निर्देश सं० ए० एम० आर०/८१-८२/४२७—अतः मझे,  
आनंद मिह, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
त्रै कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो गली लांबा कूचा  
मदारियां अमृतसर में स्थित हैं (और इसमें उपावड़ अनुसूचि  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ना अधिकारी के  
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक, अगस्त, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
आर/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

(1) श्रीमती जनक रानी पत्नी राधा शाम, कटड़ा बाग  
सिंह, कूचा मदारियां अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मधु बाला पत्नी विनोद कुमार मकान नं०  
129/2 कटड़ा परजा अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरणदार हो।

(4) और कोई

(दह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)  
जानना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्याप्तिया, पर अन्तर  
की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों से गे किसी व्यक्ति द्वारा,

(ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राप्ति  
हैं, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक मकान नं० 163×1-3 और 355×1-3 जो गली  
लांबा कूचा मदारियां कटड़ा बाग मिह अमृतसर में है है जैसा  
मेल डीड नं० 11109/14-8-81 रजिस्ट्रेकर्ना अधिकारी  
अमृतसर में दर्ज है।

प्रानंद मिह आई० आर० एम०  
सक्षम अधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज 3, चंद्रपुरी, अमृतसर।

दिनांक : 25-3-1982

मोहर :

प्रस्तुप् आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 मार्च 1982

निर्देश सं० ८० ए० एस० आर०/८१-८२/४२८—यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई० आर० ए०म०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० ८० ए० मकान है तथा जो नई सड़क कटड़ा  
कर्म सिंह अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रदृश्य प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा यांत्रिक प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हृदृष्टि किसी भाव की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा:-

(1) श्री बलबंत सिंह पुन्न संत सिंह 25 गोलडन एवेन्यू  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदेव सिंह शर्मा पुन्न कृपा राम कटड़ा बाग  
सिंह, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा उपर सं० २ में कोई किराएदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या लत्सम्बल्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक मकान नं० 674/4 जो नई सड़क कटड़ा कर्म सिंह  
अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 11180/17-8-81  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई० आर० ए०स०,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 3, बंदपुरी अमृतसर

दिनांक : 27-3-1982

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर  
अमृतसर, दिनांक 23 मार्च 1982

निर्देश सं० ८० एस० आर०/८१-८२/४२९—यत. मुझे,  
आनंद मिह, आई० आर० एस०,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन मकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान है तथा जो कोट आत्मा मिह  
अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक अगस्त, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में की रखने या उससे बचने में सहित  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सहित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सतदेव पुत्र राम लाल गला नं० ३ कोट आत्मा  
सिह अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र विहारी लाल मकान नं०  
3303 कटड़ा विधियां कूच दियाल मिह अमृतसर  
(अन्तर्गत)

(3) जैसा उपर सं० २ में कोई किरणदार है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक मकान नं० 3303 गली नं० ३ कोट आत्मा सिह  
अमृतसर में है जैसा सेल फ़ील नं० 11372/20-8-81 रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद मिह, आई० आर० एस०  
मकान प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज ३, चन्द्रपुरी अमृतसर

दिनांक : 23-3-1982

मोहर :

## प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०---

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतपुर, दिनांक 27 मार्च 1982

निर्देश सं० ए० एम० आर०/81-82/430—यतः मुझे,  
आनंद मिह आई० आर० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विवरापत्र करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी सं० ए० इमारत है तथा जो सुन्दर नगर पठान-  
कोट में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक अगस्त, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विवरापत्र  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उन्हीं दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का नन्दित प्रतिशत ने अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरणों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण द लिए तभ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
दरैरु। उक्त अन्तरण व्यक्ति में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आप की वायत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायद ब्रें कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के निये: ओरया

(ख) ऐसी हिसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
प्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

यतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री विनाय मिह पुत्र द्वारा विह रमगड़िया ढलहोजी  
रोड़ पास पेट्रोल पम्प पठानकोट।

(अन्तराक)

(2) श्रमनी कैलाश गुप्ता जनी बालक राम सुन्दर नगर  
पठानकोट मार्फत छिपो बालक राम।

(अन्तरिती)

(3) जैमा ऊपर सं० 2 में कोई किरणदार हो  
(वह व्यक्ति जिसके अधिग्रोग में सम्पत्ति है)

1. बंसी नाल 100/- प० म०

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति म हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ त्रोगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

एक जायदाद जिसमें 4 द्रौकानें व० दो कमरे हैं जो सुन्दर  
नगर पठानकोट में हैं जैमा सेल डीड न० 1425/5-8-1981  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठानकोट में दर्ज है।

आनन्द मिह, आई० आर० एम०,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, 3 चंद्रपुरी अमृतसर

दिनांक : 27-3-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

दायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

निर्देश सं० ए० ग्र० अर०/८१-८२/१३१—यतः मझे,  
आनंद सिंह, आई० आर० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसके उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० खाली प्लॉट है तथा जो दर्शनेश्वर नगर  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावन्द अन्नमूर्ची में और  
पूर्ण स्वप्न में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक अगस्त, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि अधाप्रावेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह ग्रामीणता से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल नियमान्वित उदास्य में उक्त अन्तरण नियम में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-56GI/82

(1) श्री हरबंस सिंह पुत्र हरी सिंह बासी कुचा कंबोआ  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) कांता खन्ना हिमेंद्रार, मैसर्ज राजन सा मिल चील  
मंडी अमृतसर के लिए।

(अन्तरिक्ष)

(3) जैसा अपर सं० २ में कोई किरणदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रीर कोई  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीक्षित जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हिन्दूदध्य है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित जानता के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरणः**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट 1 कनाल 19 मरले जो दर्शनेश्वर  
नगर हैड वाटर कर्स रोड तुग बाला मब अरबन अमृतसर  
में है जैसा कि सेल डीड नं० 11829/28-8-81 रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई० आर० एम०  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 3, चंद्रगुरी अमृतसर

दिनांक : 27-3-1982

मोहर :

प्रस्तुप आहू, टी, एन, पास. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

### धारा 269-ष (1) के अधीन संचाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमतसग

अमनमर, दिनांक 27 मार्च 1982

तिदेश सं० ए० एस० अरां०/81-82/432—यतः मुझे,  
आनंद सिंह आई० आरा० प्रम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थायर मप्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० एक आपदाद है तथा जो हाइड मार्कीट अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रनस्चृची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास करने का कारण है कि थथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिहित में व्यासाधिक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवस्त, उक्त अधिनियम के अधीन कारदाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहभागी होने वाले और या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यापारों अर्थात् :—

- (1) श्री अंसत कुमार पुत्र किशन चंद वासी हाइड  
मार्केट द्वारा अशोक कुमार पुत्र किशन चंद  
मुख्यतार आम अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शान देवी विधवा पूर्ण चंद वासी कटडा  
खजाना अमृतसर गली जटो ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो ।

(4) और कोई

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोहौं भी आखणे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तात्पुरता से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदब्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

असाधनी

1/3 भाग जायदाद का जो 915.12 वर्ष मी० है जो हाइड भार्केट अमृतसर में है जैसा सेल डील नं० 11539/ 24-8-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है ।

(आनंद सिंह) आई० आर० एस०  
सक्षम प्रधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
श्रीजैत रेंज ३, चंद्रपुरी, अमृतसर

विनांक : २७-३-१९८२

मौहर १

प्रख्युप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयवत (निरोक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 मार्च 1982

निर्वेश सं० ए० एस० आर०/80-81/433—यतः मुझे,  
आनंद सिंह आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो हाइड मार्कीट अमृत-  
सर में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
को के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अंसत कुमार द्वारा बनारसी दाम (जनरल  
आरानी) प्रताप बाजार छहरटा अमृतसर  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मल रानी पत्नी दीलत राम अंदसन  
गेट खजाना अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।

(4) और कोई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुसूची

1/10 भाग जायदाद का जो 91 वा० मी० है जो हाइड  
मार्कीट अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 11427/  
21-8-81 रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

(आनंद सिंह), आई० आर० एस०  
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण),  
अर्जन रेंज 3, बंदपुरी अमृतसर

दिनांक : 27-3-1982

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 मार्च 1982

निर्देश सं० १० एस० आर० ८०-८०-४३४—यतः मुझे, आनंद  
सिंह आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० १० एक प्लाट है तथा जो रेलवे क्रांसिंग इस्लामा-  
बाद पुतलीघर अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूण्डरीकृप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के  
कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, दिनांक अमृतसर, अगस्त, 1981

को गूर्वोंकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसै दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में  
वारताविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बतेने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) श्री रघबीर कुमार अश्वनी कुमार पुत्र शंख नाथ  
वासी चाह कौरिया अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री रवि चतुरथ पुत्र विद्या सागर 12 मकान  
इस्लामाबाद अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० २ में कोई किराएदार है।

(4) और कोई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बावर में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्षेत्राक्षरी के पास  
लिहित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अद्वैती

एक प्लाट नं० 304 जो पास रेलवे क्रांसिंग पुतलीघर  
इस्लामाबाद अमृतसर में है जैसा मेल डीड नं० 11310/  
19-8-81 रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी अमृतसर में दजन है।

(आनंद मिह) आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 3, चंद्रपुरी अमृतसर

दिनांक : 27-3-1982

मोहरः :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अश्वत्:—

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 मार्च 1982

निर्देश सं० ए० एम० आर०/८१-८२/४३५—यतः मुझे,  
आनंद मिह आई. आर० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो रेलवे आ॒मिग इस्लामा-  
बाद पुतलीघर अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावड़  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कायानि अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1968  
(1968 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भर्ते यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाण गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तित—

(1) श्री रघवीर कुमार अशवनी कुमार पुत्र शंभु नाथ  
चाहू कौरिया अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार पुत्र विद्या सागर 12 मकान  
इस्लामाबाद अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट नं० 304 जो रेलवे आ॒मिग इस्लामा-  
बाद पुतलीघर अमृतसर में है जैसा कि सेलडीड नं० 11316/  
19-8-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

(आनंद मिह.)

आई० आर० एम०

सद्गम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण),

अर्जन रेज 3, चंद्रपुरी, अमृतसर

दिनांक : 27-3-1982

मोहर :

प्रैरुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्मलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रमृतसर, दिनांक 27 मार्च 1982

निर्देश सं० ४० एम० आर०/८१-८२/४३६—यतः मुझे,  
आनंद सिंह, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ४० एक भूमि का प्लाट जो रेलवे क्रांसिंग  
इस्लामाबाद पुलीघर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़  
अनुमूली में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के  
कारण अधिनियम अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और (अन्तरित)  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायदि भूमि करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधाग (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रघुवीर कुमार अश्वनी कुमार पुत्र शंभु नाथ  
वासी चाहू कौरियां अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री सबोध चतुरथ डिप्टी कमांडेंट बी० एम० एफ०  
इस्लामाबाद अमृतसर।

(अन्तरित)

(2) जैसा ऊपर सं० २ में कोई किराएदार हो।

(4) और कोई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रतिकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अमृतसरी

एक प्लाट नं० ३०४ जो पास रेलवे क्रांसिंग पुलीघर इस्लामाबाद  
अमृतसर में है जैसा कि सेल डीडनं० ११३१३/१९-८-८१ रजिस्ट्री-  
कर्त्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनंद सिंह, आई० आर० एस०  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज ३, चढ़पुरी अमृतसर

दिनांक : 27-3-1982

मोहर :

प्ररूप बाहूर्दी.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 मार्च 1982

निवेश सं० ए०ए०आर०/८१-८२/४३७:—यतः मुझे, आनंद  
सिंह, आई०आर०० एस०

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक कोठी है तथा जो ग्रीन एवन्यू, अमृतसर में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, अमृतसर, में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मित्रवर,  
1981

करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकरण से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकरण का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिकरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कषित मही किया गया है :—

(क) अन्तरक में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
योर/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयन्कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नर्गिस मिह पुत्र गुरवत्त निह हरिन्द्र मिह पुत्र  
नर्गिस मिह वासी नाभा ढारा सवरण मिह पुत्र  
हरदिन सिह वासी ढाब बस्ती गम, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री अमरजीत मिह पुत्र अनंतर सिह वासी किला भंगीया,  
अमृतसर।

(अन्तरिक्ती)

(3) जैमा ऊपर सं० 2 में कोई किग्रामेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया बरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख पे  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग कोठी नं० 107 जो ग्रीन एवन्यू अमृतसर में है  
जैसा सेल डीड नं० 12090/3-8-81, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,  
अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द मिह, आई०आर००एस०  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयन्कर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, 3 चन्द्र पुरा, अमृतसर  
तारीख : 27-3-1982.  
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 मार्च 1982

निदेश मं० अमृतसर/81-82/438:—यतः मुझे, आनंद सिंह, आई०आर०एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन मकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक कोठी है तथा जो ग्रीन एवन्यु अमृतसर में स्थित है (और इसमें उगाचढ़ अनुसूची में और पूर्ण स्वप्न में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मित्रिवार, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के दीच एमें अन्तरण के लिए तर्द पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देखारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था लिपाने में सूचिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नरिन्द्र मिह पुत्र गुरवचन मिह, हरिन्द्र मिह पुत्र नरिन्द्र मिह वासी नाथा द्वारा सर्वां मिह पुत्र हरिन्द्र मिह वासी दाव, बस्ती राम, अमृतसर।  
(अंतरक)

(2) श्री हरजिन्द्र कौर पर्ना प्रत्तर मिह वासी, किला भंगीयां, अमृतसर।  
(अन्तरिती)

(3) जैमा ऊपर मं० 2 में कोई किरणेदार हो।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गन्दूसूची

1/4 भाग कोठी नं० 107 जो ग्रीन एवन्यु अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 11958/1-9-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई०आर०एम०

मकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयत्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 3 चन्द्र पुरी, अमृतसर

तारीखः 27-3-1982.

मोहरः

प्ररूप शाह० टी० एन० एस० -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 मार्च 1982

निदेश सं० अमृतसर/81-82/439:—यतः मुझे, आनन्द  
सिंह, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक कोठी है तथा जो ग्रीन एवन्यू अमृतसर  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर,  
1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूर्घात प्रतिफल से ऐसे दूर्घात प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—56GI/82

(1) श्री रमेश मिह पुत्र गुरबचन मिह, हरन्द्र मिह पुत्र  
नरन्द्र मिह वासी नाभा द्वारा सर्वां मिह पुत्र हरदिन  
मिह वासी द्वारा, बहती नाम, अमृतसर।

(2) श्री अतर सिंह पुत्र करतार मिह वासी किला भंगीयां,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैमा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
मम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीन-  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह समात्ति  
में हितवद्ध है)।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्याप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से इकसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

1/4 भाग कोठी नं० 107 जो ग्रीन एवन्यू अमृतसर में है  
जैमा सेन डीड नं० 12034/2-9-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द मिह, आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 3 चन्द्र पुरी, अमृतसर

तारीख : 27-3-82

मोहर :

प्रस्तुप् थाई. टी. एन्. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सुडकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 मार्च, 1982

निदेश सं० अमृतसर/81-82/440:—यतः मुझे, आनंद सिंह, आई० आर० ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० एक कोटी है तथा जो ग्रीन एवन्यु, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रंद्रह प्रीतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वार्षिक में कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में गई था; तथा

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नरिन्द्र सिंह पुत्र गुरचंद्र सिंह हरिन्द्र सिंह पुत्र नरिन्द्र सिंह वासी नाभा द्वारा सबै सिंह पुत्र हरदत्त सिंह वासी दाब, बस्ती गाम, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरचंद्र सिंह पुत्र अतर सिंह वासी किला भंगीयां, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवश्यक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/4 भाग कोटी नं० 107 जो ग्रीन एवन्यु अमृतसर में है जैसा सेल भीर नं० 11864/31-8-81 रजिस्टरीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई० आर० ए०  
मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, 3 चन्द्र पुरी, अमृतसर,  
तारीख : 27-3-82.  
माहूर :

प्रलूब आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व(1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, चिनांक 30 मार्च 1982

निदेश सं० अमृतसर/81-82/441:—यतः मृष्टि, आनन्द,  
सिंह, आई०आर०एम०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद एक है जो बटाला में स्थित है (और  
इसमें उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फ्रग्स्टन, 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मनमोहन सिंह पुत्र निहाल सिंह वासी बाहुलवा  
अब गुरु नानक नगर, बटाला।

(अन्तरक)

(2) श्री मतपाल सिंह पुत्र वरतार सिंह वासी महला सिंबल  
बटाला, अब मकान नं० बी/4/5, गोरेगांव (पश्चिम),  
वम्बई-64.

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्म्यन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में निकाल जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

एक सिंगल स्टोरी मकान जो भुलर रोड, गुरु नानक नगर,  
बटाला जैसा कि सेल डीड नं० 3896/19-8-81 रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई०आर०एम०  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, 3 चन्द्र पुरी, अमृतसर

तारीख : 30-3-82.  
मोहर :

प्रलूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 अप्रैल 1982

निदेश सं० अमृतसर/81-82/442:—यतः सुन्ने, आनन्द सिंह, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक खाली भूमि का प्लाट है तथा जो बटाला रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान प्रतिफल के लिए उक्त अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दद्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरांशोंतयों) के बीच एंग्री अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री हरभजन सिंह पुत्र पाला सिंह वासी वेरका द्वारा रतन लाल पुत्र के रुमल वासी एम 14, रतन चंद रोड, अमृतसर।

(2) मे० जी० के० टरेडिंग कम्पनी, कटरा आहलवालिया, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जेसा उपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रद्धो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्तसम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट साथ कना कोठा खसरा नं० 1431 जो वेरका बटाला रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 11451/21-8-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है

आनन्द सिंह, आई० आर० एस०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, 3 चन्द्र पुरी, अमृतसर

तारीख : 5-4-1982.

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 5 अप्रैल, 1982

निम्नलिखित सं० अमृतसर/81-82/443:-—यतः मूँझे, आनन्द  
सिंह, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० एक खाली भूमि का प्लाट है तथा जो बटाला रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपांडठ अनुसूची में और पूर्ण सूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से दुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनाने के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्री हरभजन सिंह पुत्र जाना मिह वार्मी वेरका द्वारा रनन लाल पुत्र फैर मल वार्मी एम 14, रनन चंद रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) मै० नीरू टैक्सटाइल टरेडिंग कंपनी कटरा आहलूवा-लिया, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैमा ऊपर सं० 2 में कोई किरणदार हो।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अध्यै-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख या 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक भूमि का प्लाट साथ में शेष ईस्ता नं० 1431 जो वेरका बटाला रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 11445/21-8-81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III चंद्र पुरी, अमृतसर

तारीख : 5-4-82.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अप्रैल 1982

निदेश सं० अमृतसर/81-८२/४४।।—रत्न मुजे, आनन्द सिंह, आई०आर०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक लाट बेरका में है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूर्ची में और पूर्ण रूप में वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भगवान सिंह साहिब सिंह पुष्प रुड़ सिंह पुन बिशन सिंह वासी गांव बेरका आवादी संत नगर, तहसील, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) कमे नगीना सोप फैक्ट्री, प्राइवेट लिमिटेड राही शाम सुन्दर नगीना अमृतसर मैनेजिंग डायरेक्टर।

(अन्तरिसी)

(3) जैमा सं० 2 और कोई किरायेवार।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूर्ची

एक लाट 1391 स्के० गज बेरका में जैमा कि सेल डील नं० 11373 दिनांक 20-८-८१ रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई०आर०एस०  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, 3 चक्र अमृतसर।

तारीख : 12-4-82.

माहर ॥

प्रस्तु आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अप्रैल 1982

निदेश सं० अमृतसर/81-82/445:—यतः मुझे, आनन्द सिंह,  
आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो वेरका में स्थित है  
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण 'अधिनियम'  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती व्यावारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना आवश्यक था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री भगवान सिंह और साहिव सिंह पुत्र स० रुड़ सिंह  
वासी गांव वेरका, आबादी मत्त नगर, तहसील,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) मैमर्ज नगीना सोग फैक्टरी प्राइवेट लिमिटेड, द्वारा श्री  
शाम मुन्दर, नगीना, सैनेजिंग डायरेक्टर, बॉर्ड रोड,  
अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० 2 ऊपर और किरायेदार और कोई।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
सम्पत्ति है)।

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-  
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 1452 स्के० गज जो वेरका में स्थित है  
जैसा कि रजिस्ट्री नं० 11374 दिनांक 20-8-81 रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह,  
मक्षम अधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर,

तारीख : 12-4-1982.

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1982

काकीनाडा स्कॉट

आरो. यौ. भी. नं. 10/82-83:—यतः मुझे, एस० गोविन्द  
राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो गाजूवाका में स्थित है (और इसमें  
उपावन्द्र अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, विश्वापटनम में भागीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एस० दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती  
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्दरण्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दार्यान्व म  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भू. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ५—

(1) श्री मरीयम थामस पिता के० वरधीस थाम्स, जी०  
पी० ए०, होल्डर वी० कुरवीला, विश्वापटनम।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति लीला देवी पति कमल कुमार जैन, महारानी  
वेट, विश्वापटनम।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहरा भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 1423.4 जौ० गज 1 भजूवाका गांव,  
विश्वापटनम तालूक, एस० नं० 10/3 पट्टा नं० 11 रजिस्ट्रीक्यूट  
विलेव नं० 6108/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विश्वापटनम।

एस० गोविन्द राजन,  
मक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर अयुक्ता (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-4-1982.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अप्रैल, 1982

काकीनाडा स्कॉड

आरों सी० नं० 11/82-83:—यतः मुझे, एम० गोविन्द  
राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० शेर इन राहम मील है, जो हनुमान जंक्षन में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित रहे), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मछलीपटनम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतीक्षा से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर नेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ए) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों से, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—56GI/82

- (1) 1. श्री वी० राघवेंद्रा राव पिता मलीकार्जुन राव,  
2. श्रीमति वी० शेशाचलदावति पति राघवेंद्रा राव,  
3. श्रीमति वी० नागछाया राजापांडीनी, विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमति वी० रुक्मीनी मरोजनी देवी पति राघवेंद्राराव, गुंटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मध्यपति के अध्येता को लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकृप :—

- (क) इस सूचना के राब्ररव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोकृताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ हैं, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शेर इन श्री सत्यनारायणा राहम और ग्राउंडेन्ट श्राइल, पेरीका वेडू कनूमोलू, जीला कुण्डा रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 3347/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मछलीपटनम।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 7-4-1982.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 7 अप्रैल, 1982

काफीनाडा स्काउ

आरो १० सी० नं० १२/८२-८३:—यतः मुझे, एस० गोविन्द

राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 29-13-111 है, जो गवर्नरेटर में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भास्तीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चवांशीय अधिक है और अन्तक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखत में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारू:—

(1) 1. श्रीमति दी० हनुमनतम्मा पति श्रीराममूर्ति, 2.  
श्रीमति जी० महालक्ष्मी पति वेंकट रामम्या, 3. श्रीमति  
डी० सोभाग्यलक्ष्मी पति कृष्णमूर्ति, सभी गांधीनगर में  
रहते हैं।

(अन्तरक)

(2) 1. के० राजम्या पिता लेट सुब्बम्या, 2. के० वेंकट  
सुब्बाराव, 3. के० वेंकटेस्वराराव, 4. के० वेंकटेश्वर  
बाबू सभी रंगम्या के पुत्र हैं। कल्याणी सारी शो रूम,  
बींसर रोड, विजयवाडा-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्तिवर्ग द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

इमारत का घर नं० 29-13-111, रव्वेल्यूबाबू नं० 9  
ब्लाक नं० 14, एन० टी० एस० नं० 722, मुनीसीपल वार्ड नं० 24,  
असेसमेंट नं० 21355, गवर्नर पेटा, विजयवाडा, रजिस्ट्रीकृत विलेख  
नं० 8747/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाडा।

एस० गोविन्द राजन,

सहम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-4-1982.

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1982

आर० य० सी० न० 13/82-83:—यतः मुझे, एस० गोविन्द  
राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे  
उपायदृश अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती दबाग प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) श्री के० विजयकुमार, जी० पी० ए०, होल्डर सी०  
शरवादेवी घर नं० 6-2-9653, खेरताबाद,  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० वी० सत्यनारायण पहाली लाईन, कूदारेस्वर  
पेटा, विजयवाड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन को तारोल से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया है।

### अनुसूची

घर भूमि विस्तीर्ण 717, 7/9 चौ० गज विजयवाड़ा,  
मुनीसीपालीटी कालेस्वरराव पेटा, तुराना वार्ड नं० 20, नया वार्ड  
नं० 20/2, रेवेन्यू वार्ड नं० 8, ब्लाक नं० 4, एन० टी० एस० 22  
और 23 रजिस्ट्रीकूल विलेख नं० 8535/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
विजयवाड़ा।

एस० गोविन्द राजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 7-4-1982

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

(प्रृष्ठ पाईद० टी० एन० एस०--)

प्रायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अप्रैल 1982

आर० ये० सी० नं० 1/1982-83:—यतः मुझे, एस० गोविन्द, राजन,

भायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह संकरन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो नामपल्ली, रवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, रवराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह संकरन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पछाद्य प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/गा

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्येक आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकतयों, अर्थात् १-२-

(1) श्री के० लक्ष्मारेहु विता लक्ष्मीनारसय्या, स्टेशन रोड, खम्मम ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० नागभूषनम पिता जी० राघवा राव, घर नं० ३-३-८४४, कुतबीगूडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाकी में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी शाय व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संषोधन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिचालित हैं, उही अर्थ द्वारा जो उप प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, गढ़वाल रानी कंपाऊंड, नामपल्ली, हैदराबाद विस्तीर्ण 332.77 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4457/81 रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, हैदराबाद।

एस० गोविन्द राजन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 3-4-1982.

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर आधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा

260 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 अप्रैल 1982

आरो यौ० भी० नं० 2/1982-83:—यतः मुझे, एस० गोविन्द, राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, उक्त विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति, जिसका उचित बाजार पूरा 35,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो बहलूलगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1982 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बर्खने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या गा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमुखरूप में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महाराजकरन और अन्य, 23-1-110, पूर्व चारमी बार, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री सीताराम हार्डिंग को० आपरेटिव सोसाइटी आई एन० कलालपा पिता नरायण, गवलीगुडा, हैदराबाद, कार्यालय : स्टेशन रोड, कान्नीमुड़ा, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितधद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षणात्मकी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सर्वे नं० 83, बहलूलखणगुडा, हैदराबाद विस्तीर्ण 5 एकड़ 8 गुणे, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4628/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस० गोविन्द राजन,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 3-4-1982.

मोहर :

प्रछण आई० टी० एन० एस०—-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1982

आर० ये० सी० नं० 3/82-83:—यतः सुन्न, एस० गोविन्द  
राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10-2-317/1 है, जो मलेपल्ली, हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मैंने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने को अन्तरक के वायित्य में  
कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती बुधारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. मोहम्मद फकरुद्दीन पिता लेट नहमुदीन, हैदराबादी  
सिकन्दराबाद, जी० पी० ए०, श्री ए० ए० एन० एम०  
सुहारवर्धी पिता ए० न० अर्थकीया सुहारवर्धी,  
2. अब्दुल कादर पिता मोहम्मद अब्दूल लतीफ, 3.  
हालीमुनीसा बेगम पति एम० ए० कादर।

(अन्तरक)

- (2) श्री शमशीर खान पिता लेट दौलतखान, घर नं०  
10-2-317/सी० मलेपल्ली, रदराबाद।

(अन्तरिती)

क्वे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर नं० 10-2-317/1, मलेपल्ली, हैदराबाद विस्तीर्ण  
900 जौ० गज रजिस्ट्रीक्युल विनेक नं० 4439/81 रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, हैदराबाद।

एस० गोविन्द राजन,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-4-1982.

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस. -----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, हैदराबाद  
 हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल, 1982

आरा० मी० नं० 4/82-83:—यतः मुझे, एम० गोविन्द  
 राजन,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, जो सोमाजी गुडा, हैदराबाद में स्थित है  
 (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
 तारीख श्रगस्त, 1981  
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
 (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय को बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा  
 के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
 सूचिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री केदारनाथ बीसवास पिता लेट वीरेन्द्रलाल बिमवास  
 जी० पी० ए०, श्री कीशनलाल संघी पिता रामजूस,  
 21-2-502, चारकमान, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री सत्यनारायण गुप्ता, घर नं० 21-7-319,  
 चारकमान, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
 सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभरी के  
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

मनूसूची

प्लाट नं० 26, सर्वे नं० 19, सोमाजीगुडा, हैदराबाद विस्तीर्ण  
 900 चौ० गज रजिस्ट्रीकूल विलेख नं० 4536/81 रजिस्ट्रीकर्ता  
 अधिकारी, हैदराबाद।

एस० गोविन्द राजन,

मध्यम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-4-1982.

मोहर :

प्रस्तुति आद्य, टो. एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अप्रैल, 1982

आदेश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/1156:—यतः मुझे,  
वी० के० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृपि भूमि है तथा जो भरतपुर में स्थित है,  
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरतपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 18089 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16,  
सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
काल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उभयने वर्षने में संविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
संविधा के लिए;

(1) श्री मंगल पुत्र श्री अंगना निवासी; सूरज पोल, भरतपुर।  
(अन्तरक)

(2) श्री अवतार मिहं प्रेम नागथण एवं अन्य निवासी,  
भरतपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा शकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

5 बीघा कृपि भूमि चक नं० 3, भरतपुर जो इप पंजियक,  
भरतपुर द्वारा क्रम संख्या 1593 दिनांक 16-9-1981 पर पंजि-  
बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

वी० के० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 12-4-1982.

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की दृष्टिया (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रकृष्ट प्राइंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अप्रैल 1982

आदेश सं० : राजसभा० आ० अर्जन/1154:—यतः मुझे,  
बी० के० अप्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मोहरे का भाग है तथा जो सीकर में स्थित है,  
(और इसे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीकर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
26-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (पन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यरण में दूई फिसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने पा उसमें जबने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या हिया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा  
(1) के अन्वेषन निम्नरिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् : —

10—56GI/82

(1) श्री बनवारी लाल शर्मा पुत्र रामनिवास शर्मा भागिदा०  
मैर्स प्रकाश प्रापर्टीज, निवासी गमगढ़ जिला,  
सीकर।

(अन्तरक)

(2) श्री अनुल कुमार पुत्र श्री अमरलन्द निवासी आदर्श  
नगर, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रत्येक सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पद्धति में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस मूल्यानुकूल राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तक्षंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
मापान ढोनी हो, के भोग इर्वोन व्यक्तियों में ऐसी  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस मूल्यानुकूल राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय द्वितीय किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोड़स्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रधानाय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अवृं होगा, जो उस प्रधानाय में विया गया है।

अनुसूची

बाईं नं० 31 में स्थित पूर्वमूल्यी नोहरे का भाग, जो न्यू लौहार  
वर्ष स्टैण्ड के पश्चिम में, सीकर में स्थित है और उप पंजियक, सीकर  
द्वारा क्रम संख्या 929 दिनांक 26-8-81 पर पंजियक विक्रय  
पत्र में और विस्तृत रूप ने विवरणित है।

बी० के० अप्रवाल,  
मैर्स प्राधिकारी,  
महाराज आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 12-4-1982.

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अप्रैल, 1982

आदेश संख्या : राज०/महा आ० अर्जन/1153:—यतः मुझे,  
वी० के० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पद्धतास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
स्थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नौहरे का भाग है तथा जो सीकर में स्थित है,  
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ला अधिकारी के कार्यालय, सीकर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-8-1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृ० किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री प्रकाश चन्द शर्मा पुत्र नन्द कुमार शर्मा भागीदार  
मेसर्स प्रकाश प्रापर्टीज, निवासी अम्बाबाड़ी, जयपुर।  
(अन्तरक)

(2) श्री प्रतुल कुमार पुत्र श्री अमरचन्द निवासी आदर्श  
नगर, जयपुर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काफेपे—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

बाँड नं० 11 में पूर्व मूख्य तोहरे का भाग, न्यू लोहार बस स्टैण्ड  
के पश्चिम में, सीकर जो उप पंजियक, सीकर डारा क्रम संख्या  
928 दिनांक 26-8-1981 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत  
रूप से विवरणित है।

वी० के० अग्रवाल,  
समक्ष प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 12-4-1982.

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अप्रैल, 1982

आदेश संख्या : गज०/सहा आ०/ अर्जन/1152/—:यतः मुझे,  
 वी० के० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है  
 और जिसकी सं० नोटे का भाग है तथा जो सोकर में स्थित है,  
 (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीकर में, रजिस्ट्रीकरण  
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26  
 अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
 आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 की लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना आस्त्रित था छिपाने में  
 सुविधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
 में, भौ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रदीप कुमार पुत्र रघुवीर सरन पाठेनर आफ  
 मैसर्स प्रकाश प्रोपर्टीज, निवासी अम्बाबाड़ी, जयपुर।  
 (अन्तरक)

(2) श्री अनुल कुमार पुत्र श्री अमरचन्द निवासी आदर्श  
 नगर, जयपुर।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहे हैं भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
 सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**ल्याकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची

पूर्व की ओर देखते हुए, नौहर का भाग, वार्ड नम्बर 31, न्यू  
 लौहार बस स्टेण्ड के पश्चिम में, सीकर जो उप पंजियक, सीकर द्वारा  
 कम संख्या 927 दिनांक 26-8-81 पर पंजीकृत विक्रय पत्र में  
 और विस्तृत रूप से विवरणित है।

वी० के० अग्रवाल,  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
 अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 12-4-1982.

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी टी. एन० एस०—-

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर दिनांक 5 अप्रैल, 1982

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० अर्जन/1051:—यतः यमुझे,  
बी० के० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
एमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।

और जिमकी सं० एक भूखण्ड है तथा जो सीकर में स्थित है, (और  
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय, सीकर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-9-1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि व्यापूर्वक नम्पति ना उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए। और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती केसरी देवी पति श्री महन लाल जैन, सीकर।  
(अन्तरक)

(2) श्री मुरार्जीलाल पुत्र ब्रदी नारायण सीकर।  
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंत के  
लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर  
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में मे किमी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमढ़  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोवृत्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पटों का जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय-20क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में विद्या गया है।

### अनुसूची

एक भूखण्ड लुहार बस स्टेंड सीकर में जो उप पंजियक,  
सीकर द्वारा कम संख्या 69 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत  
रूप से विवरणित है।

बी० के० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जयपुर।

तारीख : 5-4-1982.

मंहर :

प्रस्तुत आद्व.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 अप्रैल, 1982

आदेश संख्या : राज०/नहा० प्रा० अर्जन/1155—यतः मुझे,  
बी० के० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन संख्या प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो सीकार में स्थित है, (आँग इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वप्न में वर्णित है), अर्जन्म० वर्ता० अधिकारी के कार्यालय भीकर में, अर्जन्म० करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-9-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक र और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की उपधारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

(1) श्रीमती सोहना देवी पति श्री कृत चन्द जैन, सत्यनारायण मन्दिर मार्ग, डॉलियों का बाजार, वार्ड नं० 19 (पुराना), दारांजा० ५० प०० प००, श्री मदन लाल जैन, सीकर।

(अन्तरक)

(2) श्री सलोमुद्दीन पुत्र फैयाज द्वारा भारत आयकर बर्ग, ईदगाह रोड, सीकर।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास लिखित में किए जा पकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लौहास ब्रस स्टेण्ड संकर पर मियत लाट श्राफ लैण्ड जो उपर्याप्तिक, सीकर द्वारा क्रम संख्या 70 दिनांक 3-9-81 पर पंजिबद्ध विश्रय पत्र में और विस्तृत स्वप्न में विवरणित है।

बी० के० अग्रवाल,  
संख्या प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 12-4-1982.

मोहर :

प्रस्तुत आहे. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, रोहतक  
रोहतक, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निदेश सं० बी० जी० आर० /222/81-82—अन्तः सुक्ष्म  
गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 1171/एस-9 है, तथा जो  
फरीदाबाद, में स्थित है (आँग इसमें उपावढ़ अनुमूल्य में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्फ़ यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरीती  
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हृष्ट किसी आय की आबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरीती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा को लिए;

1. श्री वासदेव पुत्र श्री राम चन्द्र  
1801/सेक्टर-9, फरीदाबाद

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रकाश कौर पत्नी श्री बी० एस० गलारिया,  
मार्फत मकान नं० 1171, सेक्टर 9,  
फरीदाबाद, ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित में क्षेत्र भी आधेपे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधियां बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय द्वारा दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 1171/एस-9, फरीदाबाद, में स्थित है  
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकरण के कार्यालय बलूनभगद  
में रजिस्ट्री सं० 7202, दिनांक 12-8-1981 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयक्षण (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज रोतहक

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा(1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 15-4-1982

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक  
रोहतक, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निवेदन सं. जींद/11/81-82—अत मझे गो. मि०  
गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हस्तांत्रिक इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. दुकान नं. 111, वार्ड नं. 15, है तथा जो जींद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमति में आंग जो पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रेकर्टा अधिकारी के कार्यालय जींद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1981

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगमोहन पुत्र श्री बनवारी लाल  
निवासी: मकान नं. 44-ए, कमला नगर, दिल्ली-7  
(अन्तरक)

2. श्री रामकुमार पुत्र श्री राम चन्द्र  
दुकान नं. 111, वार्ड नं. 15, निकट सूरत फिल्ह  
दुर्नी चन्द्र,  
जींद मंडी।  
(अन्तरक)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के शब्दान्तर में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मम्पन्न दुकान नं. 111, वार्ड नं. 15, जींद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रेकर्टा के कार्यालय जींद में रजिस्ट्री मं. 1554, दिनांक 5-8-1981 पर दिया है।

गो. मि० गोपाल  
मकान प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक  
तारीख: 15-4-1982  
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत नगरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 अप्रैल, 1982

निदेश सं० हिमार/53/81-ए०—अतः मुझे गो० मि० गोपाल,  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उष्टुत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राप्तिकारी रोपद विष्णाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में प्रधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 154-ए० है, तथा जो माडल टाउन, हिमार में स्थित है (आँग इसमें उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण स्वप्न में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ने अधिकारी के कार्यालय हिमार म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक आगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, गोपनीय दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रनिष्ठत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तुरंगे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उष्टुत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या संकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रश्नान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब्र, उष्टुत अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, उष्टुत अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

1. श्रीमती शकुन्तला नताणाल पत्नी; श्री के० एल० नामगणाल निं० रामकृष्ण, खोर्नपत, रोड, रोहतक।

(अन्तरक)

2. श्री गोपी राम पुत्र श्री राम किशन  
मकान नं० 154-ए०, माडल टाउन,  
हिमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन तक अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जोभी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से वाले किसी अन्य अवित द्वारा अधोहस्ताकरी के राम लिखित में लिए जा सकें।

संपर्कीकरण:—इसमें पृष्ठकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति मकान नं० 154-ए०, माडल टाउन हिमार में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ने के कार्यालय हिमार में रजिस्ट्रीमं० 2504, दिनांक 12-8-1981 परदिया।

### अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 154-ए०, माडल टाउन हिमार में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ने के कार्यालय हिमार में रजिस्ट्रीमं० 2504, दिनांक 12-8-1981 परदिया।

गो० मि० गोपाल  
मकान प्राधिकारी,  
महायकर आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 15-4-1982  
मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निदेश सं० हिसार/72/81-82/—यतः, मुझे गो० सि०  
गोपाल,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3, है तथा जो आदर्श  
नगर, हिसार में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
हिसार में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक मितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चवृत्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

11—56GI/82

1. श्री राम किशन पुत्र श्री दिवान चन्द्र,  
बिस्कुट व्यापारी, निकट बस स्टैण्ड,  
हिसार।

(अन्तरक)

2. श्री मातृ राम मेहता, पुत्र श्री मांगीराम मेहता,  
मकान नं० 3, आदर्श नगर, हिसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में छोर्ह भी घासेप :—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की प्रवाधि या तस्मयद्वी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवाधि, जो भी  
प्रवाधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
आर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 3, आदर्श नगर, हिसार में स्थित है  
जिसका प्रधिक विक्रण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में  
रजिस्ट्री सं० 2853, दिनांक 9-9-1981 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 15-4-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 अप्रैल, 1982

निवेश सं० बल्लबगढ़/298/81-82—अतः मुझे  
गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 813, सैक्टर 15-ए, है तथा जो  
फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाधि अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बल्लबगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरीतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
नास्तिक रूप से कथित किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वार्तालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री आर० क० अम्रेवाल (ओर्किटेक्ट),  
आर्किटेक्ट व्यायालिय, सैक्टर-17 सी,  
चार्डिंगड़ ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लज्जा रानी,  
मकान नं० 813, सैक्टर 15-ए,  
फरीदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तात्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण** :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के से परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, मकान नं० 813, सैक्टर 15-ए, फरीदाबाद में  
स्थित है ; जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
बल्लबगढ़ में रजिस्ट्री सं० 9686 दिनांक 26-9-81 पर  
दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक  
तारीख 15-4-1982  
मोहर :

प्रस्तुप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
श्रजन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 अप्रैल, 1982

निवेश सं० सोनीपति/57/81-82—अतः, मुझे गो० सि०  
गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 707/7, जमालपुरा, मोहल्ला है  
तथा जो सोनीपत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रांतफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का आरण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-  
शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दौ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रघुनारायण पुन्न श्री धनुराम,  
मार्फत तारा खादी भण्डार,  
खौंडक बाजार, सल्को मार्किट,  
मेरठ शहर (उ० प्र०)

(अन्तरक)

2. श्री हरि नारायण मल्होत्रा, पुन्न श्री गिरधारी लाल  
मकान नं० सो-2/140,  
जनकपुरी, नई दिल्ली-58

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोष्टस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरणः**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 707/7, जमालपुरा मोहल्ला, सोनीपत  
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
सोनीपत में रजिस्ट्री सं० 2302 दिनांक 6-8-1981 पर दिया  
है ।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
श्रजन रेंज, रोहतक

तारीखः 15-4-1982

मोहरः

प्रकृष्ट प्राइंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक  
रोहतक, दिनांक 15 अप्रैल, 1982

निदेश सं० बल्लभगढ़/265/81-82—अतः मुझे, गो० सि०  
गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि 26 कनाल 9 मरले फैक्ट्री बिल्डिंग  
सहित है तथा जो 14 वाँ माइलस्टोन, देहली मथुरा रोड,  
फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्चत अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्तन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उच्चत अधि-  
नियम के अधीन कर देने में अन्तरक के दायित्व में  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उच्च अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उच्च अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० कैमिकल कन्स्ट्रक्शन कं० प्रा० लि०,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मै० विक्टर केबलज लि०,  
410, नई दिल्ली हाउस,  
27, बारहखम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उच्च सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्चत  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 26 कनाल, 9 मरले, फैक्ट्री बिल्डिंग सहित,  
14 वाँ, माइलस्टोन वेहली मथुरा रोड, मेवला महाराजपुर  
(फरीदाबाद) में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रोकर्ता  
के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्री संख्या 8967, दिनांक  
11-9-1981 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 15-4-1982

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निवेश सं० सिरसा/26/81-82—अतः मुझे, गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 184/1-ग, ब्लाक, नई मण्डी है तथा जो सिरसा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूचों में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिरसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरा में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नर सिंह दास पुर श्री मोरी राम,  
नई मण्डी, सिरसा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अंगेज कौर पत्नी श्री करतार सिंह  
गांव सुखबेन न० व जिला सिरसा अब मकान नं० 184/1-ए, नई मण्डी, सिरसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आलेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदृष्टाभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**संपर्करण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही व्यर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

मनूसूची

सम्पत्ति मकान नं० 184/ग-1 ब्लाक, नई मण्डी सिरसा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सिरसा में रजिस्ट्री संख्या 4648, दिनांक 21-10-1981 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 15-4-1982

मोहर :

प्रहुप ग्राही० ढी० एत० एस०-----

आपकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रयोग सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 अप्रैल, 1982

निवेश सं० सिरसा /17/81-82—अतः मुझे गो० सि० गोपाल

आपकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इनमें इसके उपचार 'उत्तर अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-व के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका सं० म० नं० एस० सा० 1273 है तथा जो रानिया में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिरसा में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधाने दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अत्यक्त प्रतिकल के लिए अनुदान की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रम्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रबोन्ह कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री करतार चन्द्र पुत्र धातुरे राम गांव व प्रोस्ट रानिया, तह० सिरसा।

(अन्तरक)

2. श्री गुरदाप सिह पुत्र श्री खेम सिह, सरपंच, गांव व डाकखाना रानिया, जिला सिरसा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वारी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एष्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हुएगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० एस० सी० 1273, रानिया में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सिरसा में रजिस्ट्री संख्या 3716, दिनांक 12-8-1981 पर दिया गया है।

गो० सि० गोपला  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 16-4-1982

मोहर:

प्ररूप आर्ट.टी.एन.एस.-----

1. श्री कृष्ण देव भण्डारा, पुत्र श्री हर्षनाथ,  
निवासी 58, दी माल रोड, अम्बाला कैंट।

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 अप्रैल 1982

निदेश सं. अम्बाला, /23/81-82—अन: भुमे गो० सि०  
गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. बंगला नं. 58 (नया नं. 308), है  
तथा जो माल रोड, अम्बाला कैंट में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुमूली में और जो पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1909 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे वह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

2. श्रीमती मोहिनी कौर विधवा, वर्तम शमशेर सिंह पुत्र  
श्री हजूरा मिह, श्री राजेन्द्र मिह पुत्र कर्नल शमशेर मिह,  
निं. 40, दी माल रोड, अम्बाला कैंट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेड भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, बंगला नं. 58 (नया नं. 308), माल रोड,  
अम्बाला कैंट, में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकरण  
के कार्यालय, अम्बाला में, रजिस्ट्री मंड्या 3263, दिनांक  
31-8-1981 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 16-4-1982

मोहर:

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 अप्रैल 1982

निदेश मं० करनाल/24/81-82--प्रतः मुझे, गो० सि०

गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 254 आर है, तथा जो मॉडल टाउन,  
करनाल में स्थित है (और इससे उपावधि अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख प्रगति, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
प्रदूष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः:—

1. श्री परचा सिंह, सतहित सुख पुत्र श्री हजूर सिंह पुत्र  
गोपाल सिंह  
नि० 340, सोई लून रीत सेम्फेंग बैंकॉक,  
थाईलैण्ड।

(प्रत्यक्ष)  
2. श्री परमजीत सिंह एडवोकेट, पुत्र श्री हरनाम सिंह  
निवासी 480, शॉडल टाउन, करनाल।  
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मध्यस्थि न० 254 आर, मॉडल टाउन, करनाल में  
स्थित है, जिसका श्रमिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
करनाल में रजिस्ट्रीकर्ता संख्या 3050, दिनांक 13-8-1981  
पर दिया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 16-4-1982  
मोहर:

प्रश्नप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 अप्रैल 1982

निदेश मं० जगाधरी/48/81-82—अतः मुझे गो० मि०  
गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-  
रु. में अधिक है

और जिसकी मं० मकान तथा जो औद्योगिक क्षेत्र, यमुनानगर  
में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अग्रण, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित  
में भास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भत्ता या अन्य आस्तियों  
को, जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उद्धारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
12-56 GI/82

1. श्री सेवा सिंह पुत्र श्री मन्ना सिंह  
निवासी यमुना नगर, तह० जगाधरी।  
(अन्तरका)

2. (1) श्री गुरविन्दर सिंह पुत्र ग्रामपाल सिंह 2/5 हिस  
(2) श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र दिवान सिंह 1/10 हिस्मा  
(3) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी मोहिन्दर सिंह 1/10  
हिस्मा  
(4) श्रीमती अमृत कौर पत्नी श्री मुन्दर सिंह 1/5 हिस्मा  
(5) श्रीबती हरिहर कौर पत्नी परमपाल सिंह 3/20 हिस्मा  
(6) श्री परमाल सिंह पुत्र मुन्दर सिंह 1/20 हिस्मा  
सभी निवासी यमुनानगर, तह० जगाधरी,  
मकान औद्योगिक क्षेत्र, यमुनानगर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अमूसूची

सम्पत्ति मकान औद्योगिक क्षेत्र यमुनानगर में स्थित है  
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जगाधरी में  
रजिस्ट्रीमंडला 3536, दिनांक 17-8-81 पर दिया है।

गो० मि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक अधिकारी आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-4-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 अप्रैल 1982

निवेश सं० पानीपत /79/81-82—अतः मुझे गो० सि० गोपाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म० न० 491, वार्ड न० 3, है तथा जो  
पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्थह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे वर्धने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भरवान बाई पत्नी श्री प्रभुदयाल,  
पुत्र श्री मनोहर लाल  
निं० म० न० 491, वार्ड न० 3, पानीपत।

(अन्तरक)

2. श्री चेतनदास पुत्र श्री काना राम  
श्री शिव लाल पुत्र श्री चेतन दास  
म० न० 491, वार्ड, न० 3, पानीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर भूमि  
की ताम्रील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में बृहत-  
बृहत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान न० 491, वार्ड न० 3, पानीपत में स्थित है  
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में  
रजिस्ट्री संख्या 3149, दिनांक 10-8-1981 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-4-1982  
मोहर :

प्रस्तुप आइ० टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 अप्रैल, 1982

निदेश सं० करनाल/27/81-82—अतः मुझे गो० सि०  
गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 6 क्षे० 1180 व० ग० है तथा  
जो रमेश नगर, करनाल में स्थित है (और इससे उपबंद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी  
के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पर्यावरक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वथापर्यावरक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयितव्य में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहुए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रविन्द्र कुमार पुन जयदेव पुन श्री गोविन्द राम  
निवासी 6, रमेश नगर, करनाल।

(अन्तरक)

2. श्री जोगिन्दर पाल उर्फ योगिन्द्र प्रसाद पुन श्री कंवर भान  
पुन श्री तुलसी दास,  
श्रीमती कृष्णा रानी पत्नी श्री कंवर भान,  
नि० म० न० बी-148, सदर बाजार, करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आकेषण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बावधान में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास तिलिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 6, क्षेत्र 1180 व० ग० रमेश नगर,  
करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के  
कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री संख्या 2988 दिनांक 10-8-81  
पर दिया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 16-4-1982

मोहर :

प्रस्तुत आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 अगस्त, 1982

निदेश सं० करनाल/19/81-82—अतः मुझे गो० मि०  
गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन मकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1, क्षे० 700 व० ग० है तथा जो  
करनाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय करनाल  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः:—

1. श्री मोहिन्दर कुमार भाटला पुत्र श्री राम जरायण भाटला  
1606/34, डी, चन्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गीता आनन्द पत्नी श्री डी० आर० आनन्द  
पुत्र श्री सरदारी नाल नोलोखेड़ी, अब  
मार्फत श्री डी० आर० आनन्द,  
42/4, ब्लाक सी, नया ग्रलीपोर, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 1, क्षे० 700 व० ग० करनाल में  
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
करनाल में रजिस्ट्री संख्या 3162, दिनांक 28-8-81 पर  
दिया है।

गो० मि० गोपाल  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रज, रोहतक

तारीख: 16-4-1982  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 अप्रैल, 1982

निवेश मं० रोहतक/36/81-82—अतः मुझे गो० सि०  
गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000 / रु. से अधिक है  
और जिसकी मं० डे०, नं० 26वी० वी० (पी०) का 1/2 भाग है  
तथा जो गुरुद्वारा गोड, रोहतक, में स्थित है ((आंग इसमें  
उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कर्यालय रोहतक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्णोद्देश संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मूँझे यह विश्वास करने  
का धारण है कि इधापूर्वोद्देश संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदै० किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी

श्री खेत्री लाल पुत्र श्री सोहना राम

मकान नं० 24 बी० बी० (पी०), गल्मी गुरुद्वारा,  
रोहतक।

(अन्तरक)

श्री सुभाष चन्द्र पुत्र श्री सोदागर मल  
निवासी 1077 बाई० नं० 2, केवल गंज,  
रोहतक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति डेरी नं० बी० बी० (पी०) का १ भाग, गुरुद्वारा गोड,  
रोहतक में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के  
कायालिय रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 3115 दिनांक  
31-8-1981 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम अधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-4-1982

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०---  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 अप्रैल, 1982

निदेश सं० रोहतक/37/81-82—अतः मुझे गो० पि०  
गोपाल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनपें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसके सं० 1/2 हिस्सा डेरी नं० 26 बी वी (पी) का  
है तथा जो रोहतक में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची  
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय रोहतक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उक्ते दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिक्रिया का फँटह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए नप पार गया प्रतिक्रिया।  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण अनिवार्य में वास्तविक रूप से किया  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाढ़त उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के निए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री खेराती लाल पुत्र श्री सोहना राम  
निं० म० न० 24 बी वी, गली गुरुद्वारा, टिकाना साहिब  
रोहतक।

(अन्तरक)

2. श्री मंगत राम पुत्र श्री सौदागर मल,  
म० न० 1077, वार्ड न० 2, केवल गंज,  
रोहतक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप नहीं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रमुख शब्दों प्रौढ़ पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### आनुसूची

सम्पत्ति डेरी नं० 26 बी वी (पी) का 1/2 भाग, गली गुरुद्वारा, रोहतक में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 3116, दिनांक 31-8-1981 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
महायकर आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 16-4-1982

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

1. श्री कन्द्रियालाल पुत्र जगन्नाथ

निं. 46, थापर कालोनी, यमुना नगर।

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती नीलम देवी पर्णि श्री ईश्वर दयाल अग्रवाल  
निं. राटोर गोड, यमुना नगर,  
अब मकान नं. 46, थापर कालोनी, यमुनानगर।

(अतिरिक्त)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 अप्रैल, 1982

निवेश सं. ० जगाधरी /47/81-82—अतः मुझे, गो० सि०  
गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं. ० मकान नं. 46 है, तथा जो थापर कालोनी;

यमुना नगर, में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में श्रीर  
जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रदोषनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोतः,—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कांहौ भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं. 46, थापर कालोनी, यमुना नगर, में  
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
जगाधरी में रजिस्ट्री मंड़ी 309 में दिया 4-8-1981 पर  
दिया है।

गो० मि० गोपाल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-4-1982

मोहर :

प्रस्तुप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 अप्रैल, 1982

निदेश मं० रेवाई/22/81-82—अतः मुझे, गो० सि०  
गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 14 कनाल, 18 मरले हैं तथा जो  
जोनियावास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण हूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
रेवाई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इधरमान  
प्रीताहल के लिए अन्तरिक की गई है और मूल्ये यह विवास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितीय) के बीच एसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीर्त्तन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय या बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायिक्त  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के  
लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमरसिंह पूत्र श्री माझ  
गांव व डाक० जोनियावास।

(अन्नरक)

2. मै० बेस्टन डलेक्ट्रानिक्स कम्पनीस्टेट्स प्रा० न्द०,  
43-ए, औबला इन्डस्ट्रीयल इस्टेट,  
नई दिल्ली।

(अन्नरक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 14 कनाल 18 मरले, गांव जोनियावास में  
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
रेवाई में रजिस्ट्री संख्या 1725 दिनांक 27-8-81 पर दिया  
गया है :

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 16-4-1982  
मोहर :

## प्रस्तुति आर्द्ध.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 अप्रैल, 1982

निवेश सं० रेकार्ड/23/81-82—अतः मुझे, गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सधार्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 6 कनाल 18 मरले हैं तथा जो गांव जोनियाबास में स्थित है (और इस उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से अंगूष्ठित है) रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय रेवाड़ी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दू किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहुए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री प्रभु पुत्र श्री रूप चन्द उर्फ तोताराम गांव व झाकखाना जोनियाबास। (प्रन्तरक)
2. मै० वेस्टन इलेक्ट्रानिक्स कम्पोनेंट्स प्रा० लि० 43-ए, ओखला अौद्योगिक इस्टेट, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 6 कनाल 18 मरले गांव जोनियाबास में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रिकर्ता के कार्यालय, रेवाड़ी में रजिस्ट्री संख्या 1724, दिनांक 27-8-81 पर दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सधार्म प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
ग्रन्जन रेंज, रोहतक

तारीख 16-4-1982

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० रेवाड़ी/24/81-82—ग्राहक मुझे गो० मि०  
गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि 24 कनाल है तथा जो जोनियावास  
में स्थित है (और इससे उपावड़ ग्रन्तुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रेवाड़ी में,  
रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक, अगस्त, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच इसे अन्तरण के लिए तथा जाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
काप से कींथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आवृत्त था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री जगदेव सिंह, गगन सिंह, पोहप सिंह पुस्तान  
श्री प्रभु निं० गांव जिला जोनियावास,

(अन्तरक)

(2) मै० वेस्टन इलैक्ट्रोनिक्स कॉम्पोनेन्ट्स प्रा० नि०,  
43-ए०, ओखला ओडिओगिक क्षेत्र, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

भूमि 24

सम्पत्ति भूमि 24 कनाल गांव जोनियावास में स्थित है  
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रिकर्ता के कार्यालय, रेवाड़ी  
में रजिस्ट्री संख्या 1723 दिनांक 27-8-81 पर दिया है।

गो० सी० गोपाल,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 16-4-1982

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 अप्रैल 1982

निर्देश सं० फतेहाबाद/1/81-82—अतः मुझे, गो० मी० गोपाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो फतेहाबाद में स्थित है (और इसमें उगाबुद्ध अनुसूची में और पूर्ण सूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, फतेहाबाद में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्षितियों, अर्थात् :—

(1) श्री भगवान दास देशराज पुत्रान भानुराम मोहन लाल पुत्र रावल दास जिं फतेहाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंगली बाई पत्नी सुनदर दास बस्ती जीवाप, फतेहाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवक्षितों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षितों में से किसी अवक्षित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवक्षित द्वारा अधोवस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

मनूसूची

सम्पत्ति दुकान थाना रोड़, फतेहाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय फतेहाबाद में, रजिस्ट्री संख्या 812 दिनांक 4-8-81 पर दिया है।

गो० मी० गोपाल,  
सक्रम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 17-4-1982

मोहर :

## प्राप्ति बाइंस्टी एन.एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 17 अप्रैल 1982

निर्देश सं० नीलोखेड़ी/24/81-82—अतः मुझे, गो० सी० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लाट नं० 1 क्षे० 3803 है तथा जो नीलोखेड़ी  
में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में  
बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नीलोखेड़ी  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त, 1981।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती (अंतरीतीयों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथुत  
नहीं किया गया है [—]

(1) श्री सुदर्शनलाल मालिक जिं० नीलोखेड़ी।

(अन्तरक)

(2) श्री भारत भूषण कत्याल पुत्र वर्जीर चन्द्र श्रीमती  
शकुन्तला रानी पत्नी श्री वेद प्रकाश मार्फत मैं०  
कत्याल राईम एंड जनरल मिल्ज, नीलोखेड़ी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में की करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

संपत्ति फ्लाट नं० 1 क्षे० 3803 व० ग० नीलोखेड़ी में  
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
नीलोखेड़ी में दिनांक 13-8-81 पर दिया है।

गो० सी० गोपाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, रोहतक

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 17-4-1982

मोहर :

प्रस्तुत आइ. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० ८० आर० नं० ३१८६९/८१-८२/प्रक्रिय०/वै०—

यतः मुझे मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ९, पुराना नं० ३४ है, तथा जो कलासिपालयम एस्टेशन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय, बम्बन्गुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27 अगस्त, 1981।

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तुष्ठक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) बिं बिं देवयण और कुंच लोग नं० 75,  
मैनेजर रंगप्रगल्लि मनवर्ती पेट् बंगलौर।

(अन्तरक)

(2) मोहम्मद जानू मोहम्मद ल्याल के पुत्र 105,  
मैमूर रोड, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(दस्तावेज सं० 1574 ता० 27-८-८१)

नं० 9, पुराना नं० 34, कलासिपालयम एस्टेशन बंगलूर

मंजु माधवन,

सक्षम प्राधिकारी

महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 13-4-1982

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०--

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन जरेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निर्देश सं० जी० आई० आर० संचया एम०-१३२/अर्जन—

अतः मुझे, विनोद कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूखण्ड है तथा जो मोहल्ला मिविल लाइन्स आजमगढ़ में स्थित है (और इसके उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्टी अधिकारी के कार्यालय आजमगढ़ में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-3-1981।

फ० पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेक्षम के दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरकरण (अन्तरकरणों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरकरण के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) 1. घनघास दाम अप्रवाल
- 2. मोहन लाल अप्रवाल
- 3. गोम प्रकाश अप्रवाल
- 4. श्री प्रकाश अप्रवाल
- 5. वस्तु कुमार
- 6. ग्रन्थ कुमार
- 7. ललित कुमार द्वारा मुख्तारे ग्राम
- 8. प्रविन्द कुमार श्री वस्तु कुमार
- 9. अग्निल कुमार
- 10. श्रीमती माया अप्रवाल

(अन्तरकरण)

- (2) 1. मिता प्रमाद रामटा
- 2. अविनाश चन्द रामटा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी विवेचन नहीं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताकरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्णित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूखण्ड पैमाल्ही 16892 वर्ग फीट स्थित: मोहल्ला—मिविल लाइन्स, मौजा—एन्नवल, नगा—अट्ठैसी, परगना—निजामा—बाद गहर व जिला—आजमगढ़ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37—जो संख्या 1843 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब—रजिस्ट्रार आजमगढ़ के कार्यालय में दिनांक 27-8-1981 को किया जा चुका है।

विनोद कुमार,  
सकाम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 5-4-1982

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रसूत आई, टी.एन.एस.-----

(1) हेमलता सिंह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० जी० आई० आरा० संख्या प०८०-३६/अर्जन—अतः  
मुझे, विनोद कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० ए०-१३, है तथा जो टी० जी० नार्थ चांद गंज  
हाऊसिंग स्कीम, लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 अगस्त, 1981  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझ यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) एल० के० मुनमुनवाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहूषण  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

**अनुसूची**

भूखण्ड संख्या ए०-१३, टी० जी० नार्थ चांद गंज हाऊसिंग  
स्कीम लखनऊ पैमाली 16050 वर्ग फीट तथा वह सम्पूर्ण  
सम्पत्ति जो सेलडीड एवं फार्म 37—जो संख्या 5392 में  
वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय  
में दिनांक 18-८-१९८१ को हो चुका है ।

विनोद कुमार,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 5-4-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 अप्रैल 1982

निर्देश सं० आई० आर० संच्चा पा०-४१/अर्जन—प्रतः मुझे,  
विनोद कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकानें व भूमि आदि हैं तथा जो सिविल  
लाइन्स, आजमगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपायद्र अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय आजमगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में है किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने उसमें बचतें में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- |     |  |                                       |
|-----|--|---------------------------------------|
| (1) | 1. घनश्याम धास अग्रवाल<br>2. मोहन लाल अग्रवाल<br>3. श्रीम प्रकाश अग्रवाल<br>4. श्री प्रकाश अग्रवाल<br>5. वरुण कुमार अग्रवाल<br>6. श्रुति कुमार<br>7. ललित कुमार<br>8. अरविन्द कुमार<br>9. अनिल कुमार<br>10. श्रीमती माया अग्रवाल | द्वारा मुख्तारे आम<br>श्री वरुण कुमार |
|-----|--|---------------------------------------|
- (अन्तरक)

(2) निम्नला देवी

(अन्तरिती)

- (3) 1. शिव शंकर सिंह 2. अद्वित गनी 3. दूर्लभ महेश  
द्वारा 5. खरपत राम 6. रवीन्द्र सिंह 7. विजय चन्द्र  
8. बद्री 9. मुसम्माख सकोना व घनश्याम दास अग्रवाल  
(किंगडार लोग)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में करोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**मनुसूची**

दुकानात, गलियारा, सीढ़ी मय बंगला व सेहन अन्दरूनी  
व बेरुनी आबादी जमीन दृत्यादि स्थितः मोहल्ला सिविल  
लाइन्स मौजा एकबल, तप्पा-ट्राईसी, परगना-निजामाबाद,  
तहसील-सदर, जिला व शहर-आजमगढ़ तथा व ममूर्ण सम्पत्ति  
जो सेलडीड और फार्म 37-जो संध्या 1844 में वर्णित है  
जिनका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार आजमगढ़ के कार्यालय में  
दिनांक 27-8-1981 को किया जा चुका है।

विनोद कुमार,  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 5-4-1982

मोहरः

प्रेस आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 2 अप्रैल 1982

निर्देश मं० है० 5/गम० आर० मोलापुर/अगस्त 81/641/  
82-83—यतः मुझे, आर० के० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी मं० सी० म० नं० 4334 म्युनिसिपल नं० 542  
है तथा जो शुक्रवार पेठ, मोलापुर में स्थित है (और इसमें  
उपावड्ह अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
प्राधिकारी के कार्यालय द्वयम निवंधक मोलापुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक  
अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अंतरितियों) के बीच इसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है० किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमितियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता  
के लिए;

(1) श्री कस्तूरचंद्र जिवराज गहा 102, शुक्रवार पेठ,  
मोलापुर।

(अन्तरक)

(2) श्री मलूकचंद्र खुशालचन्द्र गांधी 123 अ शुक्रवार  
पेठ, मोलापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरियी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हृत-  
दूषित किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मोलापुर

प्राप्टी जो मी० म० नं० 4334, म्युनिसिपल नं० 542  
शुक्रवार पेठ मोलापुर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकून विलेख क्रं० 2307 जो अगस्त  
1981 में द्वयम निवंधक मोलापुर के दफतर में लिखा है)।

आर० के० अग्रवाल,  
मक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 2-4-1982

मोहन

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :—

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

60/61 प्रांडवना क्रमं राड

पुना, दिनांक 2 अप्रैल 1982

निर्देश सं० ई० ५/एस० आर० मुम्बई/अगस्त ८१/६४२/८२-  
९३—यतः मुझे, आर० के० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य रि० स० नं० २६ ए० और २६ बी०/१ सी०  
स० नं० ६२१ ए० और ६२१ बी० है तथा जो वार्ड खंडाला,  
ता० मावल जि० पूणे में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय दुष्यम निबंधक मुम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1903 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहाय्या  
के लिए; और/या

(ब) एभी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तीयों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, प्रा-  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सहाय्या के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती केटी ए० इराणी श्री अमणी ए० म० ईरानी  
हिंरा-मेडेर, दूसरी मंजिल, 108, बुड हाऊस रोड,  
कोलाबा, बंबई 400005।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मेहेल रसी कवराना श्री दिनशा रसी  
कवराना (अग्रान) श्री होणआंग रसी कवराना  
(अग्रान) इरण बिलिंग, कफ परेड, बंबई 400005  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहै भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटी जो रि० स० नं० २६ ए० और २६ बी०/१,  
सि० स० नं० ६२१ ए० और ६२१ बी०, वार्ड खंडाला,  
ता० मावल जि० पूणे में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० आर०-1099 जो  
अगस्त 1981 में दुष्यम निबंधक मुम्बई के कफ्तर में लिखा  
है)।

आर० के० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 2-4-1982

मोहर :

प्रस्तुप आइ०, टी०, एन०, एस०, -----

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

60/61 एरं छवना काढ़ राडु

पुना, दिनांक 2 अप्रैल 1982

निर्देश सं० ई० 5/प्रस० शार० इचलकरंजी/अगस्त 81/  
643/82-83—यतः मुझे, शार० के० अग्रवाल,

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-स के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० रि० सं० नं० 593, सि० सं० नं० 5995  
ए०/१७ (1/2 हिस्सा) है तथा जो इचलकरंजी जि० कोल्हापुर  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय, दुर्यम  
निबंधक इचलकरंजी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त, 1981।

करे पूर्वोंकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का (अंतरिताया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा

(क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सचिवालय के लिए;

**अंतः:** अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थातः—

( 1 ) श्री दत्तात्रय पिरजी मोरे, वाई नं० ९, हेंडसन्स्ट्रील  
इस्टेट इचलकरंजी, जि० कोल्हापुर

(2) मौ० चंपाबाई शिवलिंग पांडरे, भागीदार मैसर्स  
बमवेश्वर सायकर्म वार्ड नं० 8, मकान नं० 28,  
डचलकरंजी जि० कोल्हापुर

(अन्तरिक्षी)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहीया करसा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेष्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तात्पुरता से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रदर्शित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसारी

प्राप्टी जो रि० स० न० 593, सि० स० न० 5995  
ए० 1/17/( 1/2 हिस्सा) इचलकरंजी जि० कोल्हापुर में स्थित  
है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 2150 जो अगस्त 1981 में दद्यम निबंधक इचलकरंजी के दफ्तर में लिखा है)।

आर० के० श्रीवाल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पना

दिनांक : २-४-१९८२

गोदावरी

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

60/61 पर. छवना क्र.वं० रोड  
पूना, दिनांक 2 अप्रैल 1982

निर्देश सं० ई० 5/एस० आर० इचलकरंजी अगस्त 81/644  
82-83—यतः मुझे, आर० के० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. में अधिक है।

और जिसकी सं० गट नं० 830 (1/5 हिस्मा) है तथा जो  
शाहपुर, ता० इचलकरंजी जि० कोल्हापुर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय दुर्यम निबंधक इचलकरंजी  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक, अगस्त, 1981।

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल गिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(१) अन्तरण में ही किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(२) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के  
लिए।

यतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अक्काबाई सवाराम सावंत और 7  
बडगांव, ता० इचलकरंजी, जि० कोल्हापुर  
(अन्तरक)

(2) 1. शंकरराव तुकाराम जाधव  
2. श्री भाऊमाहेब पिरगोंडा पाटिल इचलकरंजी,  
जि० कोल्हापुर।  
(अन्तरक)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

प्राप्ती गट नं० 830 (1/5 हिस्मा), शाहपुर, ता० इचल-  
करंजी, जि० कोल्हापुर में स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विनेख अ० 2092 जो अगस्त  
1981 में दुर्यम निबंधक इचलकरंजी के दफ्तर में लिखा  
है)।

आर० के० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 2-4-1982

मोहर :

प्रस्तुप बाइं. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना  
60/61 परिचयना क्रमं रांड  
पूना, दिनांक 2 अप्रैल 1982

निर्देश सं० ई० 5/एम० आर० इच्छलकरंजी अगस्त 81/645/  
82-83—यतः मुझे, आर० के० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-के  
के अधीन सक्रिय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गट नं० 830 (1/5 हिस्सा) है तथा जो  
शहापुर ना० इच्छलकरंजी जि० कोल्हापुर में स्थित है (और  
इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्घम निबंधक इच्छलकरंजी  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक, अगस्त, 1981।

कि पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाष्पत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) श्रीमती अवकाशाई सखाराम मावंल और 7  
बडगांव, ना० इच्छलकरंजी जि० कोल्हापुर।

(अन्तरक)

(2) श्री शिवकान्त बनाप्पा मैत्री सौ० कमल गोपीनाथ  
जाधव इच्छलकरंजी, जि० कोल्हापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त  
अधिनियम के  
हैं, अहीं अर्थ  
गया है।

प्राप्ती गट नं० 830 (1/5  
जि० कोल्हापुर में स्थित है।  
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत 1  
1981 में दुर्घम निबंधक 1  
है)।

सहाय

अतः गब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-के उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक: 2-4-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

60/61 प्राइवेट कंथे रोड़

पूना, दिनांक 2 अप्रैल 1982

निर्देश सं. ई० 5/एस० आर० इचलकरंजी अगस्त 81/646/  
82-83—यतः मुझे, आर० के० अग्रबाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. गठ नं. 830 (1/5 हिस्सा) है तथा जो  
शाहापुर, ता० इचलकरंजी जि० कोल्हापुर में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्वयम निबंधक इचलकरंजी  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक अगस्त 1981।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

(1) श्रीमती ग्रेकाबाई सखाराम सावंत और 7 वडगांव,  
ता० इचलकरंजी जि० कोल्हापुर।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपीनाथ विठ्ठल जाधव श्री सुभाष लक्ष्मण  
गेंडगे इचलकरंजी, जि० कोल्हापुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

है।

अनुसूची

प्राप्ती जो गठ नं. 830 (1/5 हिस्सा), शाहापुर, ता०  
इचलकरंजी, जिला कोल्हापुर में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलोख क्र. 2094 जो अगस्त, 1981  
में दृश्यम निबंधक इचलकरंजी आर० के० के दफ्तर में लिखा है।)

शार० के० अग्रबाल  
मक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 2-4-82

मोहर:

प्रलेप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, पुना

60/61 पराइवाना कवेरे रोड

पुना-411004, दिनांक 2 अप्रैल 1982

सं. ई-5, /एस० आर० इचलकरंजी/अगस्त-81/647/

82-83—अतः मुझे आर० के० अग्रबाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका संज्ञा कट नं० 830 (1/5 हिस्मा) है तथा जो  
शहापुर, ता० इचलकरंजी जिला कोल्हापुर में स्थित है (अंगू  
इसमें उपावडे अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रेशन-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्घाम निबन्धक इचलकरंजी में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास  
करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए संघ पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व से कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमसो अक्कावाई, सम्भागम सावंत और 7  
वडगांव ता० इचलकरंजी,  
जिला कोल्हापुर ।

(अन्तरक)

2. श्री बालगोंडा बालगोंडा पाटील,  
श्री शिवाजी शंकर जाधव,  
इचलकरंजी, जिला कोल्हापुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधारपूर्वक विवाद नहीं है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधीय व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों से संकेत किया जाएगा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उम अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्राप्ती जो गट नं० 830 (1/5 हिस्मा) शहापुर, ता०  
इचलकरंजी जिला कोल्हापुर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रेशन विलैब क्र० 2095 जो अगस्त,  
1981 में दुर्घाम निबन्धक इचलकरंजी के दफ्तर में लिखा है।)

आर० के० अग्रबाल  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज़, पुना

तारीख 2-4-1982 :  
मोहर :

प्रस्तुप्रादी० दी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

60/61 एंडवना कवॉ गोड

पुना-411004, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश मं० ई-5/प्र०आ०१०/जलगांव/अगस्त-81/649/

82-83—अतः मुझे आर० के० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी मं० शेत्र मं० 40/3 है तथा जो मौजे मेहरूण  
तह० और जिला जलगांव में स्थित है (और इसमें उपावढ  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय दूर्यम निबन्धक जलगांव में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसा  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (पन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण है तिर तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण तिरिता में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से ही इसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जोश्वर मोहम्मद एवं गनी बौद्धारा

126 जोशी पेठ जलगांव।

(अन्तरक)

2. श्री गोपप्रकाश मिताराम अग्रवाल

भागीदार: साईबाबा डेवलपमेन्ट कारपोरेशन जलगांव

122 नवी पेठ गणेश बिल्डिंग जलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन भी अवधि या तस्वीरबी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में हिए जा सकेंगे।

संष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्यार 2(1) में परिभासित है,  
वही अर्थ हांगा, जो उक्त अध्यार में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्ती, जो शेत्र, सं० नं० 40/3, मौजे मेहरूण, तह०  
और जिला जलगांव में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूत यिन्हें क्र० 3267 जो अगस्त,  
1981 में दूर्यम निबन्धक जलगांव के दफ्तर में लिखा है।

आर० के० अग्रवाल

सहम प्राधिकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, पुना

तारीख: 3-4-1982

माहर:

प्ररूप गाहौँ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

60/61 एरंड्यना कवरें रोड

पुना-411004, दिनांक 3 अप्रैल, 1982

निदश सं० ई-५/एस०आर०पृष्ठ०/थानास्त.-४१/६५१/८२-८३--

यतः मुझे आर० के० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टिक्का नं० 7, सि० सं० नं० 108 है तथा  
जो केविला, थाने में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय  
दुर्घम निबन्धक, थाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तब पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सूचित  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूचित के लिए;

यतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)  
ने अभीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

15—56GI/82

1. श्री डामनिक मैन्युअल डोस रेमोडियस और अन्य  
मकान नं० 78/79, के० विल्ला, थाने ।  
(अन्तरक)

2. श्री जान ऊडे सरपेस  
79, के० विल्ला, थाने ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यसामूहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्राप्ती जो टिक्का नं० 7, सि० सं० नं० 108 के० विल्ला  
थाने में स्थित है ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 765 जो अगस्त,  
1981 में दुर्घम निबन्धक थाने के दफ्तर में लिखा है ।)

आर० के० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख: 3-4-1982  
मोहर:

प्र० आद०. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना-411004, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं० ई-५/प्र०श्नार० मिरज-१/आगस्त-८१/६५२/८२-  
४३—अतः भुमि, आर० के० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं० नं० 35/३, 34/३, 33/३ ए, है तथा जो  
मौजे हिरपुर, तह० मिरज, जिला सांगली में स्थित है (और  
इससे उपांबुद्ध अनुसूची में और जो पूरी रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्घम निवन्धन, मिरज १ में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बाल ऐसे अन्तरण के लिए हथ पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से की गया है:-

(क) अन्तरण में है किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दृश्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुधिधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आपूर्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
संविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधीन धन की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1 श्री ज्ञानू भावद्वू, चक्षण,  
हरिपुर, तह० मिरज,  
जिला० सांगली ।

(अन्तरक)

2 (1) श्री शंकर भाऊ चक्षण  
(2) श्री नामदेव भाऊ चक्षण ।  
(3) श्री मरुतो उर्फ बजरंग भाऊ चक्षण  
हरिपुर, तह० मिरज, जिला सांगली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आधोप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूझ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्राप्टों जो सं० नं० 35/३, 34/३, 33/३ ए, मौजे  
हरिपुर, तह० मिरज, जिला सांगली में स्थित हैं।

(जसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1712 जो अगस्त,  
1981 में दुर्घम निवन्धक मिरज १ के दफनर में लिखा है।)

आर० के० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

तारीख : 3-4-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं० ई-५/एस०आर० जलगांव/अगस्त, 81/653/82-  
83—अतः मुझे, आर० के० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शेड सं० नं० 193/3, है तथा जो मौजे  
मेहरूण तहू और जिला जलगांव में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय दुष्यम निबन्धक, जलगांव में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे हृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

1. श्री खंडू भावू, नाडवंजारी,  
पोस्ट मेहरूण, तहू और जिला जलगांव।

(अन्तरक)

2. श्री श्रद्धिर खुशाल भोस्ले,  
भागीदार: हेमत ट्रेडर्स, जलगांव  
154, जिला पेठ, जलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरदी व्यक्तियों पर<sup>1</sup>  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एहों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में की रखने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

प्राप्टी, जो शेड सं० नं० 193/3, मौजे मेहरूण तहू  
और जिला० जलगांव में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकूल विलेख नॉ 3028, जो अगस्त,  
1981 में दुष्यम निबन्धक जलगांव के दफतर में लिखा  
है।)

आर० के० अग्रवाल  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 3-4-82

मोहर:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रस्तुप आइं.टी.एन.एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 5 अप्रैल 1982

निर्देश सं. ई-5/एस०आर० भिवंडी/अगस्त-81/654/82-

83—अतः मुझे, आर० के० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 116, हिस्सा नं. 5, है तथा जो मौजे  
नारपोली, तहू० भिवंडी, जिला ठाणे, में स्थित है (और इससे  
उपाध्यक्ष अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय दुर्घात, निवन्धक, भिवंडी में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त

1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्घात्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री महम्मद अमीन इब्राहीम रईस और 7

19, भुसार मोहल्ला, भिवंडी, जिला ठाणे ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री बलराज बलराज कोंडा,

(2) श्री पंद्रीनाथ, काशीनाथ टावरे और 16

318, गोविन्द निवास, नजराना, कंपाऊंड,  
कासांर अली, भिवंडी, जिला ठाणे ।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में हृदृ भी आशेय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्राप्ती, जो सं नं. 116, हिस्सा नं. 5, मौजे नारपोली,  
तहू० भिवंडी, जिला ठाणे में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 1123 जो अगस्त,  
1981 में दुर्घात, निवन्धक, भिवंडी, के दस्तावेज में लिखा है।)

आर० के० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 5-4-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना-411004, दिनांक 13 अप्रैल 1982

निर्देश सं० ई-५, /एस० आर० मुंबई/ग्रामस्त, 81/655/82-  
४३—उक्त मुझे, आर० के० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पहचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 56 है तथा जो गांव भुणी, तह० मावल  
जिला पुणे में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूली में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्यम,  
निबन्धक मुंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक अग्रस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसै दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्थ है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसै अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से काँथत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसै किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधाग (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीक्तः--

1. डा० हेमचन्द्र शंकर गुप्ते और 17  
'राजदीप' ले० दिल्लि गुप्ते पथ,  
माहीम, मुंबई-400016 (अन्तरक)

- (1) श्री गजानन नारायण देशमुख
- (2) श्रीमती सरस्वती गजानन देशमुख
- (3) कुमारी मंगला गजानन देशमुख
- (4) श्री शशीकान्त गजानन देशमुख  
सभी 14 ए, बोरन पथ, पहली मंजिल, बांद्रा,  
मुंबई-50 में रहते हैं।
- (5) मिसेस अरनि रस्तम इराणी
- (6) मि० कुम रस्तम इराणी
- (7) मिसेस यासमीन रस्तम इराणी  
सभी रस्तम, मंजिल, खानदेशवरी, मंदिर पथ,  
बांद्रा, मुंबई-50 में रहते हैं। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

### अनुसूची

प्रापटी, जो स० नं० 56, गांव मुणी, तह० मावल, जिला  
पुणे में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 48, जो अगस्त 1981  
में दुर्यम, निबन्धक मुंबई के दफ्तर में लिखा है।)

भार० के० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 13-4-1982  
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना-411004, दिनांक 13 अप्रैल 1982

निर्वेश सं० ई-5/एस०आर०/सोलापुर/अगस्त 81/656/82-

83—अतः मुझे आर० के० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पदचातू 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गठ नं० 70 है तथा जो मौजे तांदुलवाडी,  
तह० दक्षिण सोलापुर जिला सोलापुर में स्थित है (और इसमें  
उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय दुर्घम निबन्धक, सोलापुर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दर्शमान प्रतिफल से, ऐसे दर्शमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हर कियी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--

1. श्री धानपा पुंडर्पा पाटील और चार  
रा० तांदुलवाडी, ता० दक्षि॒ सोलापुर,  
जिला सोलापुर में

(अन्तरक)

2. (1) श्री मोहनोद्दीन मोहम्मद हुसैन शेख  
(2) श्री मोहम्मद मुनीर मोहम्मद हुसैन शेख  
(3) श्री मोहम्मद गफी, मोहम्मद हुसैन शेख  
(4) श्री मोहम्मद ईस्माईल मोहम्मद हुसैन शेख  
तांदुलवाडी, ता० दक्षिण सोलापुर, जिला  
सोलापुर।

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थाप्त सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्राप्टी जो गठ नं० 70 मौजे तांदुलवाडी, ता० दक्षिण  
सोलापुर जिला सोलापुर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2177 जी, अगस्त  
1981 में दुर्घम निबन्धक सोलापुर के दफ्तर में लिखा है।)

आर० के० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

तारीख: 13-4-82

मोहर :

प्रस्तुप आई दी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 13 अप्रैल 1982

निर्देश सं० सीए०-५/ग्र०/आर०/सिद्धेडे/श्रगस्त-८१/६५७/८२-८३—यतः मुझे, आर० के अग्रवाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है।

और जिसकी सं० नं० 214 और 232/2 है, तथा जो मौजे  
दोंडाईचे, तह० सिद्धेडे, जिला धुले में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय दुर्घाम, निवन्धक, सिद्धेडे में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक श्रगस्त,

1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजा रमूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था कि या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम, का धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उप्धारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. सिद्धेडे तालुका शेतकरी सहकारी संघ मर्यादित, दोंडाईचे  
चेयरमैन : श्री राधो शंकरराव पाटिल,  
रा-कर्ले तह० सिद्धेडे, जिला धुले।

(अन्तरक)

2. श्री कचरुलाल दीपचन्द जैन,  
रा० दोंडाईचे, तह० सिद्धेडे, जिला धुले।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर केपरके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास नियंत्रित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

ममसूची

प्रोपर्टी जो सं० नं० 214 अप 232/2 मौजे दोंडाईचे,  
तह० सिद्धेडे जिला धुले में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1173 जो अगस्त 1981  
दुर्घाम, निवन्धक सिद्धेडे, के दफ्तर में लिखा है।)

आर० के० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 13-4-1982

मोहर :

प्रस्तुति शार्टी० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 13 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० ई-५/एस०आर० फलटण/अगस्त-८१/६५८/८२-  
४३—यह मुझे आर० के० अग्रबाल  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसे 'उक्त प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ष  
के अधीन सत्रम विवाहितों को यह विश्वास करने का भारा है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है।

और जिसकी सं० गट नं० 345, 346 और 348 है तथा जो  
मौजे, कापड़गांव, तह० फलटण, जिला सातारा में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्घम, निबंधक, फलटण में  
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फँदह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
भीष ऐसे अन्तरण के लिए उन पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में  
कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के निए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितियों  
को जिन्हें भारतीय आप्रकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, पा-  
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने  
में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात् :—

1. श्री दिलीप जयन्वंत जाधव,  
रा० लोणद तह० खंडला,  
जिला सातारा ।

(अन्तरक)

2. श्री बबन गणपत शेंडे  
सुरेश मल्हारी चौरे,  
रा० कापडगांव, तह० फलटण, जिला सातारा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
पन्थ व्यक्ति द्वारा अधिकृतामी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उपर प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्टरी, जो गट नं० 345, 346, 348 मौजे कापडगांव  
तह० फलटण, जिला सातारा में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1713 जो अगस्त,  
1981 में दुर्घम निबंधक, फलटण के दफ्तर में लिखा है।)

आर० के० अग्रबाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 13-4-1982  
मोहर :

प्रलेप बाई.टो.एन.एस.-----

आयकर भवित्वनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना-411004, दिनांक 13 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० ई-5/एस०आर० जलगांव/अगस्त-81/659/82-

83—अतः मुझे आर० के० अग्रबाल

आयकर भवित्वनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-ष(1) के अंतर्गत मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विस्ता उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० गट नं० 85/2 है तथा जो मौजे, निम्बेडी खुद, तह० और जिला जलगांव में रजिस्ट्री में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दृष्ट्यम निवन्धक जलगांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्नरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं निया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तव, उक्त प्रधिनियम के यशीन कर देने के यन्नरूप के वायिस में कमी करने या उसमें बचने में सुधिधा के लिए और/या;

(म) देसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भवित्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भवित्वनियम, या धन-कर भवित्वनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाद्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, भिन्न में मूर्चिशा के लिए;

अन्तः अब, उक्त अधिनियम की वारा 269-ग के भवत्वरण में, मैं उक्त भवित्वनियम की वारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

16—56GI/82

1. श्रीमती सौ० यमुनाबाई पुरुयोत्तम वाणी,  
रा० पो० पिप्राले, तह० और जिला जलगांव।  
(अन्तरक)

2. मरस्वती डेवलपमेंट कारपोरेशन, जलगांव  
भागीदार - श्री नारायण वामन वाणी,  
जयकिशन वाडी, नवी पेठ, जलगांव।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के पर्वन्ध में रोई भी याकेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, ग्रांडहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्टी जो गट नं० 85/2 मौजे निम्बेडी, खुद तह० और जिला जलगांव में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकूल विलेख क्र० 3381 जो अगस्त, 1981 में दृष्ट्यम, निवन्धक जलगांव के दफ्तर में लिखा है।

आर० के० अग्रबाल  
सक्तम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

तारीख: 13-4-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धा० 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 13 अग्रैल, 1982

निर्देश मं० है-5/एस०आर०-जलगांव/अगस्त 81/660/82-83—अतः मुझे आर० के० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,00/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० गट नं० 85/1 है, तथा जो मौजे निमरवेडी खुदै, तह० और जिला जलगांव में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्प से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुश्यम निवन्धक जलगांव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक अगस्त,

1981

को प्रबोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रबोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिटी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्तव्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिटी द्वारा प्रवर्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शब्द, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहनदास पुर्खोत्तम वाणी रा० पो० पिप्राले, तह० और जिला जलगांव। (अन्तरक)
2. सरस्वती डेवलपमेंट कारपोरेशन जलगांव भागीदार: श्री नारायण वामन वाणी, जयकिशन वाडी, नवी पेठ, जलगांव। (अन्तरिटी)

को यह सूचना जारी करके प्रबोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई योग्यता :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबोधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रबोधिया, जो भी प्रबोधिया बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रबोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रबोक्त शब्दों पौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्यादित होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्ती जो गट नं० 85/1, मौजे निमरवेडी खुदै तह० और जिला जलगांव में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3381 जो अगस्त, 1981 में दुश्यम निवन्धक जलगांव के दफ्तर में लिखा है।

आर० के० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर अधीन (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-4-1982

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 13 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० ई-५/एस०आर० अलिबाग/प्रगस्त- 81/661/82-

83—यतः मुझे आर० के० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सकल प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सं० नं० 405, हिस्सा नं० 1-सि० है तथा  
जो गांव आवस तह० अलिबाग, जिला बुलडा में स्थित है  
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्योग निबन्धक, अलिबाग  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिरोध के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-  
नार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में उन्निधा के  
लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, प्र्यातिः—

1. डॉ० राम दास कमल पाटील  
श्रीमती कृष्णबाई राम दास पाटील

(अन्तरक)

2. मि० अलिक्यू पडमसी,  
मिसेस राज्जल पडमसी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षियां द्वारा;

(ख) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षियां द्वारा अंतर्दृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**दण्डीकरण :—**इसमें प्रयुक्त अन्यों और पर्दों ता, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उन प्रश्नावाय में दिया गया है ।

**अनुसूची**

प्रापटी, जो सं० नं० 405, हिस्सा नं० 1-सी, गांव आवस, तह० अलिबाग, जिला बुलडा में स्थित है ।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 445 जो अगस्त, 1981 में बुद्धम निबन्धक, अलिबाग के दफ्तर में लिखा है ।

आर० के० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-4-1982

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 मार्च, 1982

निर्देश सं० प० सी० 59/रेंज-II/कल०/81-282—अतः  
मुझे के० सिन्हा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के  
अधीन उक्त राधितारी को, यह विषयत करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसको सं० पा०-65 है तथा जो सी० आई० टी० स्कीम  
सं० 7 (एम) थाना, मानिक तला कलकत्ता में स्थित है  
(आंग इसमें उपांबद्ध अनुसूची में शामिल है)  
रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय प० सं० आर० प० कलकत्ता  
में, रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक 20-8-81 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विषयता  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निर्मानिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, बिना में  
मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री कन्हैया लाल अग्रवाल

(अन्तरक)

2. श्री नारायण चन्द्र बसाक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उस सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्द्र में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उसमध्ये व्यक्तियों द्वारा  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,  
के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ  
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अविभाजित 1/3 हिस्सा खाली जर्मान 4क० 5 छ०  
33 स्कवायर फुट पता 7-पी-65, सी० आई० टी० स्कीम 7  
(एम), थाना मानिक तला, कलकत्ता ।

के० सिन्हा  
सभम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज- कलकत्ता

तारीख: 27-3-82

मोहर

प्रस्तुप आइ०टी०एन०एस०-----

1. श्री कन्हैया लाल अग्रवाल

(अन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. सुरंजन बसाक

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 मार्च, 1982

निर्देश सं० प० सी० ५८/रेज-II/कल०/८२/२१३—अतः  
मुझे के० मिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन मकान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पी-६५ है तथा जो सी० आई०टी० स्कीम  
सं० ७ (एम), थाना मानिक तला, कलकत्ता में स्थित है  
(शार इसमें उपावड्ड अनुसूची में शार जो पूर्ण स्थप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय एम० आ०८० प०० कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक 20-४-१९८१

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

करे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ० भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूष्ठ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में विभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हूँ इसी की आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अमृसूची

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अभिवाजित] 1/3 हिस्मा खाली जर्मान 4 क 5 छ०  
33 स्वायर कुट पी-६५, सी० आई०टी० स्कीम संख्या 7 (एम)  
में थाना मानिक तला, कलकत्ता में स्थित है।

के० मिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, कलकत्ता

तारीख: 27-३-८२

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रलेप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

1. कन्हैया लाल अग्रवाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

2. गोकुल रंजन बसाक

(अन्तरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 मार्च 1982

निर्देश सं. ए० सी०-५७/रेज-II/कल०/८१-८२—अतः  
मुझे के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. पी-६५ है तथा जो सी० आई० टी० स्कीम  
सं. ७(एम) थाना मानिक तला, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीन  
डम्स उपावडे अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय एस०आर० ए० कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1909 का 17) के अधीन  
तारीख 20-८-१

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यदाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अधिभाजित 1/3 हिस्सा खाली जमीन पता : पी-६५,  
सी० आई० टी० स्कीम सं. ७, (एम), थाना मानिक तला  
कलकत्ता ।

के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, कलकत्ता

तारीख: 27-३-८२  
मोहर :

प्रलेप प्राई ० टी० एन० एस०

1. श्रीमती रमा चट्टर्जी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च 1982

निर्देश सं० 1047/एक्यू०/रेज-III/81-82—यतः मुझे  
एम० अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 22-ओ, है तथा जो गरज़ा फारेस्ट लेन, कलकत्ता  
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुमूर्चि में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

तारीख 5-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित  
महीं किया था या है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या निक्या जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पाद्त के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधारेहस्ताक्षरी के  
पास लिखित मा किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

22-बी, गरज़ा फारेस्ट लेन, कलकत्ता । 3 कनाल 11 छ०  
जमीन पर मकान।

एम० अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

तारीख : 31 मार्च, 1982  
मोहर :

प्ररूप थाइ.टी.एन.एस. -----

1. श्रीमती रमा चटर्जी,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती विश्वनाथ दे

(अन्तरीती)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च 1982

निर्देश सं० 1048/एक्य० रेज-III/81-82—यतः मुझे  
एम० अहमद  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी स० 22-बी है, तथा जो गरचा फारेस्ट लेन, कलकत्ता  
में स्थित है (और इसमें उपावद अनुमती म और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
5.8-1981

को पूर्वीकृति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से अधीन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, ऐसे हश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरीती (अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आशेष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर<sup>1</sup> सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बावधान में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :--** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

22-बी, गरचा फारेस्ट लेन, कलकत्ता । 3 क्र० 11 छ०  
17 स्थायर फ्लूट जर्मीन पर मकान ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

एम० अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 31-3-1982

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती रमा चटर्जी

(ग्रन्तरक)

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)**  
की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री दीलीप दे

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च, 1982

निवेश सं० 1049/एम्यू/रेज-III/81-82—यतः मुझे  
एम० अहमदआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ष के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।और जिसकी सं० 22-ए, है तथा जो गरबा फारम लेन, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपायद अनुभूति में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 5-8-1981को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दूर्घटनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घटनान प्रतिफल से, ऐसे  
दूर्घटनान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

अनुभूति

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
प्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधामें लिए;22 ए गरबा फार्म लेन, कलकत्ता । 3 कलान 11 छ०  
17 स्थायर फुट जमीन पर मकान।अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—  
17—56GI/82एम० अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-, कलकत्ता

तारीख 31-3-1982

मोहर :

प्रस्तुप बाइ<sup>१</sup>, टी.एन.एस. -----

1. श्रीमती गीता मुखर्जी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती रमा विश्वास एण्ड अद्दर्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीय करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेपः--

अर्जन रेंज- , कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च 1982

निवेश सं० ए०सी०/६०/रेंज-II/कल०/८१-८२—यतः मझे,  
के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 40 है, तथा जो घराक सं० "बी"  
बांगुर एवं थाना लेक टाउन, कलकत्ता-55 में स्थित है (और  
इससे उपांचढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

14-४-८१

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
पासांदिय रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(३) अन्तरण से हुए किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(४) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

ममृत्यु

क्षेत्र-क० ९ ठ०, ४१ वर्गफ्ट, लाट सं. ४० ब्लॉक 'बी'  
का बांगुर एवेन्य थाना-लेक टाउन कलकत्ता (तीन मंजिल  
मकान के साथ)।

के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रें-II, कलकत्ता

तारीख : 31-3-82

मोहर :

अनु: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस. -----

1. श्री सुधामय चटर्जी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. तरु बाला राय

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 भार्च 1982

निर्देश सं० ए० सी०-६२/रेंज-II/कल०/८१-८२—यतः  
मुझे, के० सिन्हा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी मं० 1319 और 1320 हैं, तथा जो कृष्ण पुर, ब्लाक 'सी  
बंगूर, एवेन्यु, कलकत्ता-५५ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी  
के कार्यालय एम० आर० काशीपुर, दमदम में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-८-८१  
के पूर्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चव्युत्ति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीथित नहीं किया गया है।

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
जया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

**अनुसूची**

प्लाट नं० 31, कृष्णपुर, ब्लाक-सी बंगूर एवेन्यु, कलकत्ता-  
५५ पर स्थित।

के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिस्ति :--

तारीख : 31-३-1982

मोहर :

प्रधन प्राइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च 1982

निर्देश सं० ए०सी०-६१/रेंज-II/कल०/८१-८२—यतः मुझे,  
के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8-जे है तथा जो साउथ सिथिरोड, कलकत्ता में  
स्थित है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय डी० आर० अलिपुर  
24 परगना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन 10-८-८१/११-८-८१

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे महे विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्रमोक्ष संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, हेसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अक्षरक (अक्षरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अनुसूची

1. मै० कपूर होशियारी फैक्टरी, (प्रा०) लि०, कलकत्ता  
(अन्तरक)

2. श्री अनिल कुमार दास महापात्र और अन्य  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीहृत्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

क्षेत्र केवल 16 का० मकान नं० ४-जे, साउथ सिथिरोड,  
थाना-काशीपुर, कलकत्ता पर स्थिति ।

के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

अब: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, जौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 31-3-1982  
मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 अप्रैल 1982

निर्देश सं० ए० मी० 7, रेंज-II/कल०/82-83—अतः  
मुझे के० सिन्हा

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पहचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी रां० 1/12 है तथा जो बेलिलियस लेन, हावड़ा में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
21-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
बार/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

1. श्री सुभेद्र कुमार दत्त

(अन्तरक)

2. श्री सुनिल कुमार जयसवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारती करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास तिलित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण** — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन 16 क० 4 छ०, 33 वर्ग फुट मय बिल्डिंग।  
पता : 1/12 बेलिलियस रोड, थाना बंटगा, डिं हावड़ा,  
डीड सं० 4472, 1981 का।

के० सिन्हा  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 7-4-1982

मोहर :

प्रकृष्ट आई. डी. एन. एस.-----

व्यापक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक व्यापक व्यापक (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० ए० सी० 2/रेज-IV/कल०/82-83--अतः  
मुझे को० सिन्हा

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,00/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 108 है, तथा जो धरमतल्ला रोड, हावड़ा में  
स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 7-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
इसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

1. श्री मोतीलाल ग्राट्टा

(अन्तरक)

2. श्री जुगल किशोर कौशिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरभी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरणः**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन 808 वर्ग मीटर (प्लाट "ए"), पता : 108,  
धरमतल्ला रोड, थाना मालीपांचघड़ा, जिला हावड़ा, डीड  
सं० 6658, 1981 का।

(क) अन्तरण से होई किसी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायिष्व  
में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय व्यापक अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

को० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक व्यापक व्यापक (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-4, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :--

तारीख 2-4-1982

मोहर :

प्रह्लप घासी टो. एच.एस.—

1. श्री अरुणा आटा

(अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

2. अमेश आटा

(अन्तरिक्त)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० ए०सी० 3/रेंज-4/कल०/82-83—यतः मुझे  
के० सिन्हाग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व  
के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 108 है तथा जो धरमतल्ला रोड, हावड़ा  
में स्थित है (और इससे उपांचद्र अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन  
7-8-1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी भाव को बाबत, उक्त प्रधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के लक्ष्यक के बायित में  
कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुसूची

(ल) ऐसी किसी भाव या किसी छन पा घास्य आविष्यों  
को जिन्हे भारतीय घाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ प्रत्यारिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
बया या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

जमीन 620.12 बर्गमीटर (प्लाट टी),

पता : 108, धरमतल्ला रोड, याना मालीपांचवड़ा,  
जिला हावड़ा, डोड सं० 6660, 1981 का।के० सिन्हा  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, कलकत्तायतः धब, उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरमें,  
मे०, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपचारा (1)  
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—तारीक 2-4-1982  
मोहर :

प्रस्तुत जाइ.टी.एल.एस.-----

1. श्री मुकुललाल आद्दा

(अन्तरक)

आमकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

2. श्री गुरदरशन सिंह

(अन्तरिती)

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० ए० सी० ४/रेंज-४/कल०/८२-८३—यतः मुझे  
के० सिन्हा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा  
269-ष के प्रधीन समाप्त प्राक्षिकारी को, यह विषयास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 108 है तथा जो ढरमतला रोड, हावड़ा में  
स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन  
दिनांक 7-8-1981

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह किश्यास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार,  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रमाण के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुनिश्चि के लिए। और/या

अनुसूची

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापरेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी बन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें सारसीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

जमीन 344.11 बर्ग मीटर (प्लाट बी), थाना :  
मालीपांचथटा, जिला हावड़ा, डीडं सं० 6659, 1981 का ।

के० सिन्हा  
सक्षम प्राक्षिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख 2-4-1982

मोहर :

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपशारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपौतु :—

प्रस्तुप आइं. टी. एन. एस. -----

1. मैसर्स जायर एण्ड कं.

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री ज्योर्तिमय ध्रोप

(ग्रन्तरक्ति)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 अप्रैल, 1982

निवेश में ० ग्र० ० मो० ५/रेंज-४/कल०/८२-८३—अतः मुझे  
के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी म० है तथा जो घोषपाड़ा, रोड, पलता  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर.जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीबाग अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
8-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिपत्ति के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः:—  
18—56GI/82

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में लिए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन 24 बि 2 1 क० ७ छ० मये फैक्टरी बिल्डिंग में,  
फैक्टरी लावनी, गोदाम, कर्मचारी ब्राउर्स, कार्यालय बिल्डिंग,  
पम्प हाउस और अन्यान्य छाचा, पता : घोषपाड़ा, रोड, पलता,  
दैरकपुर नगरपालिका, डिस्ट्रिक्ट 24 परना डीड सं० 6654,  
1981 का ।

के० मिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण  
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता:

तारीख 2-4-1982  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 2 अप्रैल, 1982

निर्देश सं. ८० मीं -१/रेंज-४/कल०/८२-८२—अतः मूले  
के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जितकी सं. 108 है, तथा जो धरमतला रोड, हावड़ा  
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुमूली में और जो पूर्ण रूप से  
बिण्ठत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता के  
रजिस्ट्रीकरण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
७-८-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अधिकारी :—

१. श्रीपूर्व कुमार आट्टा

(अन्तरक)

२. श्री मूरत मिह चौधरी

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताभारी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुमूली

जमीन 605.72 वर्ग मीटर (प्लाट सं. "सी"),  
पता: 108 धरमतला रोड, थाना माली, पांचड़ा, जिला  
हावड़ा। डीड सं. 6661, 1981 का।

के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता  
५४ रफीप्रहमद किंदवार्ड रोड,  
कलकत्ता-१६

तारीख 2-4-1982

मोहर:

प्रस्तुति वाई.टी.एन.एस. -----

1. श्री सरित बिन्दु घोष

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्री नरेश चन्द्र बैनर्जी

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं० 1050/एक्यू०/रेज-III/82-83—यतः मुले,  
एम० श्रहमद्,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसको सं० 56/19 है, तथा जो महेन्द्रनाथ, सेन लेन,  
कलकत्ता में स्थित है (और हमसे उपावड़ अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 12-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्त्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दू किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

56/19, महेन्द्रनाथ सेन लेन, कलकत्ता।  
2 क० 42 वर्ग फुट जमीन परमकान।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धर्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

एम० श्रहमद्  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

तारीख 3-4-1982  
मोहर :

प्रस्तु आई. टी. एन. प्रस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 अप्रैल 1982

निर्देश सं० 1051/एस्यू/रेज-III/82-83—यतः मुझे,  
एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसको सं० 297 है, तथा जो राजा एम० सि० मलिक  
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपबंद्ध अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, प्रालिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-8-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रत्यक्ष प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अंतरीरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्रीमती तरुलता गुहा

(अन्तरक)

2. श्री भगवती बनिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हूँ इकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये  
और/या

अनुसूची

297, राजा एम० सि० मलिक रोड, कलकत्ता ।  
6 कणे जमीन पर मकान ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

एम० अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 3-4-1982

मोहर :

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यापारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, कलकत्ता

कलकत्ता, 1 दिनांक 7 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० प० सी० ६/रेंज-IV/कल/82-83—ग्रतः मुझे  
के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्रांतवारी वरे यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक है

और किम्बी म० 233 और 235 है तथा जो अशोकगढ़,  
आना बरानगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी के कार्यालय  
काशीपुर (दमदम) में गोडस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत वा गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का दारा है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान गतिहास में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह पतिशां गे परिवर्तित हो और अत्यरह (अन्तर्कों)  
और प्रातिरिती (रन्तरिती) के द्वारा ऐसे प्रबन्धण के लिए  
नया पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) पन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कर्मी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्यं आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
प्रकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
— पर्योजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया  
रहा या हिया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविश्वास लिए ;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की व्यापारा 269-व के  
प्रनाली ने मैं उक्त अधिनियम की गारा 269-व की  
उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पुष्पाराजनी चौधरी

(श्रृंतरक)

2. (1) सिद्धार्थ बोम

(2) श्रीमती रना बोम रना बोम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितशब्द किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा नहें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-  
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वहीं  
प्रयुक्त होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

जमीन-4 के० जमीन मध्य नॉल्डग मध्य सब जुड़ो हुई बस्तु,  
पता-233 और 235, अशोकगढ़, मौजा बनहुगली, आना  
बरानगर, डिस्ट्रिक्ट 24 परगनाज, डीड म० 91061981 का।

के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख 7-4-1982

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट ही० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 अप्रैल 1982

निर्देश सं० ८० सी० ८/रेंज-/कल०/८२-८३—अत मुझे, के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसको मं० है नगा जो पानी हाटी, जिला 24 परगनाज में स्थित है (और इससे उगाबढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिक्रिया से अधिक है और प्रतिक्रिया (अन्तरकों) और प्रतिरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्याप्तिक्रम से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दृइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम वे अधीन कर देने के अन्तरक के व्यापित में कमी दरने या उससे बचने में सुविधा के लिए। औरया

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्त्रियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती हारा प्रकट मही किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः प्रत्येक उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री रमेश चंद्र
- (2) अरुण कुमार मुख्यार्जी
- (3) आरती भट्टाचार्जी,

(अन्तरक)

2. असीत वरण, प्रशान्त कुमार दे (अन्तरिती)
3. राजेश, सुरोजीत दत्ता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उन अन्याय में विद्या नहीं है।

अनुसूची

जमीन 11 क०, 6 छ०, 18 वर्ग फुट मध्य बिल्डिंग पता: मौजा पानोहाटी, थाना खड़दाह जिला 24 परगनाज, डीड सं० 6798, 1981 का।

के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-, कलकत्ता

तारीख: 7-4-1982  
मोहर:

प्रस्तुप आइ.टी.एन.एस.-----

1. डा० निरमल कुमार घोष

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निर्देश सं० 1052/एक्यू०/रेंज-III/82-83—अतः मुझे,  
एम० अहमदआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी मं० 22-एफ, है तथा जो नेपाल भट्टाचार्य, फास्ट  
लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबंध अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
ग्रालिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 26-8-1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिपत्ति के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:-(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के  
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तमां  
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अनुसूची

22-एफ, नेपाल भट्टाचार्य, फास्ट लेन, कलकत्ता ।  
4 क० 14 छ० 30 वर्ग फुट जमीन पर मकान ।एम० अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ताअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 8-4-1982

मोहर :

प्रसूप ब्राह्म. टी. एन. एस. -----

1. श्रीमती आशा रानी गुहा

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री सुनील कुमार चंदा,

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता न 14 अप्रैल 1982

निर्देश सं० 1053/एक्य०/रेंज-II/82-83—अतः मुझे,  
एम० अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 192 पर है, तथा जो रास विहारी एवं न्यू  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 3-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(फ) अन्तरण से ह्रास किसी आय की बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या—अन्य/या

(ग) नामी किसी आय किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अन्तिक्षणों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-  
दबारा कार्यवाहीर्णा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दबारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दबारा अधीक्षताधरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

192प, रास विहारी एवं न्यू, कलकत्ता । जमीन पर  
मकान । दलिल सं० 6482 ।

एम० अहमद  
मशम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-, कलकत्ता

तारीख : 14-4-1982

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. श्रीमती आशा रानी गुहा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री राम विलास रूला

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 अप्रैल 1982

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।—

निर्देश सं० 1061/192/15 /82-83—अतः मुझे,  
एम० अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 192 ए है, तथा जो रास बिहारी एवंत्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-8-1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित वी गर्ह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवांकित मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अमूल्यवाची

**प्रबोक्षणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयृष्ट होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

192 ए, रास बिहारी एवंत्यू, कलकत्ता। जमीन पर मकान, दलिल सं० 6481।

एम० अहमद  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

19—56G1/82

तारीख : 14-4-1982  
मोहर :

प्रस्तुत आइंटी.एन.एस.

1. श्री मधुसूदन दास

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री रमजित दास गुप्ता

(अन्तरित)

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़- , कलकत्ता  
कलकत्ता, दिनांक 14 अप्रैल 1982

निर्देश सं. 1055/एक्यू/रेज़III/-82-83—अतः मुझे,  
एम० अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो मौजा सन्तोषपुर, पी० एम०  
जादबपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 24-8-1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीदित नहीं किया गया है:-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धभ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण के हूर्झ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वारियत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

मौजा सन्तोषपुर, पी० एम० जादबपुर, जिला 24  
परगना ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तयों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

एम०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:-

तारीख : 14-4-1982  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

**269-ष (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० 1057/एक्यू/रेज-III/82-83—अतः मुझे,  
एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 61/वी है, तथा जो मुर एमिनु, कलकत्ता में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण व्यंपत्ति  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर  
मरजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
27-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उम्मेदेयों से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

1. श्रीमती अनला मेन,

(अन्तरक)

2. श्री जे० पी० मैत्र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

61/वी, मुर एमिनु, कलकत्ता 4 क० 2 छ० जमीन।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय व्यक्त उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

एम० अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 14-4-1982

मोहर :

प्रख्य प्राईंटी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 अप्रैल, 1982

निर्देश सं० 1056/एक्यू०/एक्यू० /82-83—यतः मुझे,  
एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 357/1/13/5, है तथा जो प्रिन्स, अनवर  
शाह रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
क्रिया आनिपूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 10-8-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शब्दों में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अपरना दे और दूसरा

(अन्तरक)

2. श्रीमती कललानी मित्र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिणी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वादी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
निखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20-ए में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

357/1/13/5, प्रिन्स अनवर शाह रोड, कलकत्ता,  
4 कठे जमीन।

एम० अहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 14-4-1982

मोहर :

प्ररूप आद्वै. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1982

निर्देश सं० 1058/एवयू० रेंज-III/82-83—यतः, मुझे  
एम० श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके प्रत्यापात्र 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य 19-ए है, तथा जो शरत बोस रोड, कलकत्ता  
में स्थित है (श्रीर इमों उपावन अनुमूली में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीनर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 28-8-81

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए उन्नारन की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके इयमान प्रतिफल में ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, तिन्हीं उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट महीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शिलादित्य वानर्जी आर द्वारा।

(अन्तरक)

2. श्री मानवन लाल वाणगोडिया, आर द्वारा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

19-ए, शरत बोस रोड, कलकत्ता, । 56. 297 वर्ग मीटर  
जमीन पर मकान।

एम० श्रहमद  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-, कलकत्ता-16

तारीख: 14-4-1982

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०--

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 14 अप्रैल, 1982

निर्देश मं० 1059/एक्यू० रेज-III/82-83—अन्तः मुझे  
प्रम० अहमद

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 19-ए है तथा जो शरत बोम रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) अजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-8-1981

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यान्त प्रतिफल के निए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यान्त प्रतिफल से ऐसे दृष्ट्यान्त प्रतिफल का पन्द्रह ग्रन्थि अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

1. शिलादित्य बनर्जी और दूसरा ।

(अन्तरक)

2. श्री महेशचन्द्र बागरीडिया और दूसरे।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजनीत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रथा या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की प्रथा, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

19-ए, शरत बोम रोड, कलकत्ता । 56, 297 वर्ग  
मीटर जमीन पर मकान।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरकों के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अता अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

एम० अहमद

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, कलकत्ता

तारीख: 14-4-1982

मोहर :

## प्रलूप प्राईंटी-एन-एस-

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की ओरा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद  
अहमदाबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1982

निदेश सं. पी० आर० नं० 1849/23-I/81-82—यतः  
मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की  
ओरा 269-व के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 23,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वेनं० 402, लाट नं 15, पैकी है तथा  
जो उमाकाल्त पंडित उद्योगनगर, गोडल रोड, मण्डी लाट  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप  
में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन  
तारीख 6-8-81

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अस्तरक  
(अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे  
अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कर्तित  
किया नहीं गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या घननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, लियाने में  
सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की ओरा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सविता बेन धनजी भाई की ओर से  
कुल मुख्यार —  
श्री विभूतन भाई आर अमीन,  
“अमीन पार्क”, कलापड़ रोड,  
राजकोट ।

(अन्तरक)

2. मैसर्म लीवरल इंजीनियरिंग वक्स  
पारा बाजार, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की प्रक्रिया या तस्वीरें व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,  
जो भी प्रक्रिया बाब में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्णकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवैत्याकारी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अन्याय 20-क में परिचायित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 760 वर्ग यार्ड है जो  
उमाकाल्त पंडित उद्योग नगर, राजकोट में स्थित है तथा जिसका  
पूर्ण वर्णन राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 6383/6-8-81  
में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग  
सभेम प्राधिकरी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 5-4-1982

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269ष(1) के अधीन सूचना:

**भारत सरकार**

काशीलिय सम्बन्धक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अप्रैल, 1982

निदेश सं० पी०आर० नं० 1848/23-J/81-82—अतः  
मुझे जी० सी० गर्ग  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-के अधीन सम्बन्धित कारण के लिए कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उनिव दाता धन्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मं० मवें नं० 394 पैकी है तथा जो गोड़ल रोड, राजकोट में स्थित है (श्री॒ इसमें उपावद अनुसूची में श्री॒ जो पूर्णसूप से दर्जित है) रजिस्ट्रेशन अधिकारी के वार्षिक राजकोट में रजिस्ट्रेशन अधिकारी, 1968 (1968वा 16) के अधीन दिनांक 18-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उन्नित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान राजित रजिस्ट्रेशन को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि एशपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रबहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया यथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगकार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसूचण में, मे॒ उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अस्ति:—

1. मैसर्स सोमनाथ आयल श्री॒ गिनिंग फैक्टरी,  
मुख्य प्रयोजक: श्री॒ वाबू लाल, गन छोड़दास व्रगदानी,  
33-बी॒, हरीहर सोसायटी, राजकोट ।  
(अन्तरक)

2. मैसर्स कनेरीया आठल इन्डस्ट्रीज की ओर से:  
तुलसीदाम लवजीभाई कनेरीया,  
किशन कोलड स्टोर्स के पीछे,  
गोड़ल रोड, राजकोट ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रमाण में गोई जी॒ गांधे:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्राप्तान का तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्त्वावधि व्यक्तियों पर सूचना की तामोल में 30 दिन की प्रवधि, जो सो अवधि बाद में समाप्त होनी है, न भी 15 पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्राप्तान का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर व्यक्ति ये दिनबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रयोग्यात्मी ने गान निवित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त अधिनियम के प्रयोग 20-क में परिभाषित है वही प्रये होगा जो उस ग्राहार में दिया गया है।

**अनुसूची**

फैक्टरी बिल्डिंग जिसका कुल क्षेत्रफल 1611-1-0 वर्ग यार्ड, जो गोड़ल रोड, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण राजकोट रजिस्ट्रेकर्ता विक्रीखत नं० 1276/18-8-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद  
तारीख 5-4-1982  
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री गोहेन मोहन भाई मोती भाई,  
लोतिया भागोल,  
आनन्द।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद  
अहमदाबाद, दिनांक 29 मार्च 1982

निदेश नं० पी० आर० नं० 1580/प्रक्री/23-II/81-82—  
अतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आनन्द सिंह, सर्वे नं० 822/2, है तथा जो  
आनन्द में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और जो  
पूर्ण स्वप्न से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
आनन्द में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाएूवेंकत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्थ ह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पादा गया प्रति-  
फल नियमान्वयन उदादृश्य में उक्त अन्तरण विस्तृत मास्तिक  
क्षण से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हृद्द एकीकृत आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

जी० सी० गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निरीक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--

20-56 GI/82

2. कृष्ण गोहेन के द्वारा :

भागीदार पटेल, उपेन्द्रा भाई, रावजी भाई,  
पुष्पकुंज, कोलोणी, सिविल कोर्ट के सामने, आनन्द।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में हृद्द भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, प्रवृत्तस्तान्त्री के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

जमीन जो आनन्द सिम प० नं० 822/2, बिक्रीखात  
नं० 2236 पर मम्पूर्ण वर्णित में आनन्द सब रजिस्ट्रार के  
कार्यालय में अगस्त, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

तारीख : 29-3-1982

मोहर :

प्रस्तुप आद्वै. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अप्रैल 1982

निकेश सं० पी० आर० नं० 1581/एक्वी०/23-II/82-  
83—आतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 30-ए, शास्त्रीनगर, सोमायठी है  
तथा जो निजामपुरा, बेरोड़ा में स्थित है (और इससे उपावन्द  
अनुमती में और जो पूर्ण स्व से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय बेरोड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृष्टिभाव प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिभाव प्रतिक्रिया से, ऐसे  
दृष्टिभाव प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरक), और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रतिक्रिया लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सक्षम अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों; अर्थात् :—

1. श्रीमती जयाबेन भगन भाई पटेल,  
शास्त्रीनगर, सोमायठी,  
निजामपुरा बेरोड़ा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कल्याणबेन गजेन्द्रा भिन्नी  
30-ए, शास्त्रीनगर, सोमायठी,  
निजामपुरा, बेरोड़ा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीहोया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षयों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि  
पार द्वारा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोदस्ताक्षरों  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

दूसरीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्याय 20-क में  
परिवर्तित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस  
अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो विक्रीखत नं० 3027 पर सम्पूर्ण  
वर्णित, में बेरोड़ा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में अगस्त, 1981  
में रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 1-4-1982  
मोहर:

प्रख्य प्राई० टी० एस० एस०—  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1582/एक्वी०/23-II/82-

83—ग्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी मं० नोद नं० 3361, वार्ड नं० 4, है तथा जो  
हैदराबादी स्ट्रीट, सामपा बाजार, सुरत में स्थित है (और इससे  
उपावढ अनुसूची में और जो पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
प्रधिकारी के कार्यालय सुरत में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से ज्ञान के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
आतरिती (आतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
नियित में वास्तविक रूप में रुक्षित उक्त किया गया है :—

(क) अन्तरा से दूड़ी की ओर को बाहर उक्त  
प्रधिनियम के अधीन उक्त देश के प्रत्यक्ष के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या छन-  
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

ग्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती मधुकान्ता रनजीत भाई लाहौराजी,  
बोगामपुरा, हैदराबादी का समजी स्ट्रीट,  
सुरत।

(अन्तरक)

2. (1) श्री अबेदली भाई साहब मोहम्मद भाई साहब  
बादुधीन।  
(2) श्री इस्मोयिल भाई साहब मोहम्मद भाई साहब  
बादुधीन, सामपा बाजार, देवडौ,  
सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवं  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही प्रथं होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोद नं० 3361, वार्ड नं० 4, हैदराबादी  
स्ट्रीट, सुरत अगस्त, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 2-4-1982

मोहर:

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधिन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1982

निवेश सं० पो० आर० नं० 1583/एव्ही०/23-II/82-  
83—अतः मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० नं० 293/1 है तथा जो आर० वी० देणाई रोड, बेरोडा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूली में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के लिए ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाग्तव्यक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए गौरव/ग

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. डा० प्रभादती भारव हार्ड्वेर  
दत्ता निवास, राम भाग के पास,  
अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री अमृतलाल सुन्दरलाल राणा,  
भाव बाले गली,  
राबुपुरा, बेरोडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक्समाली व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तक 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चिन में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-**—इसमें प्रथमें शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला जमीन जो आर० एम० नं० 293/1 बेरोडा सिटा में स्थित है जिन्ही खत पर सम्पूर्ण वर्णित पर बेरोडा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में अगस्त, 1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 5-4-1982

मोहर :

प्रस्तुति आहे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अप्रैल, 1982

निवेश सं० पी०आर० नं० 1584/एक्टी०/23-II/82-  
83—अर्तः मुझे जो० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिवास बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी मूल्य मर्व नं० 577-ए है, तथा जो प्रतापनगर,  
रोड, बेरोडा में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बेरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 11-8-1981

को पूर्वावत संपत्ति के उत्तिवास बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उत्तिवास बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री माधवजी नातुभाई पटेल  
कुल मुकुतयार, हंसराज, माधवजीभाई पटेल,  
प्रतापनगर रोड, बेरोडा ।

(अन्तरक)

2. (1) जयन्तीलाल चुणीलाल नानावती।  
(2) प्रमोद जयन्ती लाल नानावती।  
(3) किशोर जयन्ती लाल नानावती  
मुल्लानपुरा, मोद पोल,  
बेरोडा ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

अचल सम्पत्ति, जो बिक्रीद्वारा नं० 4216 पर सम्पूर्ण  
वर्णित में बेरोडा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 4-8-81  
में रजिस्ट्री की गयी है।

जी०सी०गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 7-4-1982

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की भारा  
२६९-ष(१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक ७ अप्रैल १९८२

निवेश सं० धी० आर० नं० १५८५/एक्वी/२३-II/८१-  
८२—अतः मुझे जी० सी० गर्म,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
२६९-स्थ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
२५,०००/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० ५०२/२, ५००/२ है तथा जो अडानन  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूली में आंश जो पूर्ण रूप से  
वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन  
अगस्त १९८१

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरीती  
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के  
प्रयोगनार्थ अंतरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ष की उपधारा (१)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१. श्री जगदीश भाई हरीलाल रावल,  
दयाभाई का कुल मुख्तयार : उरभे रनछोडभाई ईश्वराम  
पटेल, प्ररविन्द कुमार माकन भाई पटेल,  
संगम सोसायटी, रानदेव रोड, सुरत और  
श्री मूलचन्द भाई गोविन्द भाई पटेल,  
ऊपर परखा हुआ दो आदमियों का कुल मुख्तयार  
अडानन जिला सुरत ।

(अन्तरक)

२. सातगता को० श्रो० हा० सोसायटी अध्यक्ष श्री०  
सचिव :

(१) श्री बसन्तलाल जयकिशन दास राणा ।

(२) श्री चन्द्रकान्त लालदास गोवाला,  
सांगणा सोसायटी, रानदेव सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्पंचांधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्रवृथ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

मलकियत जो एस० नं० ५०२/२ और ५००/२ अडानन,  
अगस्त, १९८१ में रजिस्ट्री की गयी है ।

जी०सी० गर्म  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद ।

तारीख: ७-४-१९८२

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

व्यापालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1586/गवर्नर०/23-II/82-  
83—अतः भूमि जी० सी० गर्गआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), को धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. में अधिक हैऔर जिसकी मं० नं० 30 (प) भोलाव है तथा जो ओच में  
स्थित है (और इसमें उपांडठ अनुमूली में और जो पूर्ण स्वप्न से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ओच में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
अगस्त, 1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
पन्हुङ्ग प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अंतरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;1. श्री रनछोड भाई हिंगाभाई सीलनेकी,  
भोलाव, ओच।

(अन्तरक)

2. पन्नवेन, किरीन भाई पटेल,  
ओच।

(अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(द) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निवित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मलकित जो भोलाव एम० नं० 30 (पी) अगस्त, 1981  
में रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबादअतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 7-4-1982

मोहर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1851/पक्षी/23-I/81-  
82—अन्तः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 5137, 5138, 5139 और 5140  
हैं तथा जो रंगवाला ब्रिलिंग, फर्नाईज ब्रीज, गांधी रोड,  
अहमदाबाद, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 10-8-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण  
के दायरें में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या घन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अस्तित्वी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवस्ति :—

1. श्री मोर्झिं भाई मोहम्मदमला, रंगवाला,  
कुल्ली मोहल्ला, नजदीक, दंडिगरा पोल, कालुपुर,  
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. गौरीबेन, देवशंकर जोशी,  
पृष्ठ ० नं० ८०१, वेगाई पाडानी, पोल्ड, खाडिया,  
चार रस्ताके नजदीक,  
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

3. स्वर्गीय श्री चमनलाल हेमराज जोशी,  
रंगवाला ब्रिलिंग, फर्नाईज ब्रीज,  
गांधी रोड, अहमदाबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारोत से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरें अधिकतयों पर सूचना  
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों में  
में किसी अवधि द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अधिकारी द्वारा अधोहस्ताख्यारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 2 वर्ग गज 49 वर्ग यार्ड,  
82 वर्ग यार्ड, ग और 34 वर्ग यार्ड है गो गांधी रोड,  
अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूरा वर्णन अहमदाबाद  
रजिस्ट्रीकर्ता विशेषज्ञ नं० 4842/10-8-81 में दिया गया  
है।

जी० सी० गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज- अहमदाबाद।

तारीख : 8-4-1982

मोहर :

‘राता भाई’ दो एन.एस.-----

नियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

प्रार्थित, महायक आयकर आद्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निदेश मं० पोःआर० नं० 1850--/प्रक्षी/23-१/81-82-

अतः मुझे जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा  
269-वे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 2500, 2501 और 2502 है तथा जो  
भद्र, टेलीग्राफ आफिस, के सामने, अहमदाबाद में स्थित हैं  
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
24-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पापा गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक  
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हर्दौ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(क्ष) प्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 या 11) या उक्त अधिनियम, आ  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
अनुच्छा दे दिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अन्तरण  
रूप, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

21-56 OI/xx2

1. श्री हरीमुद्दीन चंद्रधाई  
जफरिया मसिद के नजदीक

(अन्तर्गत)

- 2 नवरात्रि ट्रेषर्स, प्रा० लिमिटेड  
1161, भद्रके सामने, टेलिग्राफ आफिस के सामने  
अहमदाबाद।  
(1) श्री हरीश भाई राम चन्द्र  
(2) श्री नवनीत लाल एंड कंपनी  
(3) श्री पराग स्टोर्स  
(4) श्री भारतलाल मगनलाल  
(5) श्री करांची स्टोर्स  
(6) श्रो नावनभाई यशराम  
(7) श्रो देवेन्द्र पी० ओझा  
(8) श्री प्रह्लाद पी० ओझा,  
सभी भद्र के सामने, टेलिग्राफ आफिस  
अहमदाबाद।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वश किसी अन्य व्यक्ति हारा अधोदस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### इन सूची

भकान जिसका बुल क्षेत्रफल 96. 24-78, 63-64-58  
और 21-73-94 वर्ग मीटर है जो भद्र अहमदाबाद में स्थित है  
जिसका पूर्ण वर्गन अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रोखत नं०  
10267/24-8-81 में दिया गया है।

जी० सी० गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयवत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज अहमदाबाद।

तारीख : 8-4-1982

मोहर :

प्रलेप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत शरकार

कार्यालय, महाराष्ट्र राज्यका अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निरीक्षण नं ० पी० अर्जन नं ० 1587/गक्ट्री/२३-I/८२-  
८३—धा. मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी ध० नं ० 46/1, 46/2 और 46/4 है, तथा जो  
गांव वालान, गांधी नगर, तालुका में स्थित है (ओर इसमें  
उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण  
अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-8-81

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिती दी गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(१.) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(२.) दामी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या दन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, दिपाने में सुनिधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत : —

1. पंचाल वायुलाल जामलदास  
गांव वावोल, गांधीनगर,  
तालुका ।

(अन्तरक)

2. विनोदचन्द्रा उन्नाराम जोशी,  
मैनरटर नं ० १९, घाट नं ० ९०,  
गांधी नगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीय करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टोकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जमीन जो गांव वावोल, में स्थित है विशेष नं ० १५७७,  
पर सम्पूर्ण वर्णित है में गांधीनगर मब रजिस्ट्रार के कार्यालय  
में तारीख 20-8-1981 में रजिस्ट्री की गयी है ।

जी० सी० गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
महाराष्ट्र आयकर शायकन (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : ८-१-१९८२

संहार :

प्रस्तुप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर संपर्क (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निदेश सं० पी० आर० नं० 1588/एक्वी/23-4/82-  
83-अतः मुझे जी० सी० गर्म

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

श्री जिसकी सं० नं० 176/1, 176/2 और 175 हैं तथा जो  
बाबोल, गांधीनगर, ना० में स्थित हैं (और इसमें उपावड़ अनु-  
सूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय गांधीनगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) बतारण में हूँ इक सी आर० की बाबत उक्त अन्तरण  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दृवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

1. पटेल विट्ठल भाई ब्राह्मण भाई और दूसरे  
गांव बाबोल, गांधीनगर, तालुका ।

(अन्तरक)

2. श्री भवन दाम, ईश्वर नाल श्रमीन,  
सैकटर नं० 19, प्लाट नं० 85 गांधीनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीकारा करता है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के भवधन में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त प्रबंदों और पदां का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

## अनुसूची

जमीन जो गांव बाबोल, में स्थित है बिक्रोखत नं० 1545  
और 1546 सब रजिस्ट्रार गांधीनगर, के कार्यालय में 13-8-81  
में रजिस्ट्री की गयी है ।

जी० सी० गर्म  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भाग 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-व नं० 1 की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

तारीख : 8-4-1982

माहौर ।

प्रस्तुप् भाई. टी. एन. एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1982

निवेश नं. पी० आर० 1589/एक्य०/23-II/81-82  
अतः मुझे, जी० सी० गंगा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि अद्यात्म नम्यति, रजिस्ट्रीडिप्ट दातार मूल्य  
25,000/- रु. ग अधिक है

और जिसकी सं० आर० पृ० 568 (भाग) है तथा जो  
एक्सप्रेस होटल के सामने, नेहरूरोड, बेरोडा में स्थित है (श्रौत  
इससे उपावद्ध अनुसूची में आंग जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बेरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारी) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आद को बोबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा एकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अश्वीन कुमार, गोरखन भाई पटेल, और दूसरे  
75-76, कुन्ज सोमायटी, अलकापुरी,  
बेरोडा ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नीरुबेन, अश्वीन कुमार पटेल,  
ज्योतिबेन दीपक कुमार पटेल  
75-76, कुन्ज सोमायटी, अलकापुरी,  
बेरोडा ।  
(2) ज्योति फैमिली ट्रस्ट,  
(3) नीरु फैमिली ट्रस्ट  
ट्रस्टी : नाकोर भाई छगनभाई पटेल,  
15, मुदा नगर सोमायटी, आर० सी० रोड,  
बेरोडा ।

(अन्तरिती)

क्वे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### मन्त्रसूची

मिलकत पहला, दूसरे और तीसरे मंजिला तीन, विक्रीखत  
पर बेरोडा, सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में अगस्त, 1981 में  
रजिस्ट्री की गयी है ।

जी० सी० गंगा

मक्कम प्राधिकारी:

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 12-4-1982

मोहर :

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.,  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION**

New Delhi, the 14th April 1982

No. A-19021/2/81-AD.V.—The services of Shri S. S Banerjee, IPS (UP-1972) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation Special Police Establishment, EOW : Calcutta Branch have been placed back at the disposal of the Government of Uttar Pradesh w.e.f. from 6-3-1982 afternoon, on repatriation.

**CORRIGENDUM**

No. A-22015/1/81-Adv.—The words ‘on ad-hoc basis’ appearing in the following notifications appointing the officers named against each as Sr. Public Prosecutors on promotion are hereby deleted :—

Notification No. and date	Name of Officer appointed as Sr. Public Prosecutor on promotion.	Date from which promoted as Public Sr. Prosecutor
1. R-S/75-ADV 26-10-76.	Sh. R. S. Jamuar	7-10-1976
2. J-53/67-AD.V. 20-10-76.	Sh. Jawahar Lal	7-10-1976
3. R-4/70-AD.V. 8-12-1976.	Sh. R.K. Banda	8-12-1976
4. C-1/69-AD.V. 18-3-1977.	Sh. C. Sahay	22-7-1977
5. K-8/70-AD.V. 13-4-77.	Sh. K. Jaganmohan Rao	14-3-1977
6. L-1/71-AD.V. 2-2-78.	Sh. Lokendra Singh	3-01-1978
7. K-9/71-AD.V. 9-8-1978.	Sh. K.N. Sharma	6-07-1978
8. S-6/70-AD.V. 4-9-78.	Sh. S.L. Setya	11-8-1978
9. V-4/71-AD.V. 9-5-79.	Sh. V.M. Mahajan	28-8-1978
10. S-164/67-AD.V. 18-9-78	Sh. S.N. Tiwari	28-8-1978

The 15th April 1982

No. PI-37/65-AD.V.—Shri A. D. Chandra, Sr. Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation, EOW, Calcutta, on attaining the age of 58 years, retired from Government service with effect from 31-3-1981 (A.N.).

No. A-20023/6/82-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police Special Police Establishment hereby appoints Shri Gurmukh Singh Tahiliani as Public Prosecutor CBI with effect from 3-3-1982 (Forenoon) in a temporary capacity until further orders.

The 16th April 1982

No. A-19021/8/75-D.V.—The services of Shri Janardan Singh, I.S. (Orissa 1965) who was undergoing training in the 7th Advanced Professional Programme in Public Administration at the IIPA New Delhi are placed back at the disposal of State Government with effect from 31-3-1982 (Afternoon) on completion of his training.

No. A-19021/2/78-AD.V.—The services of Shri S. Ramani, IPS (TN-1970) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Madras Branch are placed back at the disposal of the Government of Tamil Nadu with effect from 1-4-1982 forenoon on repatriation.

No. A-19021/5/82-AD.V.—Consent upon his repatriation from Bharat Heavy Electricals Limited Tiruchirappalli

the President is pleased to appoint Shri R. Ganapathyarpan, Dy. Supdt. of Police, CBI/SPE to officiate as Superintendent of Police in the CBI/SPE in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st April, 1982 until further orders.

No. A-19021/6/82-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri P. D. Ajmera, Deputy Superintendent of Police, CBI/SPE to officiate as Supdt. of Police in the CBI/SPE in a temporary capacity with effect from 3-4-1982 (Afternoon) until further orders.

The 19th April 1982

No. J-4/71-AD.V.—The services of Shri Jackson Jacob, IPS (1959-UP) Dy. Inspector General of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Established are placed back at the disposal of the Government of Uttar Pradesh with effect from 12-4-1982 afternoon, on repatriation.

R. S. NAGPAL  
Administrative Officer (E)  
Central Bureau of Investigation

**DIRECTORATE GENERAL, CRPF**

New Delhi-110066, the 14th April 1982

No. O.II.1601/81-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. S. S. Shankhari GDO Grade-II of 26 Bn CRPF w.e.f. 24-3-82 (A.N.) on expiry of one month notice under rule 5(1) of CCS (TS) Rules 1965.

The 16th April 1982

No. O.II-1575/81-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) Sadhna Gupta as Junior Medical Officer in the CRPF on ad hoc basis with effect from the forenoon of 5-4-82 for a period of three month or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1584/81-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. Tej Singh Vimal, GDO, Grade-II with effect from 3rd April, 1982 (A.N.).

A. K. SURI,  
Assistant Director (Estt.)

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE**

New Delhi-19, the 16th April 1982

No. E-38013(4)/19/81-PERS.—On transfer from Kudremukh, Shri K. A. Beliappa assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, V.P.T. Visakhapatnam with effect from the forenoon of 6th February 1982.

No. E-32015/(1)/3/78-PERS.—On expiry of his term of re-employment Shri Krishnappa V. relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, V.P.T., Visakhapatnam with effect from the forenoon of 1st January 1982.

No. E-16013(2)/1/81-PERS.—On transfer from Durgapur, Shri Udaya Veer, IPS (WL:69) assumed the charge of the post of Commandant, CISF Unit, F.B.P., Farakka with effect from the afternoon of 2nd March 1982.

No. E-38013(4)/19/81-PERS.—On transfer from New Jalpaiguri, Shri K. P. Nayak assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit, R.S.P. Rourkela with effect from the forenoon of 19th February 1982.

No. E-38013(4)/19/81-PERS.—On transfer from Visathanatnam, Shri R. B. Kuruvilla assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, FC, Ramagundam with effect from the afternoon of 9th December 1981, from which date Shri V. N. Tiwari relinquished the charge of the said post on his transfer or deputation to Joint Cipher Bureau, New Delhi.

No. E-38013(4)/19/81-PERS.—On transfer from SHAR Centre, Shri S. Thangaraj assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, KIOCL, Kudremukh with effect from the afternoon of 25th January 1982 (ice

Shri K. A. Belliappa, who on transfer to Visakhapatnam relinquished the charge of the said post from the same date.

SURENDRA NATH,  
Director General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 15th April 1982

No. 11/3/81-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 22-4-1981, the President is pleased to appoint Shri V. M. Deole, an Officer belonging to the Maharashtra Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Bombay, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a further period upto the 30th September, 1982.

2. The headquarters of Shri Deole will be at Bombay.

3. The services of Shri Deole may be terminal at any time before 30-9-1982 at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

The 16th April 1982

No. 11/1/80-Ad.I.—Consequent on his appointment to the post of Deputy Secretary in the Planning and Economic Affairs Department of the Government of Kerala, the services of Shri K. S. Vellodi an officer of the State Govt. of Kerala, at present working as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Kerala are placed at the disposal of the State Government of Kerala with effect from the afternoon of the 20th March, 1982.

P. PADMANABHA.  
Registrar General.

MINISTRY OF LABOUR  
LABOUR BUREAU

Simla-4, the 7th May 1982

No. 23/3/82-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 deer ased by one point to reach 457 (Four Hundred and Fifty Seven) during the month of March, 1982. Converted to Base : 1949=100 the index for the month of March, 1982 works out to 555 (Five hundred and fifty five).

A. S. BHARADWAJ,  
Director,  
Labour Bureau, Simla-4.

MINISTER OF FINANCE  
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)  
(CURRENCY NOTE PRESS)

Nasik Road, the 11th April 1982

No. 177-N/5.—The General Manager, Currency Note Press, Nasik Road is pleased to appoint Shri V. N. Zadbuke, Inspector Control Currency Note Press to the post of Deputy Control Officer in Currency Note Press on purely *ad hoc* basis from 5-4-1982 to 8-5-1982.

S. D. IDGUNJI,  
General Manager,  
Currency Note Press

INDIA SECURITY PRESS, NASIK ROAD

Nasik Road, the 15th April 1982

No. 2492/A.—In continuation of Notification No. 192/A dated 27-4-81 and No. 99/A dated the 10-4-81 the *ad hoc* appointment of S/Shri G. A. Pagare and T. V. Ulahannan, as Security Officer, India Security Press, Nasik Road, are extended up to 31-3-1982, on the same terms and conditions or till the post are filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. 2494/A.—In continuation of Notification No. 593 A dated 19-6-81, the *ad hoc* appointment of Shri S. A. Khan

as Deputy Control Officer, India Security Press, Nasik Road, is extended upto 31-3-1982, on the same terms and conditions or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

P. S. SHIVARAM,  
General Manager,  
India Security Press

MINISTRY OF DEFENCE  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE  
(ORDNANCE FACTORY BOARD)

Calcutta-16, the 14th April 1982

No. 14/G/82.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri Sujit Chandra Chakraborty, Offg. Asstt. Manager (Subst. Foreman) retired from service w.e.f. 31st December, 1981 (A.N.).

No. 15/G/82.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri N. C. Ghosh, Offg. Asstt. Manager (Subst. Foreman) retired from service w.e.f. 28th February, 1982 (A.N.).

V. K. MEHTA,  
Assistant Director General,  
Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE  
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS  
AND EXPORTS

New Delhi, the 17th April 1982

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 1/1/82-ADMN.(G) 2427.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Malhotra, a permanent Assistant who has been approved for inclusion in the Select List of Section Officer's Grade for the year 1980 as Controller of Imports and Export in this office on a regular basis with effect from 20th February, 1982 (F.N.).

2. The appointment of Shri Malhotra to the post of Controller of Imports and Exports is subject to the results of the C.W.P. No. 1194/78 pending in the Delhi High Court.

J. K. MATHUR,  
Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY  
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 14th April 1982

No. 12(496)/65-Admn.(G)-VOL.II.—The President is pleased to allow Shri B. K. Shenoy, Deputy Director (Industrial Management & Training) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, to retire voluntarily from Government Service with effect from the afternoon of 31st March, 1982, in terms of F.R. 56(K).

No. A.19018(539)/81-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri G. N. Azza as Deputy Director (Mechanical) at Branch Small Industries Service Institute, Shillong with effect from the forenoon of 1-2-1982 until further orders.

The 19th April 1982

No. A.19018.292/77-Admn.(G).—On the expiry of the tenure of deputation and on the expiry of 106 days Earned Leave from 1-10-82 to 14-1-82 the services of Shri Jai Singh,

Deputy Director, Small Industries Service Institute, New Delhi, has been placed at the disposal of his parent Department i.e. Ministry of Agriculture (Department of Food), New Dehli.

No. A.19018(536)/81-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. G. Raoot as Asstt. Director (Gr. I) (Mechanical) at Small Industries Service Institute, extension Centre, Jorhat, under Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the forenoon of 19-2-82 until further orders.

C. C. ROY,  
Deputy Director (Admn.)

**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS  
(ADMINISTRATIVE SECTION A-6)**

New Delhi-110 001, the 17th April 1982

No. A-17011/212/82-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri Darshan Singh Examiner of Stores (Engg.) in the Office of Director of Inspection, Bombay to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the same Office with effect from the afternoon of 23rd March, 1982 and until further orders.

N. M. PERUMAL.  
Deputy Director (Administration)

**ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA  
(KHAN VIBHAG)  
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA**

Calcutta-700016, the 8th April 1982

No. 2539B/A-32013(AO)/78-80/19A.—The following Superintendents, Geological Survey of India are appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the date shown against each, until further orders.

Sl. No.	Name and Date of Appointment
1.	Shri Amal Kanti Bhattacharya—15-2-1982 (F.N.)
2.	Shri S. N. Thakur—17-2-1982 (F.N.).

The 12th April, 1982.

No. 2555B/A-32013(AO)/78-80/19A.—The following Superintendents, Geological Survey of India are appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the date shown against each, until further orders.

Sl. No.	Name	Date of appointment
1.	Shri Dipak Deb	15-2-1982(FN)
2.	Mrs. Ira Bose	27-2-1982(FN)
3.	Shri Bires Mukherjee	27-2-1982(FN)
4.	Shri M.K. Ganguly	15-3-1982(FN)

No. 2573-B/A-32014 (2-OS)/81/19B.—The adhoc promotion of the following officers to the post of officer surveyor in the Geological Survey of India are regularised with effect from the dates shown against each.

Name	Date of regularisation
1. Shri H. M. Shome	1-1-1982
2. Shri A.B. Naha	Do.

Name	Date of regularisation
3. Shri A.N. Halder	1-1-1982
4. Shri N.C. Talukdar	Do.
5. Shri T.K. Guha	Do.
6. Shri R.C. Paul	Do.

No. 1801/D/A-32013(4-Driller)/78-19B.—The following Senior Technical Assistants (Drilling) in the Geological Survey of India are appointed on promotion to the post of Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the date as mentioned against each, until further orders.

Sl. No.	Name	Date of joining
1.	Shri C.D. Roy	3-3-1982(F.N.)
2.	Shri R.K. Gupta	5-2-1982(F.N.)

No. 1813D/A-19012(1-SKG)/81/19.—Shri Samir Kumar Ghosh is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 20-1-82, until further orders.

J. SWAMI NATH,  
Director General

**ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA**

New Delhi-11, the 1st May 1982

No. 11/2/82-M.—In exercise of the powers conferred under the Rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules 1959, J. M.D. Khare, Director (Monuments), hereby direct that no fee shall be charged for entry to monuments at Rajagiri Hill, Gingee, South Arcot District, Tamilnadu for a period of 10 days from 3-5-82 to 12-5-82 (both days inclusive) on account of annual festival of Devi Kamalakkanniamman.

M. D. KHARE,  
Director (Monuments)

**DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO**

New Delhi, the 13th April 1982

No. 2/2/78-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri L. V. Aswani, Accountant, All India Radio Bhopal to officiate as Administrative Officer on an ad-hoc basis at All India Radio, Rajkot with effect from 1-4-82 (F.N.).

No. 4/1/82-SH.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri D. R. Nag, Senior Hindi Officer Translator, Hindi Unit, Directorate General, All India Radio, as Hindi Officer on deputation in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis with effect from 31-3-82 (F.N.) in the Office of Station Director, All India Radio, New Delhi.

The 15th April 1982

No. 9/10/82-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri M. K. Sinha, Senior Stenographer, NSD, All India Radio, New Delhi to officiate Reporter (Monitoring), NSD, All India Radio, New Delhi with effect from 15-3-82 (F.N.).

No. 9/11/82-PP.—The Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri R. B. Prasad, Senior Stenographer,

News Services Division, All India Radio, New Delhi to officiate as Reporter (Monitoring) in News Services Division, All India Radio, New Delhi with effect from 17-3-1982 (FN).

No. 9/12/82-SII.—The Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri Jagir Lal, Senior Stenographer, News Services Division, All India Radio, New Delhi to officiate as Reporter (Monitoring) in News Services Division, All India Radio, New Delhi with effect from 17-3-1982 (FN).

S. V. SESHADRI,  
Deputy Director Administration  
for Director General

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING**  
**FILMS DIVISION**

Bombay-26, the 7th April 1982

No. A-24013/6/80-Est.I.—In continuation of this office notification of even No. dated the 9th January, 1981 Shri S. A. Naik, officiating Branch Manager, Films Division, Bombay was allowed to continue in the same capacity beyond 24th January, 1981 to 31st January 1981 vice Shri P. S. Rawtel, Branch Manager granted extension of leave.

The 13th April 1982

No. A19012/2/82-Est.I.—Shri H. R. Shivashankara Rao, Pay and Accounts Officer, Central Electricity Authority, Ministry of Energy, Department of Power, Bangalore has been appointed to officiate as Accounts Officer in the Southern Regional Production Centre of Films Division, Bangalore on deputation basis for a period of two years with effect from the forenoon of 18th March, 1982.

S. K. ROY,  
Administrative Officer,  
for Chief Producer

**DIRECTOR GENERAL OF HEALTH SERVICES**

New Delhi, the 15th March 1982

No. A.12026/34/79-NMFP/Admn.I.—Consequent on his reversion to his parent Department i.e. Director General of Supply & Disposal, New Delhi, Shri H. P. Nagarejappa relinquished the charge of the post of Deputy Assistant Director (Stores) in the National Malaria Eradication Programme, Directorate, Delhi, with effect from 31-12-1981 (A.N.).

No. A.11011/13/81-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri C. R. Pathak to the post of Stores Officer, at Lady Hardinge Medical College & Smt. S. K. Hospital, New Delhi, on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 1st February 1982 and until further orders.

T. C. JAIN,  
Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 17th April 1982

No. A.32014/3/78-SI.—The President is pleased to appoint Shri R. Nagarajan to the post of Factory Manager, Government Medical Store Depot, Madras on an ad-hoc basis, with effect from the forenoon of 23rd March, 1982 and until further orders.

SHIV DAYAL,  
Deputy Director Administration (Stores)

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY**  
**POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION**

Bombay-5, the 12th April 1982

No. PPED/3(262)/78-Est.I/4852.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri A. H. Punwani a permanent Selection Grade Clerk of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 29, 1982 to the afternoon of April 28, 1982 vice Shri P. G. Menon, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

No. PPED/3(283)/76-Est.I/4864.—Reference is invited to this office notification dated March 22, 1982 appointing Shri B. M. Ganatra, a permanent Accountant and officiating Assistant Accounts Officer in this Division as Accounts Officer-II with effect from February 12, 1982. Shri Ganatra, Accounts Officer-II stands reverted as Assistant Account's Officer with effect from the afternoon of March 25, 1982.

No. PPLD/3(283)/76-Est.I. 4865.—Reference is invited to this office notification dated March 22, 1982 appointing Shri D. L. Gavankar, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant in this Division as Assistant Accounts Officer with effect from the forenoon of February 12, 1982. Shri Gavankar, Assistant Accounts Officer stands reverted as Assistant Accountant with effect from the afternoon of March 25, 1982.

V. BAJPAI  
General Administrative Officer

**DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES**

Bombay-400001, the 14th April 1982

No. DPS/2/1(5)/77-Adm./9367.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri S. R. Vaidya, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer (Ad-hoc) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from January 20, 1982 (FN) to February 22, 1982 (AN) vice Shri M. K. John, Assistant Stores Officer granted leave.

B. G. KULKARNI  
Assistant Personnel Officer

**TARAPUR ATOMIC POWER STATION**

Thane-401504, the 14th April 1982

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station appoints Shri K. C. Sharma, a permanent Upper Division Clerk officiating Assistant Accountant in Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960, in the Tarapur Atomic Power Station with effect from the forenoon of March 22, 1982, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN  
Chief Administrative Officer

**DEPARTMENT OF SPACE**

**SPACE APPLICATIONS CENTRE**

Ahemadabad-380053, the 12th April 1982

No. EST/3.20/81.—The Director, SAC, is pleased to appoint Shri D. I. Joshi as Scientist/Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre of Department of Space, with effect from the forenoon of October 1, 1981.

C. R. SHAH  
Administrative Officer-II

**MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION**

New Delhi, the 1st April 1982

No. A. 35017/1/81-E.I.(VF).—The President is pleased to extend the deputation of Shri Bhawani Mal, I. P. S. (Raj. 1950) as Director of Civil Aviation Security in Civil Aviation Department for a further period from 27-11-81 to 22-2-1982 in the time scale of Rs. 2500-125/-2750.

M. SURYANARAYANA  
Under Secy.

New Delhi-3, the 14th April, 1972

No. A. 32014/5/81-E.I.—The Director General of Meteorology hereby appoints the undermentioned Professional Assistants, India Meteorological Department, as Assistant Meteorologists, in an officiating capacity in the same Department with effect from the dates mentioned against their names and until further orders:—

S. No.	Name	Date of assumption of charge as Assistant Meteorologist.
1.	Shri B.T. Chakraborty	22-1-1982
2.	Shri R. Varadarajan	Do.
3.	Shri P.D. Mishra	Do.
4.	Shri A.D. Banerjee	Do.
5.	Shri K.G. Malhotra (Foreman)	Do.
6.	Shri T.K. Bharathan (Foreman)	Do.
7.	Shri P.S. Nayar	Do.
8.	Shri S.K. Bagchi	Do.
9.	Shri J. M. Moolchandani	1-3-1982
10.	Shri G.S. Bais	11-3-1982
11.	Shri W.M. Shrestha	1-3-1982
12.	Shri Ishar Dass	22-1-1982
13.	Shri P.V. Pillai	Do.
14.	Shri A.K. Dutta	2-2-1982
15.	Shri S. Das Sarma	22-1-1982
16.	Shri S. Govindacharya	25-1-1982
17.	Shri R.R. Balwalli	22-1-1982
18.	Shri B.G. Jadhav (Foreman)	Do.
19.	Shri V.P. Abhyankar	Do.
20.	Shri S.A. Sirajullah	Do.
21.	Shri S.D. Puri	8-3-1982
22.	Shri V. Balasubramanian	22-1-1982
23.	Shri C.G. Rahalkar	Do.
24.	Shri A.K. Seth	Do.
25.	Shri R.R. Wagholicar	22-1-1982
26.	Shri V.K. Puthoor	28-1-1982
27.	Shri G.V. Mallan	22-1-1982
28.	Shri P.B. Haldar	Do.
29.	Shri K. Shanmugam	4-2-1982
30.	Shri BC. Biswas	27-1-1982
31.	Shri A.R. Haldar	22-2-1982
32.	Shri M. Shankar	22-1-1982
33.	Shri D.K. Mondal	Do.
34.	Shri C.P. Thorat	Do.
35.	Shri D.M. Patel	28-1-1982
36.	Shri B.P. Tokam	22-1-1982
37.	Shri L.P. Pawar	Do.
38.	Shri V.G. Kowale	Do.

K. MUKHERJEE)  
Meteorologist (Establishment)  
for Director General of Meteorology

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 2nd April 1982

No. A-31013/1/81-EI.—The President is pleased to appoint Shri N. S. Kumaraswamy in the grade of Deputy Director (Traffic & Examination) in the Civil Aviation Department in a substantive capacity with effect from 7-3-1981.

The 7th April 1982

No. A. 32013/7/79-EI.—The President is pleased to continue the ad hoc appointment of S/Sh. B. K. Gandhi and 22—56GI/82

J. S. Chauhan in the grade of Scientific Officer beyond 29-10-1981 and upto 31-5-1982 or till the regular appointments to the grade are made whichever is earlier.

The 13th April 1982

No. A-32013/5/81-EL.—The President is pleased to continue the ad hoc appointment of S/Shri V. N. Kapur and R. V. Ranadive in the grade of Deputy Director General of Civil Aviation beyond 12-1-1982 and 15-11-81, respectively. The President is also pleased to appoint S/Shri V. N. Kapur and R. V. Ranadive in the grade as Deputy Director General on a regular basis with effect from 19-1-1982 until further orders.

The 14th April 1982

No. A-32013/7/82-E.I.—The President is pleased to appoint Shri M. M. Simon, Controller of Aerodromes, Madras to the grade of Director of Aerodromes, Madras on an ad hoc basis with effect from 5-4-1982 and upto 31-8-1982 or till the regular appointment to the grade is made, whichever is earlier.

S. GUPTA  
Deputy Director of Administration.

New Delhi, the 15th April 1982

No. A. 12025/1/81-EC.—The President is pleased to appoint Shri Arun Kumar as Technical Officer w.e.f. 29-1-82 (FN) in the Aero. Comm. Organisation of the Civil Aviation Department and to post him in the office of the Aero. Comm. Stn. Palam, New Delhi until further orders.

PREM CHAND  
Assistant Director (Admn.)

#### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Baroda, the 3rd February 1982

No. 1/1982.—Shri C. P. Dessi, Superintendent Central Excise, Group 'B' Central Excise, Bulsar retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-11-1981.

No. 2/82.—Shri N. M. Dessi, Assistant Collector of Central Excise, Group 'A' Surat Division-III retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-12-1981.

No. 3/82.—Shri C. C. Diwanji, Examiner (Audit) of Central Excise, Group 'B' Hdqrs. Office, Baroda retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-12-1981.

The 31st March 1982

No. 4/82.—Shri Gurbachan Singh, Assistant Collector of Central Excise, Group 'A' Surat, Divn. I retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 28-2-1982.

J. M. VERMA  
Collector of Central Excise,  
Baroda.

#### DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT

##### CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 14th April 1982

No. 6/82.—Shri Phool Chand lately posted as Assistant Collector, Central Excise, Delhi on Transfer to the Headquarters office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs & Central Excise, vide Ministry of Finance, Department of Revenue order No. 18/82 (F. No. A-22012/10/82-Ad.II) dated 17-2-82 assumed charge of the post of Assistant Director Group 'A' w.e.f. 29-3-82 (forenoon).

No. 7/82.—Shri M. Chakraborty lately posted as Assistant Collector, Central Excise Calcutta on Transfer to the East Regional Unit of the Directorate of Inspection and Audit, Customs & Central Excise vide Ministry of Finance, Department of Revenue order No. 27/82 (F. No. A-22012/10/82-Ad.II) dated 6-3-1982 assumed charge of the post of Assistant Director Group 'A' w.e.f. 29-3-82 (forenoon).

S. B. SARKAR  
Director of Inspection.

**CENTRAL WATER COMMISSION**

New Delhi, the 16th April 1982

No. A-42016/1/80-Adm.IV/E.I.—Chairman, CWC, extends the ad-hoc appointment of the undermentioned officers to the post of Extra Assistant Director (Hydromet) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a further period upto 31-7-82 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

1. Shri F. C. Singla
2. Shri A. K. Aggarwal
3. Shri P. K. Gupta
4. Shri Anand Parkash

No. A-43016/1/80-Admn.IV/E.I. (a).—Chairman, CWC extends the ad-hoc appointment in respect of the following officers to the post of FAD (Hydromet) in the scale of pay c' Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a further period of 6 months beyond 28-2-82 i.e. upto 31-8-82 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

1. Shri D. S. Madaan
2. Shri A. P. Khanna
3. Shri Vinod Kaul
4. Shri S. Venkataraman
5. Shri L. P. Bhuyan
6. Shri Ravinder Saxena

K. L. BHANDULA  
Under Secy.

**CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY**

New Delhi, the 12th April 1982

No. 22/6/81-Admn.I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints the undermentioned Technical Assistants and Supervisors to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority, in an officiating capacity, with effect from the dates indicated against each, until further orders:—

Sl. No.	Name of Officers	Date of taking over Charge
1.	Shri R.K. Jain . . . . .	26-2-1982(FN)
2.	Shri S.K. Srivastava . . . . .	1-3-1982(FN)
3.	Shri M.K. Baig . . . . .	3-3-1982(FN)
4.	Shri D. Lahiri . . . . .	5-3-1982(FN)
5.	Shri Mehd. Muazzam . . . . .	8-3-1982 FN)
6.	Shri D.K. Mitra . . . . .	8-3-1982(FN)

S. BIWWAS, Under Secy.

**MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD  
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES**

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Hoysala Electronics Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 2nd March 1982

No. 3312/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Hoysala Electronics Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Superior Oxygen Limited*

Bangalore-56009, the 2nd March 1982

No. 2209/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Superior Oxygen Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Bangalore Cinematographic Indo Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 2nd March 1982

No. 2522/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Bangalore Cinematographic Indo Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Ciers Research & Consultancy Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 2nd March 1982

No. 3159/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Ciers Research & Consultancy Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. MMACSR Conductors Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 2nd March 1982

No. 3005/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. MMACSR Conductors Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Gotawat Conductors Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 2nd March 1982

No. 3006/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Gotawat Conductors Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Gojer & Company Engineers & Manufacturers  
Private Limited*

Bangalore-56009, the 2nd March 1982

No. 3432/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name of M/s. Gojer & Company Engineers & Manufacturers Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. G. V. Chemicals Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 2nd March 1982

No. 2454/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. G. V. Chemicals Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Cauvery Fertilizers & Chemicals Private Ltd.*

Bangalore, the 2nd March 1982

No. 3296/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Cauvery Fertilizers & Chemicals Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Fatheysons Private Ltd.*

Bangalore, the 2nd March 1982

No. 2262/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Fatheysons Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Rajahans Papers Private Ltd.*

Bangalore, the 2nd March 1982

No. 2794/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Rajahans Papers Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Hexagon Construction Company Private Ltd.*

Bangalore, the 2nd March 1982

No. 2964/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Hexagon Construction Company Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Bellary Minerals Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 2nd March 1982

No. 1992/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Bellary Minerals Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Priya Investment Private Ltd.*

Bangalore, the 2nd March 1982

No. 3756/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Priya Investment Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Sun (Chem. Eng.) Industries Private Ltd.*

Bangalore, the 2nd March 1982

No. 3082/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Sun (Chem. Eng.) Industries Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Sudhodhara Trading & Chit Funds Private Ltd.*

Bangalore, the 2nd March 1982

No. 2292/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Sudhodhara Trading & Chit Funds Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Rayyone Pharma Private Ltd.*

Bangalore, the 2nd March 1982

No. 1636/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Rayyone Pharma Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Amalgamated Builders Private Ltd.*

Bangalore, the 2nd March 1982

No. 2788/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Amalgamated Builders Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Bidar Chemicals Private Ltd.*

Bangalore, the 2nd March 1982

No. 2720/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bidar Chemicals Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Tolani Garments Industries Private Ltd.*

Bangalore, the 2nd March 1982

No. 2587/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Tolani Garments Industries Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Sri Vinayaka Mills Ltd.*

Bangalore, the 2nd March 1982

No. 650/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sri Vinayaka Mills Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Shri Shivarudreshwar Chemicals Industries Private Ltd.*

Bangalore, the 2nd March 1982

No. 1972/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act,

1956, that the name of Shri Shivarudreshwar Chemicals Industries (P) Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Sri Vina Maheshwara Trading & Chit Funds (P) Ltd.*

Bangalore, the 2nd March 1982

No. 1633/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sri Vina Maheshwara Tradnig & Chit Funds (P) Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Vajra Dairy Farming Company Private Ltd.*

Bangalore, the 2nd March 1982

No. 2948/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Vajra Dairy Farming Company Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Sri Venkateswara Estates Enterprises Private Ltd*

Bangalore, the 2nd March 1982

No. 3446/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sri Venkateswara Estates Enterprises Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

P. T. GAJWANI  
Registrar of Companies,

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
The Institute of Book-Keepers of India Private Limited*

New Delhi, the 8th April 1982

No. 4545/5822.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the The Institute of Book Keepers of India Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved,

SATYENDRA SINGH  
Asstt. Registrar of Company  
Delhi & Haryana

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Coramandal Aquatic Private Limited*

Hyderabad-500001, the 15th April 1982

No. 9U/TA1/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Coramandal Aquatic Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Sree Navayuga Films Private Limited*

Hyderabad-500001, the 15th April 1982

No. 1157/TA1/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sree Navayuga Films Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU  
Registrar of Companies  
Andhra Pradesh, Hyderabad.

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 14th April 1982

Ref. No. AR-3/2020/81-82.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 171, Falni No. 6(pt), New Hissa No. 6 (pt) & City S. No. 1942 to 1954 & 1954A situated at Ghatkopar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 31-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Dharamdas Jadhavji Shah & Ors. (Transferor)
- (2) Kirti Vihar Co-op Housing Society Ltd. (Transferee)
- (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Scheduled as Mentioned in the Registered deed No. R-5081/12 and the same is registered with Sub-Registrar, Bombay on 31-8-1981.

SUDHAKAR VARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-4-1982  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**  
**COMMISSIONER OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE, JALANDHAR**

Jalandhar, the 3rd April 1982

Ref. No. A.P. No. 3111.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on August, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Jagdish Parashad  
 S/o Shri Banarsi Dass  
 R/o Kapurthala.

(Transferor)

(2) Smt. Satnam Kaur  
 W/o Shri Satinder Singh  
 R/o H. No. 133 Moh. Kishanpura,  
 Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

House No. 57-A, Gopal Park near Randhir Hostel, Kapurthala as mentioned in the Registration sale deed No. 1530 of August, 1981 of the Registering Authority, Kapurthala.

K. K. MITTAL  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 3-4-1982  
 Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 3rd April 1982

Ref. No. A.P. No. 3112.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Raghbir Singh Manchanda  
S/o Shri Shiv Ram Singh,  
Kothi No. C-17, Rajori Garden,  
New Delhi  
Self and G.A. of Smt. Naranjan Kaur and  
Smt. Rattan Kaur, Sisters and  
Shri Nanak Singh  
S/o Smt. Dharam Kaur (Nephew)

(Transferor)

(2) Shri Teja Singh  
S/o Wattan Singh  
R/o Moh. Paramjit Ganj,  
Near State Gurdwara,  
Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per St. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. B-XXXVII/35-A, Moh. Paramjit Ganj Opp. Civil Hospital, Kapurthala as mentioned in the Registration sale deed No. 1646 of August 1981 of the Registering Authority, Kapurthala.

K. K. MITTAL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 3-4-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 27th March 1982

Ref. No. A.P. No. 3113.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on August, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Dwaraka Nath  
S/o Shri Kanshi Ram  
R/o Mall Road, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Parshad Gupta  
S/o Shri Munshi Ram Gupta,  
Hoshiarpur.  
Now Post Box No. 3107  
Behind Bristol Hostel, Kuwait.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Plot 2 kls 5 mls at Mall Road, Hoshiarpur and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2555 dated 28-8-1981 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

K. K. MITTAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 27-3-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE JALANDHAR  
Jalandhar, the 3rd April 1982

Ref. No. A.P. No. 3114.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Hadia Bad Teh. Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Janak Dulari  
Wd/o Shri Bajrangbali  
R/o Hadia Bad, Teh. Phagwara. (Transferor)
- (2) S/Shri Surjeet Kumar, Prem Kumar  
Ss/o Shri Nazar Ram  
R/o Hadia Bad, Teh. Phagwara. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person whom the undersigned knows)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land measuring 8 K-0 M Kh. No. 833 situated in V. Hadia Bad, Teh. Phagwara as mentioned in the Registration sale deed No. 1236 of August, 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

**K. K. MITTAL**  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—56GI/82

Date : 3-4-1982  
Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE, JAI ANDHAR**

Jalandhar, the 3rd April 1982

Ref. No. A.P. No.3115.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Hadia Bad, Teh. Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (1) Smt. Janak Dulari  
Wd/o Shri Bajrang Bali  
R/o Hadia Bad, Teh. Phagwara. (Transferor)
- (2) S/Shri Surinder Kumar and Brij Lal  
S/o Shri Nazar Ram  
R/o Hadia Bad, Teh. Phagwara. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land 8K-9M, Kh. No. 832 situated in Hadia Bad Teh. Phagwara as mentioned in the Registration sale deed No. 1237 of August 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

**K. K. MITTAL**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 3-4-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Parmod Kumar  
S/o Shri Bajrang Bali  
R/o Hadia Bad, Teh. Phagwara.

(Transferor)

(2) Smt. Swarni  
W/o Shri Nazar Ram  
R/o Hadia Bad, Teh. Phagwara,

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows  
to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 3rd April 1982

Ref. No. A.P. No. 3116.—Whereas, I, K. K. MITTAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Hadia Bad, Teh. Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land Measuring 7 K-1 M. Kh. No. 829/2 situated at Hadia Bad, Teh. Phagwara as mentioned in the Registration sale deed No. 1238 of August 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

K. K. MITTAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 3-4-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 3rd April 1982

Ref. No. A.P. No. 3117.—Whereas, I, K. K. MITTAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Hadia Bad, Teh. Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Parmod Kumar  
S/o Shri Bajrang Bali  
R/o Hadia Bad, Teh. Phagwara.  
(Transferor)
- (2) Smt. Swarni  
W/o Shri Naar Ram  
R/o Hadia Bad, Teh. Phagwara.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land measuring 4K-0M Kh. No. 830 situated at Hadia Bad, Teh. Phagwara as mentioned in the Registration sale deed No. 1548 of September, 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

**K. K. MITTAL,**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 27th March 1982

Ref. No. A.P. No. 3118.—Whereas, I, K. K. MITTAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Paramjit Kaur  
W/o Shri Gurbax Singh  
R/o Nanu Mazara, Teh. Phagwara.  
(Transferor)
- (2) Smt. Nasib Kaur  
W/o Shri Lachhman Singh  
R/o Nangal Majhu Teh. Phagwara.  
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

‡ Share of House No. B-XX 145 and persons mentioned in the Registration sale deed No. 1367 of August 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

K. K. MITTAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 27.3.1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR**

Jalandhar, the 27th March 1982

Ref. No. A.P. No. 3119.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that this consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Gurbax Singh  
S/o Shri Gurdit Singh  
R/o Nanu Mazara, Teh. Phagwara, (Transferor)
- (2) Smt. Gurdev Kaur  
W/o Shri Jarnail Singh  
R/o Nangal Majha Teh. Phagwara, (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

### THE SCHEDULE

1.2 Share of House No. B-XX/145 and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1368 of August 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

K. K. MITTAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-3-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 29th March 1982

Ref. No. A.P. No. 3120.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Ajimgarh, Teh. Fazilka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Abohar on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

60—36GT/82

(1) Dr. Subhash Chander  
S/o Shri Raghu Nath Mishra  
R/o Abohar,  
Now Opp. Head Post Office,  
Gandhi Nagar Basti (U.P.)

(Transferor)

(2) Dr. Subhash Chander Chugh  
S/o Shri Des Raj  
R/o Gaushala Raod, Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House Kh. No. 1227/2, Ajimgarh and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2188 of September, 1981 of the Registering Authority, Abohar.

K. K. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar,

Date : 29-3-1982

Seal :

**FORM LT.N.S.—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd April 1982

Ref. No. A.P. No. 3121.—Whereas, I, K. K. MITTAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Mandi Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Abohar on October, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Dhal Chand  
S/o Shri Kalu Ram  
R/o Old Fasilka Road,  
Abohar.

(Transferor)

(2) Smt. Sakuntla Devi  
Wd/o Shri Prithi Raj  
R/o Gali No. 1-A,  
Abohar.

(Transferor)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned know,  
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDEULE**

62/125 share of House Kh. No. 284 (288-8) as mentioned in the Registration sale deed No. 2306 of October, 1981 of the Registering Authority, Abohar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. K. MITTAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd April 1982

Ref. No. A.P. No. 3122.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Mandi Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Abohar on October, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Ganpat Rai  
S/o Shri Kalu Ram  
R/o Industrial Area,  
Sriganga Nagar.  
(Transferor)
- (2) Shri Brij Lal  
S/o Narsingh Dass,  
Smt. Birma Devi  
W/o Shri Brij Lal,  
Shri Inder  
S/o Shri Brij Lal,  
Shri Kundan Lal  
S/o Shri Prem Chand  
R/o Gali No. 1-A, Abohar.  
(Transwercee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

62/125 Share of House, Kh. No. 284 (288-8) as mentioned in the Registration sale deed No. 2341 of October, 1981 of the Registering Authority, Abohar.

K. K. MITTAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
24-56GI/82

Date : 3-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd April 1982

Ref. No. A.P. No. 3123.—Whereas, I, K. K. MITTAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Mandi Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

(1) Smt. Gita Devi  
D/o Smt. Kamala Devi  
Wd/o Shri Kalu Ram  
R/o Railway Road,  
Hapur Distt. Ghaziabad (U.P.)  
through Ganpat Rai  
S/o Shri Kalu Ram  
R/o Sriganga Nagar.

(Transferor)

(2) Smt. Sakhuntla Devi  
Wd/o Shri Prithi Raj  
Shri Brij Lal  
S/o Shri Narsingh Das,  
Smt. Birma Devi  
W/o Shri Brij Lal.  
Shri Inder  
S/o Shri Brij Lal and  
Shri Kundan Lal  
S/o Shri Prem Chand  
R/o Gali No. 1-A, Mandi Abohar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/125 Share of House, Kh. No. 284 (288-8) as mentioned in the Registration sale deed No. 3154 of January, 1982 of the Registering Authority, Abohar.

K. K. MITTAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 3-4-1982

Seal :

**FORM I.T.N.S.****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR**

Jalandhar, the 31st March 1982

Ref. No. A.P. No. 3103.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at V. Khurla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on August, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kartar Sandhu  
W/o Shri Kundan Singh  
R/o V. Khurla Teh. Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shri Karnail Singh  
S/o Shri Sadhu Singh  
R/o Village Kot Kalan,  
Tehsil Jalandhar. (Transferor)
- (3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property Land measuring 14 Kls. & Mls. situated at Village Khurla Tehsil Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 3663 of August, 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

K. K. MITTAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 31-3-1982  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JALANDHAR**

Jalandhar, the 31st March 1982

Ref. No. A.P. No. 3104.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Nangali Viran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sudershan Jindal  
W/o Shri Ram Sarup  
R/o 13A, Old Jawaahar Nagar,  
Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Manohar Singh (HUF)  
S/o Shri Kishan Singh and  
Shri Gurdarshan Singh  
S/o Shri Manohar Singh  
R/o 365 R, Model Town,  
Jalandhar and  
Shri Amrik Singh (HUF)  
S/o Shri Devinder Singh  
R/o 347 R, Model Town,  
Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property Land measuring 3K-7M-236 Sq. ft. situated at V. Nangli Viran Tehsil Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 3443 of August, 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

K. K. MITTAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 31-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 31st March 1982

Ref. No. A. P. No./3105.—Whereas, I,  
**K. K. MITTAL**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Nangali Viran, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on **Aug. 1981**

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Sudershan Jindal W/o Shri Ram Sarup R/o 13A, Old Jawahar Nagar, Jalandhar.  
 (Transferor)

(2) Shri Manohar Singh, HUF S/o Shri Kishan Singh & Sh. Gurdarshan Singh S/o Sh. Manohar Singh R/o 365, R. Model Town, Jalandhar and Sh. Amrik Singh HUF S/o Sh. Devinder Singh R/o 347 R. Model Town, Jalandhar.

(Transferee)

(3) as s. no. 2 above.  
 (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property Land measuring 3K-7M-236 Sq. ft. situated at V. Nangli Viran Tehsil Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 3444 of August, 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

**K. K. MITTAL**  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 31-3-1982  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Major Kanwal Singh S/o Maj. Gen. Gurdip Singh  
R/o V. Wadala, Tehsil Jalandhar.  
(Transferor)

(2) Shri Kartar Singh S/o Sh. Achhar Singh, Sh.  
Mehanga Ram S/o Sh. Lugga Ram, Sh. Bashamber Nath S/o Sh. Lada Ram and Sh. Som Datt  
S/o Sh. Wakil Chand R/o Abad Pura, Jalandhar.  
(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 3rd April 1982

Ref. No. A. P. No./3106.—Whereas, I,  
K. K. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Nangali Viran, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Aug 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property land measuring 3 Kls. & 10 Mls. situated at V. Khurla Tehsil Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 3499 of August, 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

K. K. MITTAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-4-82.  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shrimati Rajinder Dhillon Wd/o Sh. Gurdip Singh R/o V. Khurla, Tehsil Jalandhar.  
(Transferor)
- (2) Shri Sat Pal S/o Sh. Rulda Ram, Lal Chand S/o Sh. Kalu Ram, and Ashok Kumar, Krishna Kumar ss/o Sh. Gurudatt R/o Jalandhar.  
(Transferee)
- (3) as s. no. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 3rd April 1982

Ref. No. A. P. No./3107.—Whereas, I,  
K. K. MITTAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. as per schedule situated at V. Khurla  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer  
at Jalandhar on Aug. 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of the publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in the  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land measuring 3 Kls. & 10 Mls. situated at V.  
Khurla tehsil Jalandhar as mentioned in the registration sale  
deed No. 3501 of August, 1981 of the Registering Authority,  
Jalandhar.

K. K. MITTAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 3-4-82.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 3rd April 1982

Ref. No. A. P. No./3108.—Whereas, I,  
K. K. MITTAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
as per schedule situated at V. Khurla  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at Jalandhar on Aug. 1981  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shrimati Rajinder Dhillon Wd/o Sh. Gurdip Singh  
R/o V. Khurla, Tehsil Jalandhar.  
(Transferor)
- (2) Shri Suraj Parkash S/o Sh. Ramsaran Dass,  
Sh. Subash Chand S/o Sh. Hari Kishan,  
Surinder Kumar S/o Sh. Parma Nand and  
Sh. Dewan Chand  
and Suresh Kumar S.o Yash Pal,  
R/o Abad Pura, Jalandhar.  
(Transferee)
- (3) as s. no. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land measuring 3 Kl. & 10 mls. situated at Village Khurla tehsil Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 3502 dated August, 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

K. K. MITTAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 3-4-82.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Man Singh, Maluk Singh, S/o Sh. Ganda Singh  
R/o V. Lidran Tehsil Jalandhar.  
(Transferee)

(2) Shri Mohinder Pal Singh, Guripal Singh S/o Sh.  
Harnam Singh Oberoi, R/o EO/112-A, Jaura Gate,  
Jalandhar.  
(Transferee)

\*(3) as s. no. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

\*(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 3rd April 1982

Ref. No. A. P. No. 3109.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at V. Nangli Visan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Aug. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

**THE SCHEDULE**

Property Land measuring 3 Kls. situated at V. Nangli Viran Tehsil Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 3742 of August, 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

K. K. MITTAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 3-4-82.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
25—56GT/82

## FORM ITNS

(1) Shri Tilak Raj Prem Chand S/o Sh. Farangi Ram  
R/o 22/2, Central Town, Jalandhar.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 3rd April 1982

Ref. No. A. P. No./3110.—Whereas, I,  
**K. K. MITTAL**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at Bazar Kalan, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Aug. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shrimati Vijay Rani W/o Sh. Sham Sunder Chopra, 22/2, Central Town, Jalandhar.

(Transferee)

(3) as s. no. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property 1 3rd Shop situated at Bazar Kalan, Jalandhar as mentioned in the registration sale deed No. 3763 of August, 1981 of the Registering Authority, Jalandhar.

**K. K. MITTAL**  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jalandhar.

Date : 3-4-82.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th April 1982

Ref. No. A.P. No. 3124.—Whereas, I, K. K. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at V. Chogthi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on August 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Puran Singh S/o Sh. Nand Singh  
R/o V. Ladhwali Teh. Jalandhar.  
(Transferor)
- (2) Shri Sham Sunder S/o Sh. Devki Nandan  
R/o Mandi Fanton Ganj, Jalandhar.  
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property Land measuring 2 Kls-o Mi. situated in village Chogithi Tehsil Jalandhar, as mentioned in the registration sale deed No. 3703 of August, 81 of the Registering Authority, Jalandhar.

K. K. MITTAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 14-4-82.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 27th March 1982

Ref. No. ASR/81-82/418.—Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One kothi No. 18 Albert Road, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on August, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ravinder Kumar, Suresh Kumar, Vipan Kumar, Ashwani Mahajan ss/o Sh. Radhey Sham & Bibi Neena Mahajan d/o Radhey Sham 'no 8, Circular Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Rajinder Singh s/o Surinder Singh  
Smt. Gurdip Kaur w/o Sh. Rajinder Singh  
r/o 58, Shaheed Bhagat Singh Road,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One kothi No. 18 Albert Road, Kennedy Avenue (area 977.8 sq. yds.), Amritsar as mentioned in the sale deed No. 11214 dated 18-8-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 27-3-82  
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 5th April 1982

Ref. No. ASR/81-82/419.—Whereas, J. ANAND SINGH, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. One plot in Shastri Nagar, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Krishna Kumar d/o Gurcharan Datt r/o 16-Braham Nagar Amritsar through Panna Lal Mahajan s/o Gurcharan Datt Attorney. (Transferor)
- (2) Smt. Swarn Mehra w/o Joginder Pal r/o Rani Wala Bagh, Amritsar, Now 9, Maqbool, Aoad. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person whom the undersigned knows to be)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

1/2 share in plot situated at Shastri Nagar (area 158.8 sq. yds.) Amritsar as mentioned in the sale deed No. 11171/1 dated 17-8-81 of the registering authority Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely :—  
64—36GI/82

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 5-4-82  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 29th March 1982

Ref. No. ASR/81-82/420.—Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house at Murgi Mohalla Batala  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Batala on Aug., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Gunj Kaur w/o Gurcharan Singh,  
Dashmesh Nagar Batala  
now at J-I/2 Gobind Colony Rajpura.

(Transferor)

(2) Shri Sarwan Singh s/o Kesar Singh  
r/o Purian Khurd Teh. Batala  
Distt. Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitates the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/2 share in H. No. MC No. B/V/286/I situated in Murgi Mohalla Batala as mentioned in the sale deed No. 3794 dated 3-8-81 of the registering authority Batala,

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-3-82  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Sawinder Kaur d/o Mohan Singh, Tibba  
Distt. Kapurthala.  
(Transferor)

(2) Dalip Kaur w/o Sawaren Singh  
r/o Purian Khurd Teh.  
Batala, Distt. Gurdaspur.  
(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date  
of publication of this notice in the Official  
Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

1/2 share in No. MC No. B/V/296/I situated in Murgi  
Mohalla, Batala as mentioned in the sale deed No. 3795  
dated 13-8-81 of the registering authority Batala.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Date :: 29-3-82  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition  
of the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fol-  
lowing persons, namely :—

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 18th March 1982

Ref. No. ASR/81-82/422.—Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S.  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

No. One Plot in Sunder Nagar situated at Amritsar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908 in the office of the Registering

Officer at

SR : Amritsar on August 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :

- (1) Sh. Jagan Nath s/o Sh. Sant Ram,  
R/o Kt : Charat Singh, Amritsar and  
Sh. Harnam Singh S/o Sh. Prem Singh,  
R/o Chowk Phul Wala, Amritsar,  
Gali Tufoon Wali H.N. 1399.  
(Transferor)
- (2) Smt. Prem Wati wd. o Sh. Madan Lal  
R/o Plot No. 93, Gali No. 1, Sunder Nagar,  
Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of the notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One vacant Plot No. 93, situated in Gali No. 1, Sunder  
Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 10947 dt.  
13-8-81 of Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 18-3-82  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act. to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Smt. Rawinder Kaur w/o S. Jeet Singh Jolly,  
R/o Bazar Sawank Mandi, Amritsar.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 24th March 1982

Re. No. ASR/81-82/423.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property in Green Avenue situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Padama Kapoor w/o Sh. Bal Kishore, Kothi No. 5, Braham Nagar, Amritsar and Sh. Vikash Sood (Minor) S/o Sh. Brij Bhushan Sood, Friends Colony, new Delhi.  
(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One built up property Kothi No. 472, situated in Green Avenue, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1165 dated 17-8-1981 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

26—56GI/82

Date : 24-3-1982  
Seal :

## FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 23rd March 1982

Re. No. ASR/81-82/424.—Whereas, I ANAND SINGH, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot in Basant Avenue, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sh. Saroop Singh Advocate s/o Sh. Sardool Singh Cheel Mandi, Amritsar.  
(Transferor)

(2) Sh. Tilak Raj and Sh. Raj Kumar Grover  
s/o Sh. Muni Lal, 83, Green Avenue.  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One plot No. 530, situated at Basant Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 10758 dated 7-8-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 5th April 1982

Ref. No. ASR/81-82/425.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot in Shastri Nagar, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Amritsar on August 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Krishna Kumari D/o Gurcharan Datt  
 r/o 16-Braham Nagar, Amritsar through Panna Lal  
 Mahajan s/o Sh. Gurcharan Datt attorney.

(Transferor)

(2) Shri A. S. Soni s/o Sh. Gobind Ram  
 r/o Rani Ka Bagh Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
 (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One plot of land measuring 158 sq. yds. situated in Shastri Nagar Amritsar as mentioned in the sale deed No. 10737 dated 7-8-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-82  
 Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 27th March 1982

Ref. No. ASR/81-82/426.—Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land at Verka situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on Aug. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Harbhajan Singh s/o Pala Singh  
r/o Verka through Sh. Rattan Lal  
s/o Sh. Pheru Mal  
14-Rattan Chand Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Bishan Dass s/o Bakshi Ram  
r/o 47-Katra Moti Ram, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at st. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Death-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Vacant plot of land khasra No. 1431 situated at Verka, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 11446 dated 21-8-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 27-3-82  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 25th March 1982

Ref. No. ASR/81-82/427.—Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property in Gali Lamba Kutcha Madarian situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on August 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Janak Rani w/o Sh. Radha Sham  
r/o Katra Bagh Singh  
Kucha Madarian, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Madhu Bala w/o Sh. Vinod Kumar  
r/o H. No. 129/2 Katra Parja, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house No. 163/XI-3 & 355/XI-3 situated in Gali Lamba Kucha Madarina, Ktr. Bagh Singh Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 11109 dt. 14-8-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 25-3-82  
Seal :

**FORM INTS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 27th March 1982

Ref. No. ASR/81-82/428.—Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house on Nai Sarak Ktr. Karam Singh situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 SR Amritsar on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (1) Sh. Balwant Singh s/o Sant Singh  
r/o 25-Golden Avenue  
Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Jagdev Singh Sharma  
s/o Sh. Kirpa Ram  
r/o Katra Bagh Singh, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One house No. 674/4 situated on Nai Sarak Katra Karam Singh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 11180/I dated 17-8-81 of the registering authority Amritsar.

**ANAND SINGH, I.R.S.**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 27-3-82  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 23rd March 1982

Ref. No. ASR/81-82/429.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house Kot Atma Singh situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on August 1981  
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Satdev s/o Shri Ram Lal  
r/o Gali No. 3 Kot Atma Singh,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Surinder Kumar s/o Bihari Lal  
r/o H. No. 3303  
r/o Katra Baghian, Kucha Dial Singh  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One house No. 3303, Gali No. 3, Kot Atma Singh Amritsar as mentioned in the sale deed No. 11372 dated 20-8-81 of the registering authority Amritsar.

**ANAND SINGH, I.R.S.**  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-3-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE,**  
**3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.**

Amritsar, the 27th March 1982

Ref. No. ASR/81-82/430.—Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One building Sunder Nagar, situated at Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot on Aug. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Pritam Singh s/o Hari Singh Ramgaria Dalhousie Road, Near Petrol Pump, Pathankot.  
(Transferor)
- (2) Smt. Kalash Gupta w/o Sh. Balak Ram r/o Sunder Nagar Pathankot c/o Dapo Balak Ram  
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.  
1, Shri Bansil Lal 100/- P.M.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One property consisting of four shops and two rooms situated in Sunder Nagar, Pathankot as mentioned in the sale deed No. 1425 dated 5-8-81 of the registering authority Pathankot.

**ANAND SINGH, I.R.S.**  
**Competent Authority**  
**Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,**  
**Acquisition Range, Amritsar.**

Date: 27-3-82  
 Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYIOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 27th March 1982

Ref. No. ASR/81-82/431.—Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant plot in Dashmesh Nagar, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—56G1/82

- (1) Sh. Harbans Singh s/o S. Hari Singh  
r/o Kucha Kamboan, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Kanti Khanna partner for M/s. Rajan Saw Mills  
Cheel Mandi, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One plot of land measuring 1K 19M situated in Dashmesh Nagar, Head Water Works, Road, Tungbala Suburban, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 11829/Dated 28-8-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 27-3-82  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 27th March 1982

Ref. No. ASR/81-82/432.—Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant plot in Dashmesh Nagar, situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on August 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Basant Kumar s/o Sh. Kishan Chand  
r/o Hide Market through Ashok Kumar  
s/o Krishan Chand mukhtar am  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Shmt. Gian Devi w/o Puran Chand  
r/o Katra Khajana  
Amritsar, Kali Jattan.

(Transferee)

(3) As at st. No. 2 tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/3rd share in property (area 915.12 sq. mtrs.) situated in Hide Market Amritsar near Bhandari bridge, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 11539/dated 24-8-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 27-3-82

Seal :

## FORM INTS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 27th March 1982

Ref. No. ASR/81-82/433.—Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property in Hide market situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Basant Kumar through Sh. Banarsi Dass (General attorney) Partap Bazar Chherta Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Nirmal Rani w/o Daulat Ram I/s Khojana Gate, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/10 share in property situated in Hide market Amritsar (area 91.00 sq. mtrs.) as mentioned in the sale deed No. 11427 dated 21-8-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 27-3-82  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYI OR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 27th March 1982

Ref. No. ASR/81-82/434.—Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot at Rly. Crossing near situated at Putlighar, Amritsar Inlanabad Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Raghbir Kumar Ashwani Kumar  
s/o Shambhu Nath  
r/o Chah Nihangan, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Sh. Ravi Chatrath s/o Vidya Sagar  
r/o bakan Islamabad Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One plot of land No. 304 situated near Railway crossing of Putlighar Islamabad Amritsar mentioned in the sale deed No. 11310 dated 9-8-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 27-3-82  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 27th March 1982

Ref. No. ASR/81-82/435.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. One plot at Rly. Crossing Putli Ghar situated at Islamabad ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Shri Raghbir Kumar Ashwani Kumar ss/o Shambhu Nath r/o Chah Kaurian.. Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Vinod Sagar s/o Vidhya Sagar r/o 12-Makan Islamabad, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One plot of land No. 304 situated at Rly. Crossing Islamabad, Pullighar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 11316 dated 19-8-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 27-3-82  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 27th March 1982

Ref. No. ASR/81-82/436.—Whereas, I, ANAND SINGH, I.R.S., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land at Rly. Crossing situated at Islamabad, Putlighar Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on August 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Raghubir Kumar Ashwani Kumar &/o Shambhu Nath r/o Chah Kauria Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Sabodh Chatrath Deputy Commandant BSF Islamabad, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot No. 304 situated at Railway Crossing of Putlighar Islamabad Amritsar as mentioned in the sale deed No. 11313 dated 9-3-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Date 27-3-82  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD  
AMRITSAR

Amritsar, the 27th March 1982

Ref. No. ASR/81-82/437—Whereas, I,  
**ANAND SINGH IRS**  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One kothi in Green Avenue Amritsar situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on Sept, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Narinder Singh s/o Gurbachan Singh Harinder Singh s/o Narinder Singh r/o Nabha through Swaran Singh s/o Hardit Singh r/o Dhab Wasti Ram. Amritsar.  
(Transferor)

(2) Shri S. Amarjit Singh s/o Attar Singh r/o Qila Bhagian, Amritsar  
(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

1/4th share in kothi No. 107 situated in Green Avenue Amritsar as mentioned in the sale deed No. 12090/dated 3-9-81 of the registering authority Amritsar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**ANAND SINGH, I.R.S.**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 27-3-82  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD  
AMRITSAR

Amritsar, the 27th March 1982

Ref. No. ASR '81-82/438—Whereas, I,  
ANAND SINGH IRS  
being the Competent Authority under  
section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One kothi in Green Avenue Amritsar situated at Amritsar  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office  
of the Registering Officer at SR Amritsar on Sept, 1981  
for an apparent consideration which is less than fair market  
value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Shri Narinder Singh s/o Gurbachan Singh  
Harinder Singh s/o Narinder Singh r/o Nabha  
through Swaran Singh s/o Hardit Singh r/o Dhab  
Wasti Ram, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Harjinder Kaur w/o S. Attar Singh r/o Qila  
Bhagian, Amritsar

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/4th Share in kothi No. 107 situated in Green Avenue  
Amritsar as mentioned in the sale deed No. 11958/dated  
1-9-81 the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range  
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Dated: 27-3-82  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD  
AMRITSAR**

Amritsar, the 27th March 1982

Ref. No. ASR/81-82/439—Whereas, I, ANAND SINGH IRS being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One kothi in Green Avenue Amritsar situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on Sept, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Narinder Singh s/o Gurbachan Singh Harinder Singh s/o Narinder Singh r/o Nabha through S. Sawaran Singh s/o Hardit Singh r/o Dhab Wasti Ram, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri S. Attar Singh s/o Kartar Singh r/o Qila Bhagian, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

1/4th Share in kothi No. 107 situated in Green Avenue Amritsar as mentioned in the sale deed No. 12034/dated 2-9-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
28—56GI/82

Dated : 27-3-82  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD  
AMRITSAR

Amritsar, the 27th March 1982

Ref. No. ASR/81-82/440—Whereas, I,  
**ANAND SINGH IRS**  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

One kothi in Green Avenue Amritsar  
situated at (and more fully described  
in the schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office  
of the Registering Officer at SR Amritsar on Sept, 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object:—

- (1) Shri Narinder Singh s/o Gurbachan Singh  
Harinder Singh s/o Narinder Singh r/o Nabha  
through Sawaran Singh s/o Hardit Singh r/o Dhab  
Wasti Ram, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri S. Gurcharan Singh s/o Attar Singh  
r/o Qila Bhagian, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 192) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1/4th Share in kothi No. 107 situated in Green Avenue  
Amritsar as mentioned in the sale deed No. 11864/dated  
31-8-81 the registering authority Amritsar.

**ANAND SINGH, I.R.S.**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 26D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Dated: 27-3-82  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD  
AMRITSAR

Amritsar, the 30th March 1982

Ref. No. ASR/81-82/441.—Whereas, I,  
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One property at Batala, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Batala on Aug. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manmohan Singh s/o Nihal Singh r/o Kahlwan now Guru Nanak Nagar, Batala.  
(Transferor)
- (2) Shri Sat Pal Singh s/o Kartar Singh r/o Mohalla Simbal, Batala Now H. No. B/4/S Goray Gaon (West) Bombay.  
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any  
(Person in occupation of the property)
- (4) Anyother  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

One single storeyed house situated at Bhullar Road, Guru Nanak Nagar, Batala as mentioned in the sale deed No. 3896 dated 19-8-81 of the registering authority Batala.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Amritsar

Date : 30-3-82  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD  
AMRITSAR**

Amritsar, the 5th April 1982

Ref. No. ASR/81-82/442—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land at off Batala Road, situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on Aug., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Harbhajan Singh s/o Palu Singh r/o Verka through Shri Rattan Lal s/o Pheroo Mal M/14 Rattan Chand Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) M/s. G. K. Trading Co. Ktr. Ahluwalia Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Another (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One plot of land with Kacha Kotha Khasra No. 1431 situated at Verka off Batala Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 11451/dated 21-8-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 5-4-82  
Seal :

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD  
AMRITSAR

Amritsar, the 5th April 1981

Ref. No. ASR/81-82/443—Whereas, I,  
ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot at Verka off Batala Road, situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on Aug., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Harbhajan Singh s/o Pala Singh r/o Village Verka through Rattan Lal s/o Pheroo Mal r/o M14-Rattan Chand Road, Amritsar.  
(Transferor)

(2) M/s. Neeru Textile Trading Co. Ktr. Ahluwalia, Amritsar.  
(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One plot of land with shed khasra No. 1431 at Verka Off Batala Road, ASR as mentioned in the sale deed No. 11445 dated 21-8-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Amritsar

Dated 5-4-81  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD  
AMRITSAR

Amritsar, the 12 April 1982

Ref. No. ASR/81-82/444—Whereas, I,  
**ANAND SINGH IRS**  
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One plot of land at Verka situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on Aug., 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Bhagwan Singh & Sahib Singh S/o Rurh Singh s/o Bishan Singh r/o Vill. Verka Abadi Sant Nagar Teh. Amritsar. (Transferor)
- (2) M/s. Nagina Soap Factory Pvt. Ltd. Amritsar Batala Road, through Shri Sham Sunder Nagina Managing Director. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1391 sq. yds. situated in Verka Amritsar as mentioned in the sale deed No. 11373 dated 20-8-81 of the registering authority Amritsar.

**ANAND SINGH, I.R.S.**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range  
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-81  
Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD  
AMRITSAR

Amritsar, the 12 April 1982

Ref. No. ASR/81-82/445—Whereas, I,

ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land at Verka situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on Aug, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Bhagwan Singh & Sahib Singh S/o Rurh Singh r/o Vill. Verka Abadi Sant Nagar Teh. Amritsar.  
(Transferor)
- (2) M/s. Nagina Soap Factory Pvt. Ltd. Amritsar Batala Road, through Shri Sham Sunder Nagina Managing Director.  
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

One plot of land measuring 152 sq. yds. situated in Verka Amritsar as mentioned in the sale deed No. 11374 dated 20-8-81 of the registering authority Amritsar

**THE SCHEDULE**

ANAND SINGH, I.R.S.  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Amritsar

Dated : 12-4-82

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS—**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE**

Hyderabad, the 7th April 1982

Ref. No. RAC. No. 10/82-83 Kakinada Squad.—  
Whereas, I S. GOVINDARAJAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. Site situated at Gajuwaka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Visakhapatnam in August 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property, and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has  
not been truly stated in the said instrument of transfer with  
the object of :—

- (1) Sri Mariam Thomas S/o Kannekkal Gee Varghese Thomas By GPA Holder Sri V. Kuruvilla, Visakhapatnam. (Transferor)
- (2) Smt. Lcela Devi, W/o Kamal Kumar Jain, Mahanipeta, Visakhapatnam. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Vacant Site admeasuring 1423.4 sq. yards-Gajuwaka Village-Visakhapatnam Taluk—S. No. 10/3 Patta No. 11 was registered with the SRO, Visakhapatnam during the month of August 1981 vide document No. 6108/81.

**S. GOVINDARAJAN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,  
namely . . .

Date : 7-4-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (1) 1. Sri. Vallabhaneni Raghavendra Rao, S/o Mallikarjuna Rao,  
 2. Smt. Vallabhaneni Seshachendravati Devi, W/o Raghavendra Rao.  
 3. Smt. Vallabhaneni Naga Chava Raja Padmini, Vijayawada.

- (2) Smt. Vallabhaneni Rukmini Sarojini Devi, W/o Raghavendra Rao, Guntur.  
 (Transferee)

(Transferor)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 7th April 1982

Ref. No. RAC. No. 11/82-83 Kakinada Squad.—  
 Whereas, I S. GOVINDARAJAN,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sh. in Rice Mill situated at Hanuman Junction, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Masulipatam in August 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Share in Sri Satyanarayana Rice and Ground Nut Oil Mill at Perikaveedu near Kanumolu-Krishna Dt. was registered with the SRO, Masulipatam during the month of August 1981 vide document No. 3347/81.

S. GOVINDARAJAN  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
 29—56GI/82

Date : 7-4-1982

Seal :

**FORM I.T.N.S.—**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE**

Hyderabad, the 7th April 1982

Ref. No. RAC. No. 12/82-83 Kakinada Squad.—

Whereas, I S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 29-12-111 situated at Governorpetta, VZA, (and more fully described in the Schedule annexed, hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Vijayawada in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Urutha Hanumayamma, W/o Sri Rama Murthy,  
2. Smt. Guda Mahalaxmi, W/o Venkataramayya,  
3. Smt. Duggirala Sowbagyalakshmi, W/o Krishna Murthy. All are residing Gandhinagar, Vijayawada.

(Transferor)

- (2) 1. Katakam Rangaiah, S/o Late Subbaiah.  
2. Katakam Venkata Subba Rao,  
3. Katakam Venkateswara Rao,  
4. Katakam Venkata Suresh Babu—All are sons of Katakam Rangaiah, Kalyani Saree Show Room, Besant Road, Vijayawada-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Building Door No. 29-12-111 Revenue Ward-9 Block No. 14 NTS No. 722-Municipal Ward 24 Asst. No. 21355-Governorpetta-Vijayawada was registered with the SRO, Vijayawada during the month of August 1981 vide document No. 8747/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-4-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sri Cattamanchi Vijayakumar, GPA holder Smt. C. Sarada Devi, Door No. 6-2-953, Kairtabad, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Sri Garlapati Veera Venkata Satyanarayana, 1st Line, Kdereswaraopeta, Vijayawada-3.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 7th April 1982

Ref. No. RAC. No. 13/82-83 Kakinada Squad.—  
Whereas, I S. GOVINDARAJAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Site situated at Vijayawada Kedereswaraopet, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House site admeasuring 717 7/9 sq. yards—Kedereswaraopeta—Vijayawada Municipality—Old Ward No. 20-New Ward No. 2/2-Rev. Ward No. 8-Block No. 4-NTS 22 and 23 was registered with the SRO, Vijayawada during the month of August 1981 vide document No. 8535/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-4-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE**

Hyderabad, the 3rd April 1982

Ref. No. RAC 1/82-83.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open plot situated at Nampally Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in August 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sri K. Lakshma Reddy S/o Lakshmi Narasayya Station Road, Khammam.  
(Transferee)
- (2) Sri G. Nagabhusanam S/o G. Raghav Rao, H. No. 3-3-844 Kufbiguda, Hyderabad.  
(Transference)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

Open plot of land at Gadwal Rani Compound Nampally Hyderabad area 332.77 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 4457/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 3-4-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sri Maharakaran & others 23-I-110 East Charminar, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Sri Seetharama Housing Co-operative Society Rep. By N. Kattalappa S/o Narayan Gowliguda, Hyderabad.  
Office : Station Road, Kachiguda, Hyderabad.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE**

Hyderabad, the 3rd April 1982

Ref. No. RAC 2/82-83.—Whereas, I  
**S. GOVINDARAJAN**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agl. Land situated at Bahlookhanguda, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Hyderabad in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;  
**and/or**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Agricultural land in Survey No. 83 at Bahlookhanguda, Hyderabad area 5 Acres 8 guntas registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 4628/81.

**S. GOVINDARAJAN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 3-4-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 5th April 1982

Ref. No. RAC 3/82-83.—Whereas, I  
**S. GOVINDARAJAN,**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. 10-2-317/1 situated at Mallepally, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in August 1981,  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed at between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Mohd. Fakruddin S/o Late Nayemuddin Hyderbasti, Secunderabad GPA Mr. A. N. M. Suharwardhy S/o A. N. Athquia Suharwardhy, Abdul Qader S/o Mohd. Abdul Lateef and Haleemunnis a Begum W/o M. A. Qader.  
 (Transferor)
- (2) Sri Shamsheer Khan S/o Late Doulat Khan H. No. 10-2-317/C Mallepally, Hyderabad.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

House No. 10-2-317/1 Mallepally Hyderabad area 900 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 4439/81.

**S. GOVINDARAJAN**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 5-4-1982  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE**

Hyderabad, the 5th April 1982

Ref. No. RAC 4/82-83.—Whereas, I  
S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Somajiguda, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in August 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sri Kedernath Biswas S/o Late Birendralal Biswas GPA Sri Kishenlal Sanghi S/o Ramjus 21-2-502 Charkaman, Hyderabad.  
(Transferor)  
(2) Sri Satyanarayana Gupta H. No. 21-7-319 Charkaman, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot No. 26 in Survey No. 19 Somajiguda, Hyderabad area 900 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 4536/81.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 5-4-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) Shri Mangal S/o Shri Agna, R/o Suraj Pole,  
Bharatpur.  
(Transferor)

(2) Shri Avtar Singh, Prem Narain and others, R/o  
Bharatpur.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE**

Jaipur, the 12th April 1982

Ref. No. IAC/Acq./1156.—Whereas, I  
V. K. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. Agrl. land situated at Bharatpur,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer at  
Bharatpur on 16-9-1981,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefore by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

5 bigha of agriculture land situated at Chak No. 3,  
Bharatpur and more fully described in the sale deed registered  
by S.R. Bharatpur vide No. 1593 dated 16-9-81.

V. K. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 12-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 12th April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1154.—Whereas, I  
 V. K. AGGARWAL,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
 and bearing  
 No. Part of Nohara situated at Sikar,  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908), in the office of the Registering Officer at  
 Sikar on 26-8-1981,  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property, and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

- (1) Shri Banwarilal Sharma S/o Ramniwas Sharma,  
 P/o M/s Prakash Properties, R/o Ramgarh, Distt.  
 Sikar.  
 (Transferor)
- (2) Shri Atul Kumar, S/o Shri Amarchand, R/o  
 Adarsh Nagar, Jaipur.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
 property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said Act  
 shall have the same meaning as given in  
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for the  
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Part of Nohara facing East situated at Ward No. 31, in  
 the West of New Loharu Bus Stand, Sikar and more fully  
 described in the sale deed registered by S.R. Sikar, vide No.  
 929 dated 26-8-81.

V. K. AGGARWAL  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
 ing persons, namely :—  
 30—56GI/82

Date : 12-4-1982  
 Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1153.—Whereas, I  
 V. K. AGGARWAL,  
 being the Competent Authority under Section 269B  
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 25,000/- and bearing  
 Part of Nohra situated at Sikar,  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has  
 been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the office of the Registering Officer at  
 Sikar on 26-8-1981,  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property, and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

- (1) Shri Prakash Chand Sharma, S/o Nand Kumar Sharma, P/o M/s Prakash Properties, R/o Ambawari, Jaipur.  
 (Transferor)
- (2) Shri Atul Kumar S/o Shri Amarchand R/o Adarsh Nagar, Jaipur.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) (or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Part of Nohra facing East situated at Ward No. 31, in the West of New Loharu Bus Stand, Sikar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sikar vide No. 928 dated 26-8-81.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

V. K. AGGARWAL  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Jaipur

Date : 12-4-1982  
 Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Pradeep Kumar S/o Raghuvir Sharan, P/o M/s Prakash Properties R/o Ambawari, Jaipur. (Transferor)
- (2) Shri Atul Kumar S/o Shri Amarchand, R/o Adrash Nagar, Jaipur. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 12th April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1152.—Whereas, I  
 V. K. AGGARWAL,  
 being the Competent Authority under Section 269B  
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 Part of Nohra situated at Sikar  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikar on 26-8-1981,  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Part of Nohra facing East situated at Ward No. 31, in the West of New Loharu Bus Stand, Sikar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sikar, vide No. 927 dated 26-8-1981.

V. K. AGGARWAL  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Jaipur

Date : 12-4-1982  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shrimati Kesari Devi W/o Madanlal Jain, Doliyon Ka Mohalla, Ward No. 19, Sikar.  
(Transferor)  
(2) Shri Murarlal S/o Badri Narain Agarwal, House No. 4, C/o M/s Arjunlal Murarlal, Baorigate, Sikar.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

**ACQUISITION RANGE**

Jaipur, the 12th April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1151.—Whereas, I  
V. K. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

Plot situated at Sikar,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Sikar on 3-9-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undermentioned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot situated at Loharu Bus Stand, Sikar and more fully  
described in the sale deed registered by S.R. Sikar vide No.  
69 dated 3-9-81.

V. K. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 12-4-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 12th April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1155.—Whereas, I  
V. K. AGGARWAL,  
being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Plot situated at Sikar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikar on 3-9-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati Sohani Devi, W/o Shri Phoolchand Jain, Satyanarain Mandir Marg, Dolio Ka Bas, Ward No. 19 (old) Through GPA Shri Madan Lal Jain, Sikar.  
(Transferor)
- (2) Shri Salimmuddin, S/o Faiyaz, C/o Bharat Iron Works, Idgah Road, Sikar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot of land situated at Loharu Bus Stand, Sikar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sikar, vide No. 70 dated 3-9-1981.

V. K. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Jaipur

Date : 12-4-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

- (1) Shri Vasdev S/o Shri Ram Chand, 1801/Sector 9, Faridabad.  
 (Transferor)  
 (2) Smt. Parkash Kaur W/o Shri B. S. Gularia, C/o House No. 1171 Sector 9, Faridabad.  
 (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE  
D.L.F. COLONY**

Rohtak, the 15th April 1982

Ref. No. BGR/222/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 1171/S-9, situated at Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in August 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property being House No. 1171/S-9, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 7202 dated 12-8-81 with the sub Registrar Ballabgarh.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Jag Mohan S/o Shri Banwari Lal, R/o H. No. 44-A, Kamla Nagar, Delhi-7.  
(Transferor)
- (2) Shri Raj Kumar S/o Shri Ram Chander Shop No. 111 Ward No. 15, Near Surat Singh Duni Chand, Jind Mandi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
D.L.F. COLONY, ROHTAK  
Rohtak, hte 15th April 1982

Ref. No. JND/11/81-82.—Whereas I,  
**G. S. GOPALA,**  
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe  
that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Shop No. 111 Ward No. 15 situated at Jind,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Jind in August 1981.  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being shop No. 111 ward No. 15, Jind and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1554 dated 5-8-1981 with the Sub Registrar, Jind.

**G. S. GOPALA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1982

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Smt. Shakuntla Nagpal W/o Shri K. L. Nagpal  
R/o Ramkuti, Sonepat Road, Rohtak.  
(Transferor)
- (2) Shri Gopi Ram S/o Shri Ram Kishan, H. No. 154-N,  
Model Town, Hissar.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 15th April 1982

Ref. No. HSR/53/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 154-N, Model Town, situated at Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hisar in August 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being H. No. 154-N, Model Town, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2504 dated 12-8-1981 with the Sub Registrar, Hissar.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 15-4-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri Ram Kishan S/o Shri Diwan Chand, Biscuit Merchants, Near Bus Stand, Hissar.  
(Transferor)
- (2) Shri Matu Ram Mehta S/o Shri Jhangi Ram Mehta H. No. 3, Adarsh Nagar, Hissar.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
D.L.F. COLONY, ROHTAK  
Rohtak, the 15th April 1982

Ref. No. HSR/72/81-82.—Whereas I,  
G. S. GOPALA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 3 Adarsh Nagar, Hissar situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in September 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being house No. 3, Adarsh Nagar, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2853 dated 9-9-1981 with the Sub Registrar, Hissar.

G. S. GOPALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
31—56GI/82

Date : 15-4-1982

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri R. K. Aggarwal (Architect) Architect Office, Sector 17-C, Chandigarh.  
(Transferor)
- (2) Smt. Lajja Rani H. No. 813 Sector 15-A, Faridabad.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 15th April 1982

Ref. No. BGR/298/81-82.—Whereas I,  
G. S. GOPALA,  
being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 813 Sec. 15-A, situated at Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in September 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being House No. 813 Sec. 15-A, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 9686 dated 25-9-1981 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1982  
Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 15th April 1982

Ref. No. SPT/57/81-82.—Whereas I,

G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 707/7 Jamalpura Mohalla, Situated at Sonepat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sonepat in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Roop Narain S/o Shri Dhanu Ram C/o Tara Khadi Bhandar, Khaundak Bazar, Sulfi Market, Meerut City (U.P.).  
(Transferor)(2) Shri Hari Narain Malhotra S/o Shri Girdhari Lal, H. No. C-2/140, Janakpuri, New Delhi-58.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being H. No. 707/7, Jamalpura Mohalla, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2302 dated 6-8-81 with the Sub Registrar, Sonepat.

G. S. GOPALA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 15-4-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
D.L.F. COLONY, ROHTAK  
Rohtak, the 15th April 1982

Ref. No. BGR/265/81-82.—Whereas I,  
G. S. GOPALA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. Land area 26 kanals 9 marla with factory building situated at 14th mile-stone, Delhi-Mathura Road, Faridabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in September 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s Chemical Construction Co. (P) Ltd., New Delhi.  
(Transferor)
- (2) M/s Victor Cables Ltd. 410 New Delhi House 27, Barakhamba Road, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 26 Kanals 9 Marlas with factory buildings 14th Mile-stone, Delhi Mathura Road, Mewlamaharajpur (Faridabad) and as more mentioned in the sale deed registered at No. 8967 dated 11-9-1981 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Nar Singh Dass S/o Shri Moti Ram, Nai Mandi, Sirsa.  
(Transferor)
- (2) Smt. Angrej Kaur W/o Shri Kartar Singh Vill. Sukhchen Teh. & Distt. Sirsa Now H. No. 184/I-A Block, Nai Mandi, Sirsa.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 15th April 1982

Ref. No. SRS/26/81-82.—Whereas I,  
G. S. GOPALA,  
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 184/I-A, Block Mai Mandi situated at Sirsa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in October 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being H. No. 184/A-I Block, Nai Mandi, Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4648 dated 21-10-1981 with the Sub Registrar, Sirsa.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 15-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Kartar Chand S/o  
Sh. Chaher Ram R/o  
Vill. & P.O. Rania, Tch. Sirsa,  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Gurdeep Singh S/o  
Sh. Khem Singh, Sarpanch,  
R/o Vill. & P.O. Renia,  
Distt. Sirsa.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY.

Rohtak, the 16th April 1982

Ref. No. SRS/17/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. M. C. 1273, situated at Rania (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in Aug. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Property being H. No. 1273 at Rania and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3716 dated 12-8-81 with the Sub-Registrar, Sirsa.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-82  
Seal :

## FORM No. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th April 1982

Ref. No. AMB/23/81-82.—Whereas, I,

G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Bungalow No. 58 (New No. 308) Mall Road,  
situated at Ambala Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ambala in Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Krishan Dev Bhandari S/o Sh. Hari Chand R/o 58, The Mall Road, Ambala Cantt.  
(Transferor)
- (2) Smt. Mohinder Kaur Wd/o Col. Shamsher Singh S/o Sh. Hajura Singh, Sh. Rajinder Singh S/o Col. Shamsher Singh, R/o 40, The Mall Road, Ambala Cantt.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Bungalow No. 58 (New No. 308) Mall Road, Ambala Cantt, and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3263 dated 31-8-81 with the Sub-Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-4-82  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th April 1982

Ref. No. KNL/24/81-82.—Whereas, I,  
G. S. GOPALA,  
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 254-R, Model Town, Karnal

situated at Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Karnal in Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Sh. Parcha Singh Sathit Sukh S/o Sh. Hajoor Singh S/o Gopal Singh, R/o 340 Soi Luen Rir Sampheng Bangkok, Thailand.  
(Transferor)
- (2) Sh. Paramjit Singh Advocate S/o Sh. Harnam Singh, R/o 480-Model Town, Karnal.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being H. No. 254-R, Model Town, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3050 dated 13-8-81 with the Sub-Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 16-4-82  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Sh. Sewa Singh S/o Sh. Manna Singh,  
Yamunanagar Teh. Jagadhari.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY**

Rohtak, the 16th April 1982

Ref. No. JDR/48/81-82.—Whereas, I,  
G. S. GOPALA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
that the immovable property having a fair market value  
referred to as the 'said Act') have reason to believe  
that the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. House at Industrial Area,  
situated at Yamunagar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Jagadhari in Aug. 81

v

for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property, and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

(2) 1. Sh. Gurvinder Singh S/o Agya Pal Singh 2/5  
share 2. Sh. Mohinder Singh S/o Dewan Singh,  
1/10 share 3. Smt. Surjeet Kaur W/o Sh.  
Mohinder Singh 1/10 share 4. Smt. Amrit Kaur  
W/o Sh. Sunder Singh 1/5 share 5. Smt. Harinder  
Kaur W/o Sh. Parampal Singh 3/20 share  
6. Sh. Parmal Singh S/o Sh. Sunder Singh  
1/20 share all R/o Yamunanagar Teh.  
Jagadhari. House at Industrial Area  
Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property being house at Industrial Area Yamunanagar  
and as more mentioned in the sale deed registered at No.  
3536 dated 17-8-81 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons  
namely :—  
32—56G/82

Date : 16-4-82  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.I.F. COLONY

Rohtak, the 16th April 1982

Ref. No. PNP/79/81-82.—Whereas, I,  
G. S. GOPALA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. H. No. 491 Ward No. 3, situated at  
Panipat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Officer at Panipat in Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(1) Smt. Bharwan Bai W/o Sh. Parbhu Dayal  
S/o Sh. Manohar Lal R/o H. No. 491 Ward No. 3  
Panipat.  
(Transferor)

(2) Sh. Chetan Dass S/o Sh. Kala Ram,  
Sh. Shiv Lal S/o Sh. Chetan Dass,  
R/o H. No. 491 Ward No. 3, Panipat.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Property being House No. 491 Ward No. 3, Panipat and  
as more mentioned in the sale deed registered at No. 3149  
dated 10-8-81 with the Sub-Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 16-4-82  
Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.I.F. COLONY**

Rohtak, the 16th April 1982

Ref. No. KNL/27/81-82.—Whereas, I,  
G. S. GOPALA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. House No. 6 Area 1180 sq. yards. Ramesh Nagar,  
situated at Karnal  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Officer at Karnal in Aug. 81  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Sh. Ravinder Kumar S/o Jaidev S/o  
Shri Govinda Ram R/o 6 Ramesh Nagar,  
Karnal.

(Transferor)

(2) Sh. Joginder Par alias Yoginder Parshad.  
S/o Sb. Kanwar Bhan S/o Sh. Tulsi Dass  
Smt. Krishna Rani W/o Sh. Kanwar Bhan  
R/o H. No. B-148, Sardar Bazar, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act  
**1957 (27 of 1957):**

**THE SCHEDULE**

Property being House No. 6 Area 1180 sq. yard Ramesh  
Nagar, Karnal and as more mentioned in the sale deed re-  
gistered at No. 2988 dated 10-8-81 with the Sub-Registrar,  
Karnal.

**G. S. GOPALA,**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 16-4-82  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY**

Rohtak, the 16th April 1982

Ref. No. KNL/19/81-82.—Whereas, I,  
G. S. GOPALA,  
being the Competent Authority  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.  
No. Plot No. 1 area 700 sq. yards  
situated at Karnal  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Officer at Karnal in Aug. 1981  
for such transfer as agreed to between the parties has not been  
value of the aforesaid property, and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

**(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or**

**(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the India Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Sh. Mohinder Kumar Bhatia S/o  
Sh. Ram Jarayan Bhatia  
1606/34-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Geeta Anand W/o Shri  
D. R. Anand, S/o Shri Sardari Lal,  
Nilokheri, Now  
C/o Sh. D. R. Anand  
42/4 Block 'C',  
New Alipore,  
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**'THE SCHEDULE**

Property being plot No. 1 measuring 700 sq. yards situated  
at Mal Road, Karnal and as more mentioned in the sale deed  
registered at No. 3162 dated 28-8-81 with the Sub-Registrar,  
Karnal.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-4-82  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th April 1982

Ref. No. RTK/36/81-82.—Whereas, I,  
**G. S. GOPALA,**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. Dairy No. 26BV(P) Gurudwara Road,  
 situated at Rohtak  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Kharati Lal S/o Sh. Sohna Ram,  
 R/o H. No. 24 BV(P) Gali Gurudwara,  
 Rohtak.

(Transferor)

(2) Sh. Subhash Chander S/o Shri Sodhagar Mal,  
 R/o 1077 Ward No. 2, Kewal Ganj,  
 Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being dairy No. 26BV(P) Gurudwara Road, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3115 dated 31-8-81 with the Sub-Registrar, Rohtak.

G. S. GOPALA,  
**Competent Authority**  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-82  
 Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Kharati Lal S/o Sh. Sohna Ram,  
R/o H. No. 24BV Gali Gurudwara Tikana Sahib,  
Rohtak.  
(Transferor)

(2) Sh. Mangat Ram S/o Sh. Sodhagar Mal,  
R/o H. No. 1077 Ward No. 2 Rewalganj,  
Rohtak.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th April 1982

Ref. No. RTK/37/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 portion of dairy No. 26BV(P) situated at Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being 1/2 portion of dairy No. 26BV(P) Gurudwara Gali, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3116 dated 31-8-1981 with the Sub-Registrar, Rohtak.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-82  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Sh. Kanhaiya Lal S/o Jagan Nath R/o  
46 Thaper Colony, Yamunanagar.

(Transferor)

(2) Smt. Neelam Devi W/o  
Shri Ishwar Dayal Aggarwal  
R/o Radaur Road, Yamunanagar.  
Now H. No. 46, Thaper Colony,  
Yamunanagar.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY**

Rohtak, the 16th April 1982

Ref. No. JDR/47/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 46 Thaper Colony, situated at Yamunanagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property being 1/2 portion of house No. 46, Thaper Colony, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3099 dated 4-8-1981 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-82

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Amer Singh S/o Maru,  
R/o Vill. & P.O. Joniawas.  
(Transferor)

(2) M/s Weston Electronics Components Pvt.  
Limited, 43-A, Okhla Industrial Estate,  
New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th April 1982

Ref. No. RWR/22/81-82.—Whereas, I,

G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land area 14 kanals 18 marla situated at Joniawas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rewari in Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objectives, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 14 kanal 18 marla situated at Vill. Joniawas and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1725 dated 27-8-1981 with the Sub-Registrar, Rewari.

G. S. GOPALA.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-82  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Sh. Parbhu S/o Sh. Rup Chand alias Tota Ram  
R/o Vill. & P.O. Joniawas.  
(Transferor)
- (2) M/s Weston Electroniks Components,  
Private Limited, 43-A, Okhla  
Industrial Estate, New Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th April 1982

Ref. No. RWR/23/81-82.—Whereas, I,  
G. S. GOPALA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. Land measuring 6 kanals 18 marla  
situated at Village Joniawas  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Rewari in Aug. 81  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 kanal 18 marla at Vill-  
age Joniawas and as more mentioned in the sale deed re-  
gistered at No. 1724 dated 27-8-81 with the Sub-Registrar,  
Rewari.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—  
33—56GI/82

Date : 16-4-82  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Sh. Jagdev Singh Gagan Singh, Pohap Singh  
sons of Sh. Parbhoo R/o Vill. & P.O. Joniawas,  
(Transferor)

(2) M/s Weston Electroniks Components  
Private Limited, 43-A Okhla  
Industrial Estate, New Delhi.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 16th April 1982

Ref. No. RWR/24/81-82.—Whereas, I,  
G. S. GOPALA,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Land measuring 24 kanal  
situated at Joniawas  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Rewari in Aug. 81  
for an apparent consideration which  
is less than the fair market value of the aforesaid property,  
and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property being land measuring 24 kanal situated at village  
Joniawas and as more mentioned in the sale deed registered  
at No. 1723 dated 27-8-81 with the Sub-Registrar, Rewari.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 16-4-82  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Sh. Bhagwan Dass Des Raj S/o  
Bhanna Ram, Mohan Lal S/o Rawal Dass,  
Fatehabad.

(Transferor)

(2) Smt. Mangli Bai W/o Sh. Sunder Dass,  
Basti, Bhiwan, Fatehabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK  
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 17th April 1982

Ref. No. FITB/1/81-82.—Whereas, I,  
G. S. GOPALA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Shop  
situated at Fatehabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Fatehabad in Aug. 81  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being shop at Thana Road, Fatehabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 812 dated 4-8-81 with the Sub-Registrar, Fatehabad.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-82

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Sudershan Lal Malik,  
R/o Nilokheri.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE  
ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 17th April 1982

Ref. No. NKR/24/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1 area 3803 situated at Nilokheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Nilokheri in Aug. 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Shri Bharat Bhushan Katyal S/o Wazir Chand, Smt. Shakuntla Rani W/o Sh. Ved Parkash, C/o M/s. Katyal Rice and General Mills, Nilokheri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being plot No. 10 measuring 3805 sq. yards at Nilokheri and as more mentioned in the sale deed registered on 13-8-81 with the Sub Registrar, Nilokheri.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-4-1982.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) B. V. Devyappa & others,  
No. 75, Manager Ranganna Galli,  
Manavartha Pet,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) Mohd. Jaleel,  
S/o Mohd. Hiyath  
No. 105, Mysore Road,  
Bangalore.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 13th April 1982

C. R. No. 62/31869/781-82/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

9, Old No. 34, situated at Kalasipalyam Extension, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Basavanagudi Document No. 1574 on 27-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of my income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1574, Dated 27-8-'81].  
New No. 9, Old No. 34, Kalasipalyam Extension, Bangalore.

MRS. MANJU MADHAVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-4-82.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 5th April 1982

G. I. R. No. M-132/Acq.—Whereas, I,  
VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land situated at Civil Lines, Azamgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Azamgarh on 27-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri  
(1) Ghanshyam Das Agarwal  
(2) Mohan Lal Agarwal  
(3) Om Prakash Agarwal  
(4) Sri Prakash Agarwal  
(5) Arun Kumar  
(6) Lalit Kumar  
Through Attorney, Varun Kumar  
(7) Arvind Kumar  
(8) Anil Kumar  
(9) Varun Kumar  
(10) Smt. Maya Agarwal

(Transferor)

S/Shri  
(1) Mitta Prasad Rungta  
(2) Avinash Chand Rungta

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land measuring 16892 sq. ft. situate at Mohalla—Civil Lines, Mauza-Elvel, Tappa-Athalsi, Pargana-Nizamabad, Distt. Azamgarh, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1843, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Azamgarh, on 27-8-1981.

VINOD KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date : 5-4-1982.  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Hemlata Singh

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri L. K. Jhunjhunwala

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE  
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 5th April 1982

G. I. R. No. L-36/Acq.—Whereas, I,  
**VINOD KUMAR**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. A-13, T. G. North Chandganj situated at Housing Scheme, Lucknow.  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 18-8-1981  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

An open plot of land No. A-13, T. G. North Chandganj Housing Scheme, Lucknow, measuring 16050 sq. ft. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5392, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 18-8-1981.

**VINOD KUMAR**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range,  
 Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1982.  
 Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 5th April 1982

G. I. R. No. N-44/Acq.—Whereas, I,  
VINOD KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Nil. Shops, Building & land situated at Civil Lines,  
Azamgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Azamgarh on 27-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object :—

S/Shri  
(1) Ghanshyam Das Agarwal  
(2) Mohan Lal Agarwal  
(3) Om Prakash Agarwal  
(4) Sri Prakash Agarwal  
(5) Varun Kumar Agarwal  
(6) Arun Kumar

Through Attorney holder,  
Varun Kumar

(7) Lalit Kumar  
(8) Arvind Kumar  
(9) Anil Kumar  
(10) Smt. Maya Agarwal

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Devi.  
*Tenants*

S/Shri  
(1) Shiv Shankar Singh  
(2) Abdul Ghani  
(3) Husaini  
(4) Mohd. Idris  
(5) Kharput Ram  
(6) Ravindra Singh  
(7) Badri  
(8) Smt. Sakeena  
(9) Vijay Chand &  
(10) Ghanshyam Das Agarwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shops and building including land etc. situate at Mohalla-Civil Lines, Mauza-Elwal, Tappa-Athaisi, Pargana-Nizamabad, Teh. Sadar, Distt. Azamgarh, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1844, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Azamgarh, on 27-8-1981.

VINOD KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 5-4-1982.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Kasturchand Jivraj Shah,  
102, Shukrawar Peth,  
Sholapur.

(Transferor)

(2) Shri Malukchand Khushalchand Gandhi,  
123A, Shukrawar Peth,  
Sholapur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 2nd April 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Solapur/Aug. 81/641/82-83.—  
Whereas, I, R. K. AGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act) have reason to believe  
that the immoveable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
C.S. No. 4334, Municipal No. 542 situated at Shukrawar  
Peth, Solapur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
SR. Solapur on August, 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property bearing C.S. No. 4334, Municipal No. 542,  
situated at Shukrawar Peth, Solapur.

(Property as described in the sale deed registered under  
document No. 2307 in the office of the Sub Registrar,  
Solapur in the month of August, 1981).

R. K. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
34—56GU/82

Date : 2-4-1982,  
Seal :

## FORM LT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 2nd April 1982

Ref. No. IAC/CA5/CR. Bombay/Aug. 81/642/82-83.—  
 Wheeras, I. R. K. AGGARWAL,  
 being the Competent Authority under Section 269B of  
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
 immovable property having a fair market value exceeding  
 Rs. 25,000/- and bearing  
 R.S. No. 26A & 26B/1 C.S. No. 621A & 621B situated at  
 Ward. Khandala, Tal. Maval, Dist. Pune  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908  
 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at  
 SR. Bombay on August, 1981  
 for an apparent consideration which is less than the  
 fair market value of the aforesaid property and I have  
 reason to believe that the fair market value of the property  
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
 more than fifteen per cent of such apparent consideration  
 and that the consideration for such transfer as agreed to  
 between the parties has not been truly stated in the said  
 instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Katie A. Irani,  
 Mr. Aspi M. Irani,  
 Heera-Meher, 2nd Floor,  
 108, Wode House Road,  
 Colaba, Bombay-400 005.

(Transferor)

(2) Mrs. Mehro Russy Kavarana,  
 Mr. Dinshaw Russy Kavarana, (Minor)  
 Mr. Hoshang Russy Kavarana, (Minor)  
 Irish Building, Duffec Parade,  
 Bombay-400 005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days  
 from the service of notice on the respective persons  
 whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

Property bearing R.S. No. 26A & 26B/1 C.S. No. 621A & 621B Ward Khandala, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Property as described in the sale deed registered under document No. R1099 in the office of the Sub Registrar, Bombay in the month of August, 1981).

R. K. AGGARWAL,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Poona

Date : 2-4-1982.  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the  
 said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
 the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Shri Dattatray Pirji More,  
Ward No. 9,  
Industrial Estate,  
Ichalkaranji,  
Dist. Kolhapur.

(Transferor)

(2) Sou. Champabai Shivling Pandhare,  
Partner of M/s. Basweshwar Sizers, Ichalkaranji.  
Ward No. 8, House No. 28,  
Ichalkaranji. Dist. Kolhapur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 2nd April 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Ichalkaranji/Aug. 81/643/82-83.—Whereas, I R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Ichalkaranji Dist. Kolhapur R.S. No. 593 C.S. No. 5995A/17 (1/2 share), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. chalkaranji on August, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the mentioned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property bearing R.S. No. 593 C.S. No. 5995-A/17 (1/2 share) situated at Ichalkaranji, Dist. Kolhapur. (Property as described in the sale deed registered under document No. 2150 in the office of the Sub Registrar, Ichalkaranji in the month of August, 1981).

R. K. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona

Date : 2-4-1982.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 2nd April 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Ichalkaranji/Aug. 81/644/82-83.  
—Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Gat No. 830 (1/5th share) situated at Shahapur, Tal. Ichalkaranji Dist. Kolhapur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 ((16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Ichalkaranji on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Akkabai Sakharam Savant, & 7 others,  
At Vadgaon,  
Tal. Ichalkaranji,  
Dist. Kolhapur.

(Transferor)

(2) 1. Shankarrao Tukaram Jadhav,  
2. Shri Bhausaheb Pirgonda Patil,  
At Ichalkaranji,  
Dist. Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property bearing Gat No. 830 (1/5th share) situated at Shahapur, Tal. Ichalkaranji, Dist. Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2092 in the office of the Sub Registrar, Ichalkaranji, in the month of August, 1981).

R. K. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1982.  
Seal :

**FORM ITNS—**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**

**OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE, PUNE-1.**

Pune-1, the 2nd April 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Ichalkaranji/Aug. 81/645/82-83.  
Whereas, I, R. K. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269D of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
Gat No. 830 (1/5th share), situated at Shahapur Tal.  
Ichalkaranji, Dist. Kolhapur  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
SR. Ichalkaranji on August, 1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Smt. Akkabai Sakhamram Savant, & 7 others,  
At Vadgaon,  
Tal. Ichalkaranji,  
Dist. Kolhapur.

(Transferor)

(2) Shri Shivkant Banappa Metri,  
Smt. Kamal Gopinath Jadhav.  
Ichalkaranji.  
Dist. Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Property bearing Gat No. 830 (1/5th share) situated at  
Shahapur, Tal. Ichalkaranji, Dist. Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under  
document No. 2093 in the office of the Sub Registrar,  
Ichalkaranji, in the month of August, 1981).

R. K. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 24-4-1982.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Punc-1, the 2nd April 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Ichalkaranji/Aug. 81/646/82-83.  
 Whereas, I, R. K. AGGARWAL,  
 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 Gat No. 830 (1/5th share), situated at Shahapur Tal. Ichalkaranji, Dist. Kolhapur  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Ichalkaranji on August 1981  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. Akkabai Sekharam Savant & 7 Others,  
 At Vadgaon,  
 Tal. Ichalkaranji.  
 Dist. Pune.

(Transferor)

(2) Shri Gopinath Vitthal Jadhav,  
 Shri Subhash Laxman Shendge,  
 Ichalkaranji  
 Dist. Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property bearing Gat No. 830 (1/5th Share) situated at Shahapur Tal. Ichalkaranji, Dist. Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2094 in the office of the Sub Registrar, Ichalkaranji, in the month of August, 1981).

R. K. AGGARWAL,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Poona

Date : 2-4-1982.  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 2nd April 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Ichalkaranji/Aug. 82/647/82-83.  
 —Whereas, I, R. K. AGGARWAL,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 Gat No. 830 (1/5th share), situated at Shahapur Tal. Ichalkaranji Dist. Kolhapur  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Ichalkaranji on August, 1981  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Akkabai Sakharam Savant & 7 others,  
 Vadgaon,  
 Tal. Ichalkaranji,  
 Dist. Kolhapur.

(Transferor)

(2) Shri Balgonda Babagonda Patil,  
 Shri Shivaji Shankar Jadhav,  
 Ichalkaranji,  
 Dist. Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing Gat No. 830 (1/5th share) situated at Shahapur, Tal. Ichalkaranji, Dist. Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2095 in the office of the Sub Registrar Ichalkaranji in the month of August, 1981).

R. K. AGGARWAL,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Poona.

Date : 24-4-1982.  
 Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/CAS/CR. Jalgaon/Aug. 81/ 649/82-83.—  
Whereas, I, R. K. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Shet S. No. 40/3 situated at Mouje Mehrun Tal. & Dist.  
Jalgaon  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
SR. Jalgaon on August, 1981  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with object of :—

- (1) Shri Shaikh Mohamed Shaikh Gani Soudagar,  
126, Joshi Peth,  
Jalgaon.  
(Transferor)  
(2) Shri Omprakash Sitaram Agrawal,  
Partner of Saibaba Development Corporation Jalgaon,  
122, Navi Peth,  
Ganesh Building,  
Jalgaon.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expired later;  
  
(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property bearing Shet S. No. 40/3, situated at Mouje  
Mehrung, Tal & Dist. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under  
document No. 3267 in the office of the Sub Registrar, Jalgaon  
in the month of August, 1981).

R. K. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona

Date : 3-4-1982,  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Thane/Aug. 81/651/82-83.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tikka No. 7, C.S. No. 108 situated at K. Villa, Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Thane on August, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Dominic Manuel Dos Remedios & others,  
House No. 78/79,  
K. Villa,  
Thane.

(Transferor)

(2) Shri Xohn Jude Serpes,  
79, K. Villa,  
Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Property bearing Tikka No. 7, C.S. No. 108 situated at K. Villa Thane.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 765 in the office of the Sub Registrar, Thane in the month of Aug. 1981).

R. K. AGGARWAL.  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range- Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

35—56GI/82

Date : 3-4-1982.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/CAS/SR. Miraj-1/Aug. 81/652/82-83.—  
 Whereas, I, R. K. AGGARWAL,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 35/3, 34/3, 33/3A situated at Mouje Haripur Tal Miraj Dist. Sangli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Miraj-I on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Dnyanu Ramchandra Chavan,  
 Haripur,  
 Tal. Miraj,  
 Dist. Sangli.

(Transferor)

(2) 1. Shri Shankar Bhau Chavan,  
 2. Shri Nemdev Bhau Chavan,  
 3. Shri Maruti alias Bajrang Bhau Chavan,  
 Haripur, Tal. Miraj.  
 Dist. Sangli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property bearing S. No. 35/3, 34/3, 33/3A situated at Mouje Haripur Tal. Miraj, Dist. Sangli.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1712 in the office of the Sub Registrar, Miraj-I in the month of August, 1981).

R. K. AGGARWAL,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Poona

Date : 3-4-1982,  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

- (1) Shri Khandu Bhavdu Ladvanjari,  
Post Mehrun,  
Tal & Dist. Jalgaon.  
(Transferor)
- (2) Shri Shridhar Khushal Bhole,  
Partner of Hemant Traders, Jalgaon,  
154, Jilha Peth,  
Jalgaon.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE-I.

Pune-1, the 3rd April 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Jalgaon/Aug. 81/653/82-83.—  
Whereas, I, R. K. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Shet S. No. 193/3 situated at Mouje Mehrun Tal. & Dist.  
Jalgaon  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
SR. Jalgaon on August, 1981  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Property bearing Shet S. No. 193/3 situated at Mouje  
Mehrung Tal & Dist. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under  
document No. 3028 in the office of the Sub Registrar, Jalgaon  
in the month of August, 1981).

R. K. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona.

Date : 3-4-1982.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 5th April 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Bhivandi/Aug. 81/654/82-83.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 116 Hissa No. 5 situated at Mouje Narpoli Tal. Bhivandi Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Bhivandi on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mohamed Amin Ibrahim Rais & Others 7, At 19, Bhusar Mohalla, Bhivandi, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) 1. Shri Balraj Balyaya Konda,  
2. Shri Pandharinath Kashinath Taware & Others 16  
318, Govind Niwas, Nazrana Compound,  
Kasar Ali, Bhivandi.  
Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

#### THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 116, Hissa No. 5, Mouje Narpoli, Tal. Bhivandi, Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 123 in the office of the Sub Registrar, Bhivandi in the month of August, 1981).

R. K. AGGARWAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Poona)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 5-4-1982

Seal :

## FORM ITNS

(1) Dr. Hemchandra Shankar Gupta, & Others 17,  
 'Rajdeep', Lt. Dilip Gupte Road, Mahim, Bombay-  
 400 016.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
PUNE

Punc-1, the 13th April 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Bombay/Aug.81/655/82-83.—

Whereas, I R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

S. No. 56, situated at Village Bhushi Maval, Dist. Pune, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

SR. Bombay in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Shri Gajanan Nuravan Deshmukh.  
 2. Smt. Saraswati Gajanan Deshmukh.  
 3. Kum. Mangala Gajanan Deshmukh.  
 4. Shri Shashikant Gajanan Deshmukh.  
 14A, Boran Road, 1st floor, Bandra, Bombay-50.  
 5. Mrs. Zarin Rustom Irani.  
 6. Mr. Cyrus Rustom Irani.  
 7. Mrs. Yasmine Rustom Irani.  
 Rustom Manzil, Khandeshwari Temple Marg,  
 Bandra, Bombay-50.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property bearing S. No. 56, situated at Village Bhushi, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 48 in the office of the Sub Registrar, Bombay in the month of August 1981).

R. K. AGGARWAL  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
 Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-4-1982  
 Seal :

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-1, the 13th April 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Solapur/Aug.81/656/82-83.—  
Whereas, I R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 17 in R.S. No. 169 (Hissa 1 & 2) and S. Gat No. 70, situated at Mouje Tandulwadi Tal. South Solapur, Dist. Solapur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Solapur in August 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Dhanappa Pundappa Patil & Others 4, At Tandulwadi, Tal. South Solapur, Dist. Solapur.  
(Transferor)
- (2) 1. Shri Mohanoddin Mohinadhussein Shaikh  
2. Shri Mohamad Munir Mohinadhussein Shaikh,  
3. Shri Mohamad Shafi Mohinadhussein Shaikh,  
4. Shri Mohamad Ismail Mohinadhussein Shaikh,  
(minor). At Tandulwadi, Tal. South Solapur  
Dist. Solapur.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property bearing Gat No. 70, situated at Mouje Tandulwadi, Tal. South Solapur, Dist. Solapur.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2177 in the office of the Sub Registrar Solapur in the month of Aug. 81).

R. K. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-4-1982  
Seal :

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
PUNE**

Pune-1, the 13th April 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Sindkhede/Aug.81/657/82-83.—

Whereas, I R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 214 & 232/2 situated at Mouja Dondaiche Tal Sindkhede, Dist. Dhule,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Sindkhede in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sindkhede Taluka Shetkari Sahakir Sangh Ltd. Dondaiche Chairman Shri Ragho Shankarrao Patil, At Karle, Tal. Sindkhede, Dist. Dhule.  
(Transferor)

(2) Shri Kacharajal Dipchand Jain At Dondaiche, Tal. Sindkhede, Dist. Dhule.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property bearing S. No. 214 & 232/2 situated at Dondaiche, Tal. Sindkhede, Dist. Dhule.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1173 in the office of the Sub Registrar, Sindkhede, Tal. Dhule in the month of August 1981)

R. K. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 13-4-1982

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
PUNE

Pune-1, the 13th April 1982

Ref. No. IAC/CAS/SR.Phaltan/Aug.81/658/82-83.—

Whereas, I R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Gat No. 345, 346 & 348 situated at Mouja Kapadgaon Tal. Phaltan, Dist. Satara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Phaltan in August 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Dilip Jaywant Jadhav, At Lonand, Tal. Khan-dala, Dist. Satara.  
(Transferor)

(2) Shri Baban Ganpat Shendge, Suresh Malhati Choure, At Kapadgaon, Tal. Phaltan, Dist. Satara.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Property bearing Gat No. 345, 346, & 348 situated at Mouja Kapadgaon, Tal. Phaltan, Dist. Satara.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1713 in the office of the Sub Registrar, Phaltan in the month of August 1981).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-4-1982  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Squ. Yamunabai Purushottam Wani, At Post Pimpriale, Tal. & Dist. Jalgaon.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Saraswati Development Corporation Jalgaon, Partner Shri Narayan Waman Wani, Jaikisan Wadi, Navi Peth, Jalgaon.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE**

PUNE

Pune-1, the 13th April 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Jalgaon/Aug.81/659/82-83.—

Whereas, I R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shet Gat No. 85/2 situated at Nimkhedi Khurd Tal. & Dist. Jalgaon.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

SR. Jalgaon in August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property bearing Shet Gat No. 85/2 situated at Nimkhedi Khurd, Tal & Dist. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3330 in the Office of the Sub Registrar, Jalgaon in the month of August 1981).

**R. K. AGGARWAL**  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

36—56GI/82

Date : 13-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Mohandas Purushottam Wani. At Post Pimpale, Tal. & Dist. Jalgaon.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Saraswati Development Corporation Jalgaon, Partner Shri Narayan Waman Wani, Jaikisanwadi, Navi Peth, Jalgaon.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
PUNE  
Pune-1, the 13th April 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Jalgaon/Aug.81/660/82-83.—

Whereas, I R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Gat No. 851 situated at Mouja Nimkhedi Khurd, Tal & Dist. Jalgaon,  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Jalgaon in August 1981.  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

Property bearing Gat No. 851 situated at Mouja Nimkhedi, Tal & Dist. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3381 in the office of the Sub Registrar, Jalgaon in the month of August 1981).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-4-1982

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Dr. Ramdas Kamal Patil Smt. Krishnabai Ramdas Patil.  
(Transferor)

(2) Mr. Alyque Padamsee Mrs. Racl Padamsee.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE, PUNE**

Pune-1, the 13th April 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Alibag/Aug.81/661/82-83.—  
Whereas, I R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 405 H. No. 1-C, situated at Village Aawas Tal Alibag, Dist. Kolaba,

Dist. Kolaba,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Alibag in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property bearing S. No. 405, H. No. 1-C, Vill. Aawas, Tel Alibag, Dist. Kolaba.

Property as described in the sale deed registered under document No. 445 in the office of the Sub Registrar Alibag in the month of August 1981).

R. K. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SI - 16GI/82

Date : 13-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 27th March 1982

Ref. No. AC-59/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. P-65, situated at CIT Sch. No. VII(M) P.S. Maniktola, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at S.R.A, Calcutta on 20-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kanhayalal Agarwal 6/1A, Mayra St., Cal-17.  
(Transferor)
- (2) Shri Narayan Ch. Basak 198/3, R. N. Guha Road, Cal-74.  
(Transferee)
- (3) Shri Kanhayalal Agarwal  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in vacant land measuring 4kt. 5ch. 33 sq. ft. at P-65 C.I.T. Sch. No. VII(M), P.S. Maniktola, Calcutta. More particularly described in deed No. 7074 of S.R.A. Calcutta of 1981.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
IAC : Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 27-3-82  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 27th March 1982

Ref. No. AC-58/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. P-65, situated at CIT Scheme No. VII(M) P.S. Maniktola, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 20-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Kanhaiyalal Agarwal 6/1A, Mayra St., Cal-17.  
(Transferor)

(2) Sri Suranjan Basak 161, Baithak Khanna Road,  
Cal-9.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Undivided 1/3rd share in vacant land measuring 4kt 5ch. 33sq. ft. at P-65, C.I.T. Scheme No. VII(M), P.S. Maniktola, Calcutta. More particularly described in deed No. 7073 of S.R.A. Calcutta of 1981.

K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta

Date : 27-3-1982  
Seal :

\* Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II CALCUTTA

Calcutta, the 27th March 1982

Ref. No AC-57/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

P-65, situated at C.I.T. Scheme No. VII(M), P.S. Maniktola, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta on 20-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Shri Kanhayalal Agarwal 6/1A, Mayra St., Calcutta-17.  
(Transferor)
- (2) Shri Gokul Ranjan Basak 98/3, R. N. Guha Road, Cal-74.  
(Transferee)
- (3) Shri Kanhayalal Agarwal  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Undivided 1/3rd share in vacant land at 65-P, C.I.T. Sch. No. VII(M) P.S. Maniktola, Calcutta. More particularly described in deed No. 7072 of S.R.A., Calcutta of 1981.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 27-3-82  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

**FORM ITNS**

(1) Shri Roma Chatterjee

(Transferors)

(2) Shri Susoma Dey

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA**

Calcutta, the 31st March 1982

Ref. No. 1047/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22B, situated at Garcha 1st Lane, Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 5-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

All that piece or parcel of land measuring 3K 11 Ch with building situated at 22B, Garcha 1st Lane, Calcutta.

M. AHMAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Roma Chatterjee

(Transferor) —

(2) Sri Biswanath Dey

(Transferee) —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 31st March 1982

Ref. No. 1048/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing N. 22B, situated at Garcha 1st Lane, Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Calcutta on 5-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K 11Ch 17 sft. with building situated at 22B, Garcha 1st Lane, Calcutta.

M. AHMAD  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-3-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Roma Chatterjee

Transferor(s)

(2) Sri Dilip Dey

Transferee(s)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 31st March 1982

Ref. No. 1049/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22A, situated at Garcha 1st Lane, Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 5-8-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3K 11Ch 17 Sqft. with building situated at 22A, Garcha 1st Lane, Calcutta.

M. AHMAD  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
37—56GI/82

Date : 31-3-1982  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA**

Calcutta, the 31st March 1982

Ref. . AC-60/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 40 situated at Block B, Bangur Avenue P.S. Lake Town, Cal-55, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 14-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Gita Mukherjee, 2/2B, Nandi St., Calcutta.  
(Transferor)
- (2) (1) Rama Biswas, 878, Bangur Avenue, Block-B, Calcutta.  
(2) Monaj Dutta, 18B/1C, Tamer Lane, Calcutta.  
(Transferee)
- (3) (1) Shri Ajit Chakraborty,  
(2) Shri Pappa Chan,  
(3) Shri Bal Chandan,  
(4) Mr. Nair,  
(5) Shri Chitta Ranjan Das and  
(6) Shri S. S. Pilli.  
(Persons in occupation).
- (4) The Vendor.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

Area : 2kt. 9ch. 41sft. (Three storeyed Bldg.) at Plot No. 40 of Block-B of Bangur Avenue, P.S. Lake Town, Calcutta. More particularly described in deeds No. 6893 of R.A. Calcutta of 1981.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Calcutta

Date : 31-3-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

- (1) Shri Sudhanay Chatterjee, P.O. Hinghat, Dist.  
Warah, Maharashtra.  
(Transferor)
- (2) Shri Taru Bal Roy, 47/1F, Badridas Temple St.,  
Calcutta.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 31st March 1982

Ref. AC-62/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 31, situated at Block-C, Bangur Avenue, Calcutta-55,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Cossipore, Dum Dum on 3-8-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Plot No. 31 at Krishnapur, Block-C, Bangur Avenue, Calcutta. More particularly described in deed No. 8750 P. of S.R. Cossipore, Dum Dum of 1981.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-3-1982  
Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 31st March 1982

Ref. No. AC-61/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Prem. No. 8J situated at South Sinthee Road, P.S. Cossipore, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at D.R. Alipore in 11-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Kapoor Hosiery Factory (P) Ltd. South Sinthee Road, Calcutta.  
(Transferor)
- (2) Anil Kr. Das Mahapatra & Ors. 3A, Govinda Mandal Lane, P.S. Cossipore, Calcutta.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Area 16 ks. at Prem. No. 8J, South Sinthee Road, P.S. Cossipore, Calcutta. More particularly described in deed No. 9436 of D.R. Alipore, 24-Pgs. of 1981.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta

Date : 31-3-1982  
Seal :

**FORM ITNS**

- (1) Subhendu Kr. Dutta, 96/4, Deshpran Sasmal Road, Howrah.  
(Transferor)
- (2) Sunil Kumar Jaiswal, 60, Kali Kundu Lane, Howrah.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd April 1982

Ref. No. AC-7/Acq.R-IV/Cat/82-83.—Whereas, I, K. SINHAA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/12 situated at Bellilious Lane, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 21-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land : 16 k 4ch. 33 sit. with building.  
Address : 1/12, Bellilious Lane, P.S. Bantra, Dist. Howrah.  
Deed No. 4472 of 1981.

K. SINHAA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 2-4-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Motilal Alta, 139, Shib Gopal Banerjee Lane, Howrah.  
(Transferor)
- (2) Shri Jugal Kishor Kaushik, 9/1, Kali Mazumdar Road, Howrah-7.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd April 1982

Ref. No. AC-2/Acq.R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 108 situated at Dharmatalla Road, Howrah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Calcutta on 7-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 808.81 Sq. Mt. (12kt. 1ch. 0 sft.).  
Address : 108, Dharmatalla Road, Salkia, P.S. Malipanch Ghora, Mouza-Golaghat, Dist. Howrah.  
Deed No. 6658 of 1981.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 2-1-1982

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

(1) Sm. Aruna Atta,  
139, Shilb Gopal Banerjee Lane, Howrah.  
(Transferor)

(2) Umesh Varma,  
7, Pitamber Roy Lane, Salkia, Howrah.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd April 1982

Ref. No. AC-3/Acq.R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I,  
K. SINHA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 108, situated at Dharamtolla Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 7-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land : 620.12 sq. meter (9k 4ch. 15 sft.).  
Address : 108, Dharamtolla Road, Mouza-Golaghata, Salkia, P.S. Malipanchgora, Dist. Howrah.  
Deed No. : 6660 of 1981.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1982

Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Shri Muktalal Atta,  
139, Shib Gopal Banerjee Lane, Howrah.  
(Transferor)  
(2) Shri Gurcharan Singh, 12, Vivekananda Nagar  
Liluah, Howrah.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 2nd April 1982

Ref. No. AC-4/Acq.R-IV Cal/82-83.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 108, situated at Dharamtolla Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 7-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Land : 344.11. Sq. metre (5k. 2ch. 14sft.).  
Address : 108, Dharamtolla Road, Salkia, Mouza-Golaghata, P.S. Malipanchghora, Dist. Howrah.  
Deed No : 6659 of 1981.

K. SINHA

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, Ahmedabad.  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/S. Jayer & C. 12\$8, Netaji Subhas Road,  
Calcutta-700001.

(Transferor)

(2) Sri Jyotirmoy Ghosh, Chawk Bazar, Chinsura, Dist.  
Howrah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd April 1982

Ref. No. AC-5/Acq.R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I,  
K. SINHA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Ghospara Road, Palta, Dist. 24-Pgs,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Calcutta on 8-8-1981  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land : 24 : Bighas-1 cottoh 7 chs. with building.  
Address : Ghoshpara Road, Palta, P.S. Titagarh, Dist. 24  
Pgs.  
Deed No. : 6654 of 1981.

K. SINHA  
Competent Authority  
Acquisition Range-IV  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date : 2-4-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
38—56GI '82

## FORM ITNS

(1) Apurba Kumar Atta,

239, Shib Gopal Banerjee Lane, Mowrah.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd April 1982

Ref. No. AC-I/Acq.R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I,  
**K. SINHA**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 108, situated at Dharmotolla Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 7-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land : 605.72 sq. m. (9kt. 0ch. 40 sq. ft.).  
 Address : 108, Dharmotolla Road, Mouza-Golaghata, Salkia, P.S. Malipanchghora, Dist. Howrah.  
 Deed No. : 6661 of 1981.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**K. SINHA**  
 Competent Authority,  
 Acquisition Range-IV,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-4-1982  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Sarit Bindu Ghosh.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Sri Naresh Chandra Banerjee &amp; ors.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd April 1982

Ref. No. 1050/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 56/12 situated at Mahendra Nath Sen Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 12-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece or parcel of land measuring 2K. 42 Sft, with building situated at 56/19, Mohendra Nath Sen Lane, Calcutta.

M. AHMAD,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 3-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Tarulata Guha.

(Transferor)

(2) Smt. Bhagabati Banik.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd April 1982

Ref. No. 1051/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 297 situated at S. C. Mullick Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 14-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 6 cottahs with building situated at 297, Raja S.C. Mullick Road, Calcutta.

M. AHMAD,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Dated : 3-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Smt. Puspa Rani Chowdhury W/o Sri Satyendra Nath Choudhury, 79/3 '2A, Raja Nata Krishna St., Calcutta-5.  
(Transferor)
- (2) 1. Siddhartha Bose 2. Smt. Ratna Bose 1, 4, Jatin Dasnagar, P.S. Belgharia, Calcutta-5.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 7th April 1982

Ref. No. AC-6/Acq.R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I,  
K. SINHA,  
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 233, 235 situated at Asokegarh, P.S. Baranagore (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cossipore in 14-8-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land : 4 cottahs with building.  
Address : 233 and 235, Asokegarh, P.S. Baranagore, Dist. 24-Pgs.  
Deed No. 9106 of 1981.

K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV Calcutta.

Dated : 7-4-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA

Calcutta, the 7th April 1982

Ref. No. AC-8/Acq.R-IV Cal 82-83.—Whereas, J. K. SINHA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at  
Mouza-Panihati, P.S. Khardaha  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta in 12-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Ramesh Chandra Mukherjee, 134-B, B. K. Pal Avenue,  
Arun Kumar Mukherjee  
Radha Ganguly  
Smt. Arati Bhattacharya, 4/1A, Krishnaram Bose St.,  
16-A, Pal Street, Calcutta.  
(Transferor)

(2) Sh. Jayanta, Prosanta Dey,  
of 21H, Harakal Mitra Street, Calcutta.  
Asit, Sefali, Arati, Rajesh and Surajit Dutta  
of 53B, Pramanick Ghat Road, Calcutta.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land : 11k, 6ch, 18sft. with building.  
Address : Mouza-Panihati, P.S. Khardaha, Dist.  
24-Parganas,  
Decd No. : 6798 of 1981.

K. SINHA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Dated : 7-4-1982  
Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Dr. Nirmal Kr. Ghosh.

(Transferor)

(2) Sri Dhanpalrai Kanhyalal Karnani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th April 1982

Ref. No. 1052/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I,  
M. AHMAD,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 22F situated at  
Nepal Bhattacharjee 1st Lane, Calcutta  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act.  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Officer at Alipore in 26-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
**and/or**

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

All that piece or parcel of land measuring 4 cottahs 14  
Chittacks 30 Sq. ft. with tin shed structure situated at 22F,  
Nepal Bhattacharjee 1st Lane, Calcutta.

M. AHMAD  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
22—46GT/82

Date : 8-4-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Asha Rani Guha.

(Transferor)

(2) Sh. Sunil Kr. Rungta.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th April 1982

Ref. No. 1053/Acq R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 192A situated at Rash Behari Avenue, Cal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that undivided half share of piece or parcel of land with building situated at 192A, Rash Behari Avenue, Calcutta registered vide Deed No. 6482 before the R.A., Calcutta.

M. AHMAD,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Dated : 14-4-1982  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Asha Rani Guha.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Bilas Rungta.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th April 1982

Ref. No. 1054/Acq.R-III/82-83.—Whereas I,

M. AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 192A situated at  
Rash Behari Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 3-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that undivided half share of piece or parcel of land with building situated at 192A, Rash Behari Avenue, Calcutta registered vide Deed No. 6481 before the R.A., Calcutta.

M. AHMAD,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
39—56GI/82

Dated : 14-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Madhusudan Das.

(Transferor)

(2) Sri Ranjit Das Gupta.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th April 1982

Ref. No. 1055/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I,  
**M. AHMED**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mouza-Santoshpur, P.S. Jadavpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 24-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 4K 4Ch 2 Sft. with building situated at Mouza-Santoshpur, P.S. Jadavpur, Dist. 24 Parganas.

M. AHMAD,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 14-4-1982  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Anola Sen.

(Transferor)

(2) Sri J. P. Moitra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th April 1982

Ref. No. 1057/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I,  
**M. AHMED**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 61/B situated at Moore Avenue, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore in 27-881

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

'All that piece or parcel of land measuring 4K 2Ch situated at and being Premises No. 61 B, Moore Avenue, Calcutta.

**M. AHMAD,**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 14-4-1982

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt Aparna Dey &amp; Ors.

(Transferor)

(2) Smt. Kalyani Mitra.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th April 1982

Ref. No. 1056/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 357/1/13/5 situated at Prince Anwar Shah Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 10-8-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 4 cottahs situated at and being Premises No. 357/1/13/5, Prince Anwar Shah Road, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

M. AHMAD,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated : 14-4-1982  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Shiladitya Banerjee &amp; others.

(Transferor)

(2) Makhan Lal Bagrodia &  
Master Manish Bagrodia.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

## TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th April 1982

Ref. No. 1058/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I,  
M. AHMED,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs 25,000/- and bearing  
No. 19A situated at  
Sarat Bose Road, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Calcutta on 28-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 56.297 sq. metre  
with structures situated at and being Premises No. 19A, Sarat  
Bose Road, Calcutta.

M. AHMED,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Dated : 14-4-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

(1) Sri Shiladitya Banerjee &amp; others.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th April 1982

Ref. No. 1059/Acq.R-III/82-83.—Whereas, I,  
M. AHMED,  
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 19A situated at  
Sarat Bose Road, Calcutta  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-8-81  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 56.297 sq. metres with structures situated at and being Premises No. 19A, Sarat Bose Road, Calcutta.

M. AHMED,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner on Income-tax  
Acquisition Range-III, Calcutta.

Dated : 14-4-1982  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Smt. Savitaben Dhanjibhai, through : P.A.H.  
Shri Tribhwanbhai I. Amin, "Amin Park",  
Kalawad Road, Rajkot.  
(Transferor)
- (2) M/s. Liberal Engineering Work;  
Pura Bazar, Rajkot.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th April 1982

Ref. No. P.R. No. 1849 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I,  
G. C. GARG,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
S. No. 402, Plot No. 15 paiki situated at  
Umakant Pandit Udyognagar, Gondal Rd.,  
Mandi Plot, Rajkot  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering  
Officer at Rajkot in 6-8-81  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

Land adm. 760 sq. yds. situated at Umakant Pandit Udyognagar, Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Rajkot, vide sale-deed No. 6383/6-8-1981.

G. C. GARG,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated : 5-4-82  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sh. Somnath Oil & Ginning Factory;  
Main administrator : Shri Babulal Ranchhoddas;  
Bagdai; 33-B, Harihar Society, Rajkot.  
(Transferor)
- (2) Sh. Kaneriya Oil Industries;  
Through : Sh. Tulsidas Lavjibhai Kaneriya;  
Behind Kisan Cold Storage;  
Gondal Road, Rajkot.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th April 1982

Ref. No. P.R. No. 1848 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I,  
G. C. GARG,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 394 paiki situated at  
Gondal Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Rajkot on 18-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
**1957 (27 of 1957):**

## THE SCHEDULE

Factory Building standing on land 1611-1-0 situated at Gondal Rd., Rajkot duly registered by Sub-Registrar, Rajkot, vide sale-deed No. 1276/18-8-81.

G. C. GARG,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Dated : 5-4-82  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Gohel Mohanbhai Motibhai;  
Lotiya Bhagol, Anand.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Krishna Agency;  
Through : Partner Patel Upendrabhai Ravjibhai;  
Pushpakunj Colony, Opp. Civil Court, Anand.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th March 1982

Ref. No. P.R. No. 1580 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I,  
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Anand sim. Sur. No. 822/2 situated at

Anand  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand in Aug 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at Anand sim S. No. 822/2 as fully described in sal deed No. 2236 registered in the office of Sub-Registrar, Anan in August, 1981.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, AhmedabadNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—  
40—56GI/82Dated : 29-4-82  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380-009**

Ahmedabad-380 009, the 1st April 1982

Ref. No. P.R. No. 1581 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Block No. 30A, Shastrinagar Society, situated at Nizampura, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda in Aug 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Jayaben Maganbhai Patel;  
Shastrinagar Society, Nizampura,  
Baroda.

(Transferor)

(2) Kalpanaben Rajendra Mistry;  
30-A, Shastrinagar Society,  
Nizampura, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building as fully described in sale-deed No. 3027 registered in the Office of Sub-Registrar, Baroda in the month of August, 1981.

G. C. GARG,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 1-4-82.  
Seal :

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380-009

Ahmedabad-380 009, the 2nd April 1982

Ref. No. P.R. No. 1582 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 3361, Wd. No. 4, Haderali Street, situated at Zampa Bazar, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in Aug. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Madhukanta Ranjithbai Laheraji; Begampura, Haderali Kasamji Street, Surat.  
(Transferor)
- (2) 1. Abdeali Bhaisaheb Mohmadbhai Saheb Badruddin;  
2. Sh. Ismailbhai Saheb Mohmadbhai Saheb Badruddin; Zampa Bazar, Devdi, Surat.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 3361, Wd. No. 4, Haderali Street, Surat, registered in August 1981.

G. C. GARG,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 2-4-82  
Seal :

## FORM ITNS

- (2) Dr. Prabhavati Bhaskar Hardekar;  
Datha Niwas, Nr. Rambaug, Ahmedabad,  
(Transferor)
- (2) Sh. Amrutlal Sunderlal Rana;  
Bhav Kale Gali,  
Roapura, Baroda.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380-009

Ahmedabad-380 009, the 5th April 1982

Ref. No. P.R. No. 1583 Acq. 23-JI/82/83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 293/1 situated at R. V. Desai Road, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in Aug. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing R. S. No. 293/1 situated at Baroda City as fully described in sale-deed registered with Sub-Registrar, Baroda in August, 1981.

G. C. GARG,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 5-4-82  
Seal :

**FORM ITNS—**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th April 1982

Ref. No. P.R. No. 1584 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. City Survey No. 577-A situated at Pratapnagar Road, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in 11-8-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Madhavji Nathubhai Patel;  
P.A. Holder : Hansraj Madhavjibhai Patel;  
Pratapnagar Road, Baroda.

(Transferor)

(2) 1. Jayantilal Chumil Nanavati;  
2. Pramod Jayantilal Nanavati;  
3. Kishor Jayantilal Nanavati;  
Sultapur, Modh Pole, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Immovable property as fully described in sale deed No. 4216 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 11-8-81.

G. C. GARG,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 7-4-82  
Seal :

**FORM ITNS —————**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 7th April 1982

Ref. No. P.R. No. 1585 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 502/2,500/2 at Adajan situated at Adajan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in Aug. 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Jagdishbhai Harilal Raval P.A. Holder of Dahyabhai urfe Ranchhodhbhai Ichharam Patel; Arvindkumar Makarbhai Patel; Sangam Society, Rander Road, Surat and Sh. Mulchandbhai Govindbhai Patel; P.A. Holder of Above two persons. Adajan, Dist. Surat.

(Transferor)

(2) Chairman & Secretary of Sangana Coop. H. Socy.  
 1. Vasantlal Jekisandas Rana;  
 2. Chandrakant Laldas Gheevala;  
 Sangana Society, Rander, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property at S. No. 502/2, & 500/2 at Adajan, registered in August, 1981.

G. C. GARG,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 7-4-82  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

- (1) Sh. Ranchhodhbhai Hirabhai Solanki;  
Bholav, Broach.  
(Transferor)
- (2) Pannaben Kirithbai Patel;  
Bholav.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th April 1982

Ref. No. P.R. No. 1586 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I,  
G. C. GARG,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 30(P) Bholav, situated at  
Bholav  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering officer at  
Officer at Bholav in Aug. 81  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Property at Bholav S. No. 30(P) registered in August  
1981.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

G. C. GARG,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :

Dated : 7-4-82  
Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th April 1982

Ref. No. P.R. No. 1851 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I,  
G. C. GARG,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 5137, 5138, 5139 & 5140 situated at  
Rangwala Bldg. Fernandes Bridge, Gandhi Road,  
Ahmedabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Officer at Ahmedabad in 10-8-81  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Moizbhai Mohmedali Rangwala;  
Near Kutbi Mohalla, Dandigara Pole,  
Kalupur, Ahmedabad.  
(Transferor)
- (2) Smt. Gauriben Devshanker Joshi;  
H. No. 801, Veraipadani Pole, Khadia,  
Near Char Rasta, Ahmedabad.  
(Transferee)
- (3) Late Sh. Chimannal Hemraj Joshi;  
'Rangwala Bldg.', Fernandes Bridge,  
Gandhi Road, Ahmedabad.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the understand :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immo-  
vable property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Building standing on land admeasuring 2 sq. yds., 49 sq.  
yds. 82 sq. yds. and 34 sq. yds. situated at Gandhi Road,  
Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad  
vide sale-deed No. 4842/10-8-81.

G. C. GARG,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 8-4-82  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Sh. Hakimuddin Chandubhai;  
Near Zakaria Masjid, Ahmedabad,  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-480 009

Ahmedabad-380 009, the 8th April 1982

Ref. No. P.R. No. 1850 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2500, 2501 & 2502 situated at Bhadra, Opp. Telegraph Office, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 24-8-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Navnit Traders Pvt. Ltd.,  
1161, Opp. Bhadra, Telegraph Office, Ahmedabad.  
1. Shri Harishbhai Ramchand;  
2. Sh. Navnital & Co.  
3. Sh. Paras Stores;  
4. Sh. Bhaivilal Maganlal;  
5. Sh. Karachi Stores;  
6. Sh. Naranbhai Vasram;  
7. Sh. Devendra P.Oza;  
8. Sh. Prahlad P.Oza.  
All occupants at Opp. Bhadra Telegraph Office, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Building standing on land 96-24-78, 63-64-58 and 21-73-94 sq. mts. situated at Bhadra, Ahmedabad duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 10267 dated 24-8-81.

G. C. GARG,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 8-4-82  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri Panchal Babulal Shamaldas;  
Village Vavol, Gandhinagar Taluka.  
(Transferor)
- (2) Vinodchandra Punjaram Joshi;  
Sector No. 19, Plot No. 90, Gandhinagar.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th April 1982

Ref. No. P.R. No. 1587 Acq. 23-I/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 46/1, 46/2 and 46/4 situated at Village Vavol, Gandhinagar Taluka (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 20-8-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land at village Vavol as fully described in sale-deed No. 1577 registered in the office of Sub-Registrar, Gandhinagar on 20-8-81.

G. C. GARG,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 8-4-82  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Patel Vithalbhai Bakorhai & others;  
Village Vavol, Gandhinagar Taluka.  
(Transferor)
- (2) Tribhovandas Ishwarlal Amin;  
Sector No. 19, Plot No. 85,  
Gandhinagar.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th April 1982

Ref. No. P.R. No. 1588 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 176/1, 176/2 and 175 situated at Village Vavol, Gandhinagar Taluka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 13-8-81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Land at village Vavol as fully described in sale-deeds No. 1545 and 1546 registered in the office of Sub-Registrar, Gandhinagar on 13-8-81.

G. C. GARG,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 8-4-82  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Ashwinkumar Gordhanbhai Patel & others;  
75-76, Kunj Society, Alkapuri, Baroda.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1982

Ref. No. P.R. 1589 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I,  
G. C. GARG,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 568 (Part) situated at  
Opp. Express Hotel, Race Course Road, Baroda  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) 1. Niruben Ashwinkumar Patel; Jyotiben Deepakkumar Patel; 75-76, Kunj Society Alkapuri, Baroda.  
2. Jyoti Family Trust;  
3. Niru Family Trust;  
Trustee : Thakorbhai Chhaganbhai Patel;  
15, Sudhanagar Society, R.C. Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Rights to construct 1st and 2nd and 3rd floors as detailed in the 3 sale deeds registered in the office of the Sub-Registrar, Baroda in the month of August, 81.

G. C. GARG,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated : 12-4-82  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 569D of the said Act to the following persons, namely :—